Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories,
Safety Equipment, Power Tools,
Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda,
Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 15 मई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-135

पीएम के नामांकन में दिखी एनडीए की एकजुटता

मोदी ने वाराणसी से तीसरी बार भरा नामांकन

- नामांकन से पहले प्रधानमंत्री ने काशी के कोतवाल कालभैरव से लिया आशीर्वाद
- योगी समेत कई सीएम, केंद्रीय मंत्री, गठबंधन के साथी और पार्टी नेता शामिल

वाराणसी,14 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव के लिये मंगलवार को वाराणसी संसदीय क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी के तौर पर तीसरी बार नामांकन दाखिल किया। पीएम मोदी के नामांकन के दौरान एनडीए गठबंधन की एकजुटता दिखाई दी। भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों सहित एनडीए घटक दलों के प्रमुख नेता और उनके प्रतिनिधि मौजूद रहे। पीएम मोदी ने पुष्य नक्षत्र में मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में पर्चा दाखिला किया। प्रधानमंत्री के नामांकन में चार प्रस्तावक शामिल रहे। इसमें गणेश्वर शास्त्री द्रविड़, बैजनाथ पटेल, लालचंद कुशवाहा व दलित समाज के संजय सोनकर शामिल थे। गणेश्वर शास्त्री ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का मुहूर्त निकाला था, जबकि बैजनाथ पटेल जनसंघ के समय के कार्यकर्ता हैं।

इससे पहले गंगा सप्तमी पर मां गंगा को नमन करने के उपरांत प्रधानमंत्री काशी कोतवाल काल भैरव के दर पर पहुंचे, वहां उनसे अनुमति-आशीर्वाद लेकर नामांकन किया। श्री मोदी ने सोमवार को काशी विश्वनाथ व मंगलवार को काल भैरव बाबा से भाजपा की प्रचंड जीत का आशीर्वाद भी प्राप्त किया। काल-भैरव मंदिर में पूजन व कलेक्ट्रेट में नामांकन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी साथ रहे।

प्रधानमंत्री ने मंगलवार सुबह सबसे पहले दशाश्वमेध घाट पर गंगा पूजन किया। काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के सदस्य के वेंकट रमन घनपाठी ने गंगा पूजन कराया। गंगा पूजन कराने वालों में तीन पुजारी तमिलनाडु व एक-एक पुजारी आंध्र प्रदेश व महाराष्ट्र के रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री स्वामी विवेकानंद क्रूज पर दशाश्वमेध घाट से गंगा विहार करते हुए आदिकेशव घाट तक गए, फिर नमो घाट उतरे।

नमो घाट से प्रधानमंत्री सीधे काशी के कोतवाल काल भैरव बाबा के दर्शन-पूजन व आरती करने पहुंचे। यहां उन्होंने बाबा से अनुमति व आशीर्वाद लिया, फिर कलेक्ट्रेट पहुंचे।

▶9पर

प्रधानमंत्री को रिकॉर्ड मतों से विजयी बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं काशीवासी : सीएम योगी

लखनऊ, 14 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव के लिए मंगलवार को वाराणसी से तीसरी बार नामांकन किया। नामांकन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। योगी ने कहा, 140 करोड़ भारतीयों के सुख, समृद्धि और संतुष्टि के लिए साधनारत, भारत के अमृतकाल के सारथी आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने आज लोकसभा चुनाव के लिए वाराणसी से अपना नामांकन कियाय़ हर काशीवासी अपने गौरव, अपने प्रिय सांसद आदरणीय प्रधानमंत्री जी को रिकॉर्ड मतों से विजयी बनाने के लिए पूरे मन और पूरी ऊर्जा के साथ प्रतिबद्ध है। हर हर महादेव! हर हर गंगे!

पीएम मोदी ने कार्यकर्ताओं के प्रति आभार जताया

वाराणसी, 14 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को वाराणसी में कार्यकर्ता सम्मेलन में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान सबसे पहले पीएम मोदी ने सभी कार्यकर्ताओं के प्रति आभार जताया और उन्हें धन्यवाद दिया। पीएम ने कार्यकर्ताओं को एक जून तक अपना उत्साह और उमंग बनाए रखने के साथ-साथ प्रत्येक पोलिंग बूथ पर विजय का मंत्र दिया।

पीएम मोदी ने कहा कि हम सब जानते हैं कि लोगों का विश्वास जीतना आसान नहीं होता है। पंचायत चुनाव में भी जीतना हो तो नाकों चने चबाने पड़ते हैं। 24 घंटे लोगों के प्रति समर्पित रहना पड़ता है तब जनता प्यार करती है और अपना आशीर्वाद देती है। ऐसे में इस बार भी जनता का ये प्यार, ये उत्साह, ये आशीर्वाद रोड शो के साथ-साथ ईवीएम में भी दिखाई देना चाहिए। पीएम ने कहा कि मोदी तो जीत जाएगा, क्योंकि आप जिताने वाले हो, लेकिन इस बार मुझे हर एक पोलिंग बूथ जीतना है, जिसकी जिम्मेदारी आपकी है।

▶9पर

प.बंगाल में अमित शाह का चार चरणों के चुनाव पर बड़ा दावा

380 में 270 सीट लेकर बहुमत प्राप्त कर चुके हैं पीएम मोदी

बोनगांव, 14 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को दावा किया कि लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने 338 लोकसभा सीटों में से 270 सीटें हासिल कर ली हैं तथा एक जून को चुनाव प्रक्रिया समाप्त होने तक 400 से अधिक सीटें हासिल हो जाएंगी।

श्री शाह ने उत्तर 24 परगना में मतुआ समुदाय के गढ़ बोनगांव में केंद्रीय मंत्री एवं मौजूदा सांसद शांतनु ठाकुर के पक्ष में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को दोष देने के लिए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ममता बनर्जी की आलोचना की। उन्होंने बंगाल के मतदाताओं से 42 में से 30 से अधिक सीटें भाजपा के लिए सुनिश्चित करने का आग्रह करते हुए कहा, ममता दीदी आप तब खुश थीं जब आपने ईवीएम वोटिंग के जरिये सत्ता हासिल की और मुख्यमंत्री के रूप में अपने तीन कार्यकाल पूरे किये, लेकिन अब आप आसन्न हार की आशंका के कारण उन्हीं इलेक्ट्रॉनिक मशीनों को दोष दे रही हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने

बंगाल में कटमनी, घुसपैठ, बम धमाके और सिंडिकेट राज चल रहा

सीएए पर पश्चिम बंगाल के लोगों को गुमराह कर रहीं ममता बनर्जी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बंगाल में अगली सरकार भाजपा की बनने का दावा करते हुए कहा ममता दीदी अब ईवीएम के बारे में शिकायत कर रही हैं। मैं कहूंगा, जब आप मुख्यमंत्री बनीं, तब भी ईवीएम वही थीं। आज जब आपके जाने की बारी है, तो आप ईवीएम पर सवाल उठा रहे हैं।

उन्होंने कहा, मैं यहां खु-लेआम आपसे कहता हूं कि चिटफंड घोटाला, शिक्षक नियुक्ति घोटाला, नगर निकाय नियुक्ति घोटाला, मवेशी और कोयला तस्करी घोटाले के किसी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा और सभी को जेल जाना होगा। श्री शाह ने यह भी आरोप लगाया कि सुश्री बनर्जी नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के बारे में झूठ फैला रही हैं तथा वह अपने घुसपैठियों के वोट बैंक को खुश करने के लिए मतुआ समुदाय और दलितों को नागरिकता देने का विरोध कर रही हैं। उन्होंने कहा, सीएए उन हिंदुओं, बौद्धों, जैनियों और सिखों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने के लिए है, जिन्होंने भारत में शरण ली है और इसका लोगों को देश से बाहर निकालने से कोई लेना-देना नहीं है। मैं आपको बताता हूं कि नागरिकता देना देश का काम है। सरकार और किसी भी राज्य के पास इसे रद्द करने की कोई शक्ति नहीं है।

▶9पर

स्कूल-अस्पताल के बाद अब तिहाड़ को बम से उड़ाने की धमकी

एक महीने में ऐसी चौथी घटना, इससे पहले एयरपोर्ट और 100 से ज्यादा स्कूलों को ई-मेल मिले

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। स्कूलों, अस्पतालों और एयपोर्ट के बाद अब दिल्ली में तिहाड़ जेल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। जेल प्रशासन ने तलाशी अभियान चलाया लेकिन जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। इससे पहले आज मंगलवार को ही अस्पतालों को फिर से बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। हर बार की तरह इस बार भी धमकी ईमेल के जरिए भेजी गई। अब तक इस तरह की धमकी स्कूलों, अस्पतालों, एयरपोर्ट और उत्तर-रेलवे की सीपीआरओ बिल्डिंग को मिल चुकी है। दहशतगर्द ने दीप चंद बंधु अस्पताल, जीटीबी अस्पताल, दादा देव अस्पताल, हेडगेवार अस्पताल और अन्य सहित कई अस्पतालों को बम से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल भेजा। बम डिस्पोजल स्काड, बम डिटेक्शन टीम, फायर डिपार्टमेंट और स्थानीय पुलिस चारों अस्पताल में सर्च ऑपरेशन चला रही है। हालांकि, अब तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। दिल्ली फायर सर्विस के अधिकारी ने बताया कि उन्हें सबसे पहले दिल्ली के अशोक विहार स्थित दीप चंद बंधु अस्पताल से सुबह 9.45 बजे कॉल आया। इसके बाद सुबह 10.55 में डाबरी स्थित दादा देव अस्पताल, 11.01 बजे फर्श बाजार स्थित हेडगेवार अस्पताल और 11.12 बजे शाहदरा स्थित जीटीबी अस्पताल से सूचना मिली।हेडगेवार अस्पताल के सिक्योरिटी अफसर वी के शर्मा ने बताया कि उनके अस्पताल के एक डॉक्टर को धमकी भरा मेल मिला था। पुलिस और बम डिस्पोजल स्काड की टीम तलाशी ले रही है।

▶9पर

लिट्टे पर पर लगे प्रतिबंध को केंद्र सरकार ने फिर बढ़ाया

गृह मंत्रालय ने संगठन को देश की सुरक्षा के लिए बताया खतरा

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (एलटीटीई) पर लगाए गए प्रतिबंध को मंगलवार को 5 सालों के लिए बढ़ा दिया गया है। केंद्र सरकार ने यह निर्णय इसलिए लिया क्योंकि संगठन लगातार लोगों के बीच अलगाववाद की प्रवृत्ति को बढ़ावा दे रहा है और अपने लिए भारत में, खासकर तमिलनाडु में समर्थन आधार बढ़ा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 की धारा 3 की उपधाराओं (1) और (3) को लागू करते हुए प्रतिबंध लगाया था।गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि केंद्र सरकार की राय है कि लिट्टे अब भी ऐसी

▶9पर

आपा को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बनाया जाएगा आरोपी

दिल्ली शराब घोटाले मामले में ईडी ने हाईकोर्ट को बताया

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। दिल्ली शराब घोटाले में आम आदमी पार्टी को भी आरोपी बनाया जाएगा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को दिल्ली हाईकोर्ट में यह जानकारी दी। ईडी ने यह दलील मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका का विरोध करते हुए दी। ईडी के वकील ने जज स्वर्णकांत शर्मा के सामने दलील देते हुए बताया कि इस मामले हम अपनी अगली अभियोजन शिकायत (चार्जशीट) में आपा को सह-अभियुक्त बनाने वाले हैं। वकील ने आगे कहा कि आरोपी पक्ष इस मामले में आरोप तय करने की प्रक्रिया में देरी करने के लिए पूरा जोर लगा रहा है। वहीं दूसरी तरफ सिसोदिया के वकील ने उनकी जमानत की मांग करते हुए कहा कि ईडी और सीबीआई अभी भी मनी लॉन्ड्रिंग और भ्रष्टाचार मामले में लोगों को गिरफ्तार कर रहे हैं। यह मुकदमा जल्द नहीं निपटने वाला है।

▶9पर

आपा नेता संजय सिंह ने स्वीकारा, मालीवाल के साथ हुई बदसलूकी

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आपा) की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ अरविंद केजरीवाल के आवास पर हुई बदसलूकी के मामले में संजय सिंह ने मंगलवार को मीडिया से बात कर सफाई दी। उन्होंने कहा- 13 मई को बहुत ही निंदनीय घटना घटित हुई, जिसके बारे में आपको बताना चाहता हूं। संजय सिंह बोले- कल (13 मई) सुबह अरविंद केजरीवाल जी से मिलने स्वाति मालीवाल उनके आवास पर पहुंची थीं।इस बीच मुख्यमंत्री के बिभव कुमार वहां पहुंचे और उनके साथ अभद्रता और बदतमीजी की। बिभव कुमार केजरीवाल के करीबी माने जाते हैं।

▶9पर

SHRI GUJARATI VIDYA MANDIR JR. & DEGREE COLLEGE FOR WOMEN
(UNDER THE MANGEMENT OF SHRI GUJARATI PRAGATI SAMAJ)
(ENGLISH MEDIUM)
4-3-259, BANK STREET, GUJARATI GALLI LANE, KOTI, HYDERABAD-500095

TOPPERS IN INTER 1st & 2nd YEAR MARCH 2024
MEGHA 95%
SANJANA 80%
SANDHYA BIRADAR 80%
PINKY KUMAWAT 80%
K BHAVANA KUMARI 90%
AASTHA JAIN 87%
MANISHA CHOUDARY 83%
DINKY YADAV 82%

TOPPERS IN B.COM (GENERAL) III YEAR 2022-2023
G. LAKSHITA 9 POINTS
K. RIYA 8.8 POINTS
GYANESHWARI 8.6 POINTS
ESHA JANGID 8.6 POINTS
ESHIKA KAKANI 8.5 POINTS
MONIKA RAJPUROHIT 8.5 POINTS
A. JYOTHIKA 8.3 POINTS
KAJAL PANDEY 8.2 POINTS

TOPPERS IN B.COM (Com.Appl) III YEAR 2022-2023
ANUSHTHA 9.6 POINTS
NETAL CHOWDHARY 9 POINTS
MANSI JAIN 8.9 POINTS
BHAVANI 8.8 POINTS
DEEPTHI 8.7 POINTS
SONALI BAI 8.7 POINTS
B. RICHA 8.6 POINTS
PALLAVI 8.6 POINTS
POOJA TIWARI 8.5 POINTS
ADITI JAISWAL 8.5 POINTS
A. NIKITHA 8.3 POINTS
SHAILI TRIPATI 8.1 POINTS
K. ESHA 8 POINTS
AKHILA 8 POINTS
NIKITA KULKARNI 8 POINTS
ADMISSION OPEN NOW

SHRI GUJARATI VIDYA MANDIR SCHOOL
(ENGLISH MEDIUM)
GUJARAT GALLI LANE, KOTHI, SULTAN BAZAR, HYDERABAD PH : 9985 353 717
(UNDER THE MANAGMENT OF THE SHRI GUJARATI PRAGATI SAMAJ)
SSC TOPPERS 2023-24
PRACHI B 9.7
PRACHI JAIN 9.5
MAFIYA 9.5
SRASHTI 9.3
BHAVANA 9.2
SHIVANI 9.2
JANHVI SHAH 9.1
HITESH 8.8
ANANYA 8.8
DIVIJ 8.8
G VAISHNAVI 8.7
SWETA YADAV 8.7
DRISHTI KUMARI 8.5
MAHITA 8.5
CHANDANA 8.5
PRANEETA 8.3
KRUTIKA 8.2
KAMLESH 8.2
MANYATHA 8.2
LAVANYA 8.2
SUMAN T 8.0
SUHANI 8.0
SRAVANI 8.0
PRANAV G 8.0
ADMISSION OPEN NOW

उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने अपने संबोधन में आपत्तिजनक शब्द का किया इस्तेमाल, हंस पड़े लोग

वॉशिंगटन, 14 मई (एजेंसियां) ।

अमेरिका की राष्ट्रपति कमला हैरिस एशियाई अमेरिका लोगों से बातचीत के दौरान आपत्तिजनक शब्द का इस्तेमाल कर गईं। हालांकि तुरंत उन्होंने इसके लिए माफी मांग ली थी। अमेरिका की पहली भारतीय-अमेरिकी और अफ्रीकी-अमेरिकी मूल की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के नाम कई उपलब्धियां दर्ज हैं। अपनी उपलब्धियों पर बात करते हुए कमला हैरिस आपत्तिजनक शब्द का इस्तेमाल कर गईं।

कमला हैरिस ने किया आपत्तिजनक शब्द का इस्तेमाल - कमला हैरिस एशियन पैसिफिक इंस्टीट्यूट फॉर कांग्रेसनल स्टडीज के एक कार्यक्रम में शामिल हुईं। इस कार्यक्रम के दौरान हास्य अभिनेता जिमी ओ यंग ने कमला हैरिस के साथ बातचीत की। इस दौरान यंग ने कमला हैरिस से पहली एशियाई मूल की उपराष्ट्रपति बनने के अनुभव के बारे में सवाल किया। इस पर कमला हैरिस ने कहा कि मेरी मां कहा करतीं थी कि किसी को भी ये मत बताने देना कि तुम कौन हो, बल्कि तुम उन्हें बताना कि तुम कौन हो। आपको पता होना चाहिए कि कई बार लोग आपके लिए दरवाजे खोलते हैं, लेकिन कई बार ऐसा नहीं होता तो आपको उन दरवाजों को लात मारकर गिरा देना चाहिए।

कमला हैरिस बोलीं- मेरे जीवन पर मां का प्रभाव बहुत ज्यादा - जब कमला हैरिस ने दरवाजा तोड़ने की बात कही, उसी दौरान वह आपत्तिजनत शब्द का इस्तेमाल कर गईं। हालांकि उन्होंने तुरंत ही अपनी भाषा के लिए माफी मांग ली, लेकिन कमला हैरिस की बात सुनकर वहां मौजूद लोग जमकर हंसे। कमला हैरिस की मां श्यामला गोपालन भारतीय मूल की थीं और वह चेन्नई से अमेरिका पहुंची थीं। कमला हैरिस के पिता डोनाल्ड हैरिस जमैका मूल के थे। कमला हैरिस का कहना है कि उनके जीवन पर उनकी मां और उनके दादाजी का बहुत प्रभाव है। कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने बताया कि उनकी मां ने उन्हें और उनकी बहन को कई सलाह दीं, जिनमें से एक ये थी कि आप कई चीजों को करने वाले पहले शख्स हो सकते हैं, लेकिन आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आप ऐसा करने वाले आखिरी शख्स न रहें। राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ कमला हैरिस एक बार फिर डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से उपराष्ट्रपति पद की रेस में हैं।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिकी विदेश मंत्री अचानक यूक्रेन पहुंचे, राष्ट्रपति जेलेंस्की और शीर्ष नेताओं से करेंगे मुलाकात

कीव । अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन अचानक यूक्रेन दौरे पर पहुंचे। उनकी इस यात्रा को रूस-यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष को बढ़ावा देने और अमेरिका का यूक्रेन को समर्थन देने के रूप में देखा जा रहा है। ब्लिंकन ने सोशल मीडिया के जरिए यूक्रेन की राजधानी कीव में अपने आगमन का विवरण साझा किया। अमेरिकी विदेश विभाग के आधिकारिक प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने भी ब्लिंकन की इस यात्रा से जुड़ी जानकारी साझा की। यूक्रेन के लिए रवाना हुए ब्लिंकन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने पोस्ट में ब्लिंकन ने कहा, मैं यूक्रेन को समर्थन देने के लिए कीव लौटा हूं, क्योंकि वे रूसी आक्रमण के खिलाफ अपनी स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ रहे हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने बताया कि ब्लिंकन यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात करेंगे। दोनों नेताओं के बीच रूस-यूक्रेन संघर्ष पर चर्चा होने की भी संभावना है। मैथ्यू मिलर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, कीव में विदेश मंत्री यूक्रेन के राष्ट्रपति और अन्य शीर्ष नेताओं से मुलाकात करेंगे। इस दौरान नई अमेरिकी सुरक्षा और यूक्रेन की आर्थिक सुधार के लिए जारी कार्यों पर चर्चा की जाएगी। अमेरिका ने यूक्रेन की सहायता के लिए फिर बढ़ाया हाथ बता दें कि अमेरिका ने यूक्रेन के लिए 40 करोड़ सैन्य सहायता पैकेज की घोषणा की है। इस घोषणा के बाद ही ब्लिंकन यूक्रेन के लिए रवाना हुए। पिछले महीने अमेरिका की तरफ से राष्ट्रीय सुरक्षा पूरक पारित करने के बाद यूक्रेन के लिए यह तीसरी सहायता है। इसे मिलाकर अब तक अमेरिका कीव के लिए 61 अरब डॉलर की सहायता का एलान कर चुका है। इस नए पैकेज में पैट्रियोट वायु सुरक्षा सामग्री और स्टिंगर विमान भेदी मिसाइलें शामिल हैं। इसके अलावा इस पैकेज में उच्च गतिशीलता वाले आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम और 155 मिमी एवं 105 मिमी तोपखाने के गोले भी शामिल हैं। इसके अलावा अमेरिका वलिन मिसाइल, ब्रैडली इन्फैंट्री फाइटिंग व्हीकल, एम113 आर्मर्ड पर्सनेल कैरियर, गश्ती नौकाएं और सामान्य छोटे हथियार गोला-बारूद, ग्रेनेड और विध्वंस युद्ध सामग्री भी प्रदान करा रहा है।

गुप्त धन भुगतान मामले में पूर्व राष्ट्रपति की बढ़ीं मुश्किलें, पूर्व वकील ने ट्रंप के खिलाफ दी गवाही

वॉशिंगटन । एडल्ट स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को गुप्त भुगतान करने के मामले में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। दरअसल ट्रंप के पूर्व वकील माइकल कोहेन की गुप्त धन भुगतान मामले में गवाही हुई और इस गवाही में कोहेन ने माना कि ट्रंप ने उन्हें स्टॉर्मी डेनियल्स को पैसों का भुगतान करने का निर्देश दिया था। हालांकि ट्रंप इन आरोपों से इनकार कर चुके हैं। एडल्ट स्टार को गुप्त रूप से पैसों का भुगतान करने का है आरोप डोनाल्ड ट्रंप पर आरोप हैं कि उन्होंने साल 2016 में राष्ट्रपति चुनाव से पहले एडल्ट स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को गुप्त रूप से धन का भुगतान किया था। ट्रंप की तरफ से यह भुगतान स्टॉर्मी डेनियल्स से कथित तौर पर अपने निजी संबंधों को छिपाने और एडल्ट स्टार को चुप रहने के बदले दिया गया था। इस भुगतान के लिए ट्रंप पर अपने बिजनेस रिकॉर्ड में भी धांधली करने के आरोप हैं। अभियोजक ने आरोप लगाया कि ट्रंप के कहने पर माइकल कोहेन ने ही स्टॉर्मी डेनियल्स को 1,30,000 डॉलर का भुगतान किया था। कोहेन ने अपनी गवाही में कहा कि उसे जो कहा गया, उन्होंने वही किया। कोहेन ने स्वीकारी स्टॉर्मी डेनियल्स को पैसों के भुगतान की बात कोहेन ने अपनी गवाही में ज्यूरी को बताया कि ट्रंप, डेनियल्स को लेकर काफी नाराज थे। उन्होंने (ट्रंप) मुझे बताया कि इससे चुनाव प्रचार में भारी गड़बड़ी हो जाएगी और महिलाएं मुझसे नफरत करेंगी। कोहेन ने ये भी बताया कि ट्रंप चाहते थे कि स्टॉर्मी डेनियल्स के वकील को पैसों का भुगतान चुनाव के बाद किया जाए, लेकिन जब अक्तूबर 2016 में स्टॉर्मी डेनियल्स की स्टोरी सार्वजनिक होने वाली थी, तो ट्रंप ने उन्हें पैसों को भुगतान को कहा। कोहेन का कहना है कि डेनियल्स को पैसों का भुगतान उसने अपनी तरफ से किया था और ट्रंप ने उन्हें बाद में पैसे देने की बात कही थी। सुनवाई के दौरान डोनाल्ड ट्रंप और उनके वकील ने कोहेन के आरोपों को नकारा और कहा कि कोहेन की विश्वसनीयता सवालों के घेरे में है क्योंकि वह पहले भी झूठे बयान दे चुके हैं। कोहेन को यूएस कांग्रेस को झूठ बताने के मामले में दोषी पाया जा चुका है और उन्हें तीन साल जेल की सजा सुनाई गई है।

पीओके के हालात को लेकर ब्रिटेन में पाकिस्तानी दूतावास के बाहर लोगों का प्रदर्शन

इस्लामाबाद, 14 मई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में महंगाई को लेकर प्रदर्शन जारी है। बिजली बिल, टैक्स और आटे की कीमतों में भारी वृद्धि के लेकर स्थानीय लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। लगातार चौथे दिन भी क्षेत्र में हड़ताल जारी रहा। इस बीच मुजफ्फराबाद में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प के कारण स्थिति तनावपूर्ण हो गई। यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) ने ब्रिटेन के ब्रैडफोर्ड में पाकिस्तानी वाणिज्य दूतावास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। झड़प में तीन लोगों की मौत, जबकि छह घायल हो गए जम्मू कश्मीर संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) क्षेत्र में बिजली के प्रावधान, गेहूं के आटे पर सब्सिडी समेत अन्य विशेषाधिकारों को समाप्त करने की मांग कर रही है।

पुलिस ने रातभर इलाके की छापेमारी की, इस दौरान कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया। मुजफ्फराबाद, दादियाल, मीरपुर और पीओके के अन्य हिस्सों में कानून प्रवर्तन और प्रदर्शनकारी आपस में भिड़ गए।

पीओके में जारी है प्रदर्शन

पीओके में जारी प्रदर्शन के बीच राजनीतिक कार्यकर्ता अमजद आयूब मिर्जा ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने क्षेत्र की स्थिति पर बात करते हुए कहा, मौजूदा समय में मुज्जफराबाद की स्थिति बहुत गंभीर है। लगभग 500,000 लोग मुजफ्फराबाद और उपनगरों में बिजली बिल में टैक्स, सब्सिडी में कटौती के विरोध में और प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, विधान सभा के सदस्यों के भत्तों और विशेषाधिकारों को समाप्त करने की मांग को लेकर सकड़ों पर उतरे हैं।

अचानक प्रदर्शनकारियों ने पलटवार किया और रेंजर्स पीछे हट गए। ऐसा लग रहा था कि रेंजर्स वापस चले गए, लेकिन थोड़ी देर बार वे बड़ी संख्या में पहुंचे। उन्होंने यह भी कहा कि गेहूं की कीमतों में प्रति माह लगभग 600-700 रुपये की कमी की गई है।

अमजब आयूब ने आगे कहा, मरने वालों की संख्या में वृद्धि हो सकती है। क्षेत्र में इंटरनेट की सुविधा को बंद कर दी गई है। मुज्जफराबाद में सेना के जवान हेलीकॉप्टर से उतर रहे हैं। प्रत्येक हेलीकॉप्टर में 20-25 जवान हैं।

हम एक निराशाजनक स्थिति में हैं। हम भारत सरकार से अनुरोध करते हैं कि वे विदेश मंत्रालय को पाकिस्तानी राजदूत को तलब करने और स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश दे। ये पीओके में दिनदहाड़े होने वाली हत्या है। हमारी जिंदगी खतरे में है। बता दें कि तनाव को शांत करने के प्रयास में राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने सभी से संयम बरतने और आपसी परामर्श से मुद्दों को हल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों की मांगों को नियम के अनुसार संबोधित किया जाना चाहिए।

इस्राइली पीएम नेतन्याहू ने बताया अब तक हमास के कितने लड़ाके मारे, मृतकों के आंकड़ों से नहीं हैं सहमत

तेल अवीव । इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजानिम नेतन्याहू ने दावा किया है कि गाजा में जितने लोग मारे गए हैं, उनमें से आधे हमास के लड़ाके हैं। गाजा में बड़ी संख्या में लोगों के मारे जाने को लेकर इजराइल दुनियाभर में आलोचकों के निशाने पर है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, अब तक गाजा में कम से कम 35,091 लोग मारे गए हैं, जिनमें महिलाओं और बच्चों की संख्या ज्यादा है। मृतकों में से आधे हमास के लड़ाके एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान बेंजामिन नेतन्याहू ने बताया कि उनके हिसाब से गाजा में अब तक 30 हजार के करीब लोग मारे गए हैं, जिनमें से आधे के करीब हमास के लड़ाके हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपने आंकड़ों में ये नहीं बताया है कि मरने वालों में हमास के लड़ाके कितने हैं, लेकिन बार-बार कहा है कि मरने वालों में महिलाओं और बच्चों की संख्या ज्यादा है। नेतन्याहू ने बताया कि 14 हजार के करीब हमास के लड़ाके मारे गए हैं और करीब 16 हजार आम नागरिकों की मौत हुई है। गौरतलब है कि नेतन्याहू ने मार्च में ऐसे ही आंकड़े दिए थे। उस वक्त नेतन्याहू ने 13 हजार हमास के लड़ाकों के मारे जाने और 20 हजार से काफी कम आम नागरिकों की मौत का दावा किया था।

'सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा' व्हाइट हाउस में बजाया गया भारत का लोकप्रिय देशभक्ति गीत

वॉशिंगटन, 14 मई (एजेंसियां) ।

अमेरिका के वहाइट हाउस में वार्षिक एशियाई अमेरिकी, मूल हवाईयन और प्रशांत द्वीपवासी (एएएनएचपीआई) विरासत माह का जश्न मनाया गया। इस दौरान राष्ट्रपति जो बाइडन, उप राष्ट्रपति कमला हैरिस समेत कई एशियाई और अमेरिकी वहां मौजूद थे। व्हाइट हाउस में इस खास उपलक्ष्य पर मरीन बैंड ने सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा गीत की धुन बजाई।

बता दें कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान मोहम्मद इकबाल ने इस गीत को लिखा था। व्हाइट हाउस में मौजूद भारतीय अमेरिकियों के पर मरीन बैंड ने इस देशभक्ति गीत की धुन को दो बार बजाया। राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस वार्षिक कार्यक्रम के लिए भारतीय अमेरिकियों को व्हाइट हाउस में आमंत्रित किया गया था। कम्युनिटी नेता ने साझा किया अपना अनुभव इस कार्यक्रम में भारतीय अमेरिकी कम्युनिटी नेता अजय जैन भुतोरिया भी मौजूद थे। उन्होंने इस कार्यक्रम को लेकर मीडिया से बात की। भुतोरिया ने कहा, व्हाइट हाउस के एएएनएचपीआई विरासत माह के उपलक्ष्य में रोज गार्डन में आयोजित किया गया समारोह एकदम अद्भुत था। सबसे अच्छी बात यह रही कि जैसे ही मैं व्हाइट हाउस में गया संगीतकारों ने 'सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा' गीत की धुन बजाकर मेरा स्वागत किया। व्हाइट हाउस में दूसरी बार बजा भारत का लोकप्रिय देशभक्ति गीत एक साल से भी कम समय के भीतर व्हाइट हाउस में यह दूसरी बार भारत का लोकप्रिय देशभक्ति गीत बजाया गया। आखिरी बार पिछले साल जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऐतिहासिक राजकीय यात्रा के दौरान देशभक्ति गीत बजाया गया था। कैलिफोर्निया में रह रहे कम्युनिटी नेता भुतोरिया ने आगे कहा, मुझे बेहद अच्छा लगा। व्हाइट हाउस में मेरे लिए यह गर्व का पल था। मैंने उनके साथ गाना शुरू किया और फिर मैंने उनसे इसे एक बार फिर से बजाने का अनुरोध किया। उन्होंने मेरा अनुरोध मान लिया और बताया कि वे इसे दूसरी बार बजा रहे हैं। जब प्रधानमंत्री मोदी आए थे तो उन्होंने इसे बजाया था और उसके बाद आज फिर वे इसे बजा रहे हैं। यह बेहद मनोरम दृश्य है कि आज व्हाइट हाउस में 'सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा' गीत सुनने को मिला। इस खास मौके पर वहां मौजूद अमेरिकी सर्जन जनरल डॉ. विवेक मूर्ति ने ड्रम बजाकर सैकड़ों लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

व्हाइट हाउस पर हमले का दोषी पाया गया भारतीय मूल का युवक, नाजी विचारधारा से प्रभावित होकर किया हमला

वॉशिंगटन, 14 मई ।

अमेरिका में एक भारतीय मूल के युवक को व्हाइट हाउस पर हमले का दोषी ठहराया गया है। युवक पर एक ट्रक से व्हाइट हाउस पर हमले का दोष सिद्ध हुआ है और नाजी विचारधारा से प्रभावित होकर उसने इस हमले को अंजाम दिया। कोर्ट 23 अगस्त को उसकी सजा का एलान करेगा। दोषी युवक की पहचान साई वर्शिथ कंडुला (20 वर्षीय) के रूप में हुई है, जो मिसौरी के सेंट लुईस इलाके का रहने वाला है।

नाजी विचारधारा से प्रभावित होकर किया हमला

अमेरिका के अटॉर्नी मैथ्यू ग्रेव्स ने यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि कंडुला ने नाजी विचारधारा से प्रभावित होकर लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार को हटाकर तानाशाही लाने की मंशा से व्हाइट हाउस पर हमला किया। कंडुला ने जांच कर्ताओं के सामने स्वीकार किया कि अपने उद्देश्य को पाने के लिए वह अमेरिकी राष्ट्रपति और अन्य नेताओं की हत्या करने से भी पीछे नहीं हटता।

क्या है पूरा मामला

अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, कंडुला ने 22 मई 2023 की दोपहर को सेंट लुईस से एक विमान द्वारा वॉशिंगटन डीसी पहुंचा। डलास इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरा और शाम करीब साढ़े छह बजे उसने एक ट्रक किराए पर लिया। ट्रक किराए पर लेकर वह व्हाइट हाउस के लिए निकल गया। रास्ते में वह खाने और गैस के लिए रुका। रात करीब साढ़े नौ बजे कंडुला वॉशिंगटन डीसी पहुंचा और वहां एच स्ट्रीट पर नॉर्थवेस्ट और 16वीं स्ट्रीट नॉर्थवेस्ट के चौराहे पर व्हाइट हाउस की सुरक्षा में तैनात बैरिकेड से ट्रक को टकर दिया। इसके बाद कंडुला पर आरोप है कि उसने ट्रक को फुटपाथ पर चढ़ा, जिससे फुटपाथ पर चलने वाले लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

गाजा में भारतीय संकट पर भारत का कड़ा रूख, यूएन में कहा-यह स्थिति अस्वीकार

संयुक्त राष्ट्र, 14 मई (एजेंसियां) ।

भारत ने इजराइल और हमास के बीच के चल रहे युद्ध में संघर्ष कर रहे नागरिकों और उनकी मौत की कड़ी निंदा की। भारत की प्रतिनिधि ने कहा कि यह संकट अस्वीकार है। गाजा में लगभग सात महीनों से अधिक समय से संकट चल रहा है। जिसके कारण कई मानवीय संकट पैदा हो चुके हैं, और बढ़ने भी लगे हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने फिलिस्तीन पर 10 वें यूएनजीए आपातकालीन सत्र में पहुंची। उन्होंने कहा कि इजराइल और हमास के बीच के संघर्ष के कारण जान-माल की हानि हुई। विशेष रूप से बच्चों और महिलाओं की हानि हुई। यह मानवीय संकट बिल्कुल अस्वीकार है। उन्होंने कहा कि इस बीच में संघर्ष कर रहे नागरिकों की मौत की हम कड़ी निंदा करते हैं। हर परिस्थिति में सभी को अंतरराष्ट्रीय कानून और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इजराइल पर हमास का हमला भी निंदनीय है। आतंकवाद और बंधक बनाने का कोई औचित्य ही नहीं है। इजराइल में आतंकवादी हमले चौंकाने वाले थे। भारत हमेशा से ही आतंकवाद के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि भारत सभी बंधकों की रिहाई मांग करता है, वह भी बिना शर्त। उन्होंने बताया कि गाजा में मानवीय स्थिति गंभीर है। स्थिति को बिगड़ने से रोकने के लिए गाजा के लोगों को मानवीय सहायता दी जानी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र लगातार इसके लिए प्रयास कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने फिलिस्तीन के लोगों को मानवीय सहायता दी है। हम इस्राइली अधिकारियों द्वारा गाजा में मानवीय सहायता से ज्यादा तत्काल सहायता पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत दोनों राज्यों के बीच समझौता करवाना चाहता है। जहां फिलिस्तीनी इजराइल की सीमा के भीतर स्वतंत्र रूप से रह सकते हैं। शीघ्र ही शांति वार्ता शुरू करना है। इसी के साथ भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पूर्ण सदस्यता के लिए फिलिस्तीनी बोली के लिए अपने समर्थन की बात की। वे बोलीं कि अपनी दीर्घकालिक स्थिति को देखते हुए हम फिलिस्तीन के आवेदन पर उचित समय में सुरक्षा परिषद द्वारा उन्होंने कहा कि फिलिस्तीन के आवेदन पर पुनर्विचार किया जाएगा।

इजराइल को गाजा पर परमाणु बम गिराने की इजाजत मिलनी चाहिए, अमेरिकी सांसद के बयान ने दुनिया को चौंकाया

वॉशिंगटन, 14 मई (एजेंसियां) ।

अमेरिका के एक सांसद ने चौंकाने वाला बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि इजराइल को गाजा पर परमाणु बम गिराने की इजाजत मिलनी चाहिए। अमेरिकी सांसद ने अमेरिका द्वारा जापान के नागासाकी और हिरोशिमा पर परमाणु बम गिराने का भी बचाव किया और कहा कि वह एक सही फैसला था। अमेरिकी सांसद ने कहा कि इजराइल को एक यहूदी देश के तौर पर अपने आप को बचाने के लिए वो सब कुछ करना चाहिए, जो वो करना चाहता है।

अमेरिकी सांसद के बयान ने दुनिया को चौंकाया

अमेरिका के रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम इजराइल के कट्टर समर्थक माने जाते हैं। उन्होंने राष्ट्रपति जो बाइडन के उस फैसले की भी आलोचना की,

जिसमें उन्होंने इजराइल को भेजे जाने वाले तीन हजार भारी बमों की डिलीवरी रोक दी है। एक मीडिया चैनल में लिंडसे ग्राहम ने कहा कि जब हमने एक देश के तौर पर जर्मनी और जापान से लड़ाई में पर्ल हार्बर की तबाही देखी, तो हमने इस लड़ाई को खत्म करने के लिए जापान के नागासाकी और हिरोशिमा पर परमाणु बम गिराने का फैसला किया और वह एक सही फैसला था। उन्होंने कहा कि इजराइल को भी गाजा में जारी लड़ाई को खत्म करने के लिए परमाणु बम दिए जाने चाहिए। वे इस लड़ाई को हार नहीं सकते।

अमेरिका द्वारा जापान पर परमाणु बम गिराने के फैसले का भी किया समर्थन

लिंडसे ग्राहम ने कहा अमेरिका के लिए हिरोशिमा और नागासाकी पर दो परमाणु बम गिराना क्यों सही था मुझे लगता है कि वह सही था। इसलिए इजराइल को भी वो सबकुछ करना चाहिए, जिससे वह एक यहूदी देश के तौर पर बचा रहे। उन्होंने कहा गाजा में नागरिकों की मौतों के लिए हमास को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए क्योंकि हमास ने ही आम नागरिकों को ढाल की तरह इस्तेमाल किया। ग्राहम ने कहा मुझे लगता है कि गाजा में आम नागरिकों की मौतों को तब तक कम करना संभव नहीं है।

इजराइल के हमले में भारतीय रिटायर्ड कर्नल वैभव अनिल काले की मौत, संयुक्त राष्ट्र में थे तैनात

संयुक्त राष्ट्र । दक्षिणी गाजा के रफाह शहर के खान यूनिस इलाके में हुई गोलीबारी से संयुक्त राष्ट्र के एक कर्मचारी की मौत हो गई, जबकि एक अन्य कर्मचारी जख्मी हो गया। मृतक कर्मचारी की पहचान भारतीय नागरिक के रूप में की गई है। उनका नाम भारतीय सेना से रिटायर्ड हो चुके कर्नल वैभव अनिल काले बताया गया है। संयुक्त राष्ट्र के उप प्रवक्ता फरहान हक की तरफ से जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक, 46 वर्षीय वैभव अनिल काले एक महीने पहले ही गाजा में संयुक्त राष्ट्र डिपार्टमेंट ऑफ सेफ्टी एंड सिक्योरिटी (डीएसएस) विभाग में बतौर सिक्योरिटी सर्विस कॉर्डिनेटर के तौर पर शामिल हुए थे। अनिल काले संयुक्त राष्ट्र के स्टीकर लगी गाड़ी में सफर कर रहे थे, उनकी गाड़ी पर संयुक्त राष्ट्र का झंडा भी लगा था। सूत्रों के मुताबिक, अनिल काले ने 2022 में समय से पहले ही रिटायरमेंट ले लिया था। संयुक्त राष्ट्र के बयान के मुताबिक यह हमला उस वक्त हुआ जब सुबह को अनिल काले अपने सहयोगी के साथ यूएन की गाड़ी में रफाह स्थित यूरोपियन अस्पताल जा रहे थे। संयुक्त राष्ट्र के सेक्रेटरी जनरल एंटोनियो गुटेरेस ने संयुक्त राष्ट्र कर्मी पर हुए हमले की कड़ी निंदा की और मौत पर दुख जताया है। साथ ही, मामले की जांच की मांग की है। उन्होंने मृतक परिवार को भी अपना शोक संदेश भेजा है। संयुक्त राष्ट्र के सूत्रों ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि उनकी गाड़ी पर किसने गोलीबारी की। वैभव अनिल काले के साथ एक अन्य संयुक्त राष्ट्र सहायता कर्मी भी यात्रा कर रहे थे। यह पहली बार है जब इस्राइल-गाजा संघर्ष में संयुक्त राष्ट्र के किसी कर्मी की जान गई है। वहीं, अलजजीरा की मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिणी गाजा में इजराइल की गोलाबारी में अब तक कुल 190 सहायता कर्मियों की मौत हो चुकी है, जिनमें से ज्यादातर फिलिस्तीनी हैं।

आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ का ऐलान

कंगाल पाकिस्तान बेचेगा अपनी सभी सरकारी कंपनियां

एयरपोर्ट और बंदरगाहों को पहले ही बेच चुकी है पाक सरकार

आईएमएफ के भारी-भरकम कर्ज तले दबा है पाकिस्तान

इस्लामाबाद, 14 मई (एजेंसियां)।
इस्लामनाद आर्थिक संकट और आईएमएफ की कड़ी शर्तों से जूझ रहे पाकिस्तान ने सभी सरकारी कंपनियों को बेचने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस्लामाबाद में प्राइवेटाइजेशन कमीशन की मीटिंग में मंगलवार को इसकी घोषणा की है। उन्होंने कहा, बिजनेस करना सरकार का काम नहीं है, सरकार का काम बिजनेस और देश में निवेश के लिए अच्छा माहौल देना है। शरीफ ने कहा कि सभी सरकारी कंपनियों को बेचा जाएगा चाहे मुनाफा कमा पा रही हों या नहीं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकार सिर्फ उन कंपनियों को अपने पास रखेगी जो रणनीतिक रूप से अहम हैं।

प्रधानमंत्री ने सभी मंत्रियों से अपील की है कि वो प्रक्रिया का आसान बनाने में प्राइवेटाइजेशन कमीशन का सहयोग करें। पाकिस्तान के वित्त मंत्रालय की दिसंबर 2023 की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के पास 88 सरकारी कंपनियां हैं। शहबाज शरीफ ने कंपनियों को बेचने की घोषणा 12 मई को खचऋ की एडवांस टीम के पाकिस्तान दौरे के बाद की है। आईएमएफ के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में पाकिस्तान ने लंबे वक्त के लिए बड़े लोन की मांग की थी। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा है कि कंपनियों को बेचने की प्रोसेस को पारदर्शिता से पूरा किया जाएगा। पिछले हफ्ते 24 कंपनियों की लिस्ट बनाई गई, जिन्हें प्राइवेटाइजेशन के पहले फेज में बेचा जाएगा।

सबसे पहले पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन कंपनी लिमिटेड को प्राइवेटाइज किया जाएगा। इसकी बोली लगेगी और उसे टीवी पर लाइव ब्रॉडकास्ट किया जाएगा। पाकिस्तान में कंपनियों को बेचने के प्रोग्राम को प्राइवेटाइजेशन प्रोग्राम 2024-2029 नाम दिया गया है। इसमें पाकिस्तान की बिजली कंपनियां

भी शामिल हैं। सबसे पहले उन कंपनियों को बेचा जाएगा जो घाटे में हैं। उनके बाद मुनाफा कमाने वाली सरकारी कंपनियों को बेचा जाएगा। पाकिस्तान को आईएमएफ से बेलआउट पैकेज मिलने के बाद से कई कड़े फैसले लेने पड़े हैं। न्यूज एजेंसियों के मुताबिक पाकिस्तान ने आईएमएफ के दबाव में आकर सभी सरकारी कंपनियों को बेचने का फैसला किया है। इससे पहले जब पिछले साल पाकिस्तान को आईएमएफ से 10 हजार करोड़ रुपए का पैकेज मिला था, तब भी शरीफ सरकार को कई कड़े फैसले लेने को कहा गया था। आईएमएफ ने हर तरह की सब्सिडी खत्म करने, पेट्रोल-डीजल और बिजली 30% तक महंगी करने और टैक्स कलेक्शन 10% तक बढ़ाने की मांग की थी।

पाकिस्तान आर्थिक तंगहाली से निकलने की हर संभव कोशिश कर रहा है। इस कड़ी में न सिर्फ सरकारी कंपनियां बल्कि पाकिस्तान अपने बंदरगाहों और एयरपोर्ट्स तक पर बेच चुका है। पाकिस्तान ने पिछले साल इस्लामाबाद एयरपोर्ट को ठेके पर देने का फैसला किया था। पूर्व एविएशन मिनिस्टर ख्वाजा साद रफीक ने संसद में इसकी जानकारी दी थी। हालांकि, साद रफीक ने कहा था कि ठेके पर देने का मतलब ये नहीं है कि सरकार एयरपोर्ट को बेच रही है, बल्कि अच्छे ऑपरेटर को एयरपोर्ट के काम में शामिल करने के लिए ऐसा किया जा रहा है।

पाकिस्तान अपने सबसे बड़े कराची पोर्ट (बंदरगाह) को भी बेच चुका है। पिछले साल पाकिस्तान ने अपने सबसे बड़े कराची पोर्ट को लेकर यूएई के साथ एक कंसेशन एग्रीमेंट साइन किया था। पाकिस्तान सरकार ने बिजली की रफ्तार से महज 4 दिनों में ये डील फाइनल की थी। ये डील 50 साल के लिए हुई है। इसके तहत यूएई की दो कंपनियां कराची पोर्ट में 1.8 हजार करोड़ रुपए निवेश करेंगी। माना गया था पाकिस्तान ने इमरजेंसी फंड जुटाने के लिए ये फैसला किया था। कराची पोर्ट साउथ एशिया के सबसे बड़े पोर्ट में से एक है।

यह पाकिस्तान का सबसे बड़ा और बिजी पोर्ट भी है। ये बंदरगाह करीब साढ़े 11 किलोमीटर लंबा है। यहां कुल 33 बर्थ हैं, जिसमें 30 ड्राई कार्गो और 3 लिक्विड कार्गो बर्थ हैं। बर्थ का मतलब उस प्लेटफॉर्म से है, जहां जहाज को खड़ा किया जाता है।

30 अप्रैल को आईएमएफ से 9.183 हजार करोड़ की आर्थिक मदद मिलने के बाद मई में पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार 1.20 लाख करोड़ हो गया। पाकिस्तान में पिछले महीने महंगाई दर में 17.3% की गिरावट दर्ज की गई। पाक के वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, यह 2 साल में सबसे कम थी। ठीक एक साल पहले मई 2023 में पाकिस्तान में महंगाई दर 38% तक पहुंच गई थी।

नफरती भाषण मामले में मोदी और ठाकुर के खिलाफ दायर याचिकाएं खारिज

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)।
उच्चतम न्यायालय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर समेत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई अन्य नेताओं की ओर से आम चुनाव 2024 में अप्रैल-मई के दौरान कथित तौर पर नफरती भाषण देने के खिलाफ उन पर कानूनी कार्रवाई करने के लिए चुनाव आयोग को निर्देश देने की मांग वाली याचिकाएं मंगलवार को खारिज कर दीं।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने डॉ. इमानी अनंत सत्यनारायण सरमा और अन्य की याचिकाएं खारिज करते हुए कहा वह इस मामले में सुनवाई करने के इच्छुक नहीं है। पीठ ने कहा कि अदालत इस संबंध में चुनाव आयोग को कोई निर्देश जारी नहीं कर सकती है। पीठ की अध्यक्षता करते हुए न्यायमूर्ति नाथ ने कहा, हम हस्तक्षेप करने के इच्छुक नहीं हैं। हम अनुच्छेद 32 के तहत ऐसे निर्देश जारी नहीं कर सकते। इसलिए इन याचिकाओं को खारिज किया जाता है।याचिकाकर्ताओं का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने याचिका पर शीघ्र सुनवाई का अनुरोध करते हुए पहले कहा था कि चुनाव आयोग इस मामले में अपना काम ठीक से नहीं कर रहा है। इस पर पीठ ने शुरुआत में ही स्पष्ट कर दिया कि वह इस मामले में हस्तक्षेप करने के इच्छुक नहीं है। इसके बाद हेगड़े ने पीठ के समक्ष दलील देते हुए कहा अदालत कम से कम यह स्पष्ट कर सकती है कि केवल इस स्तर पर वह याचिका पर विचार नहीं कर रही है। शीर्ष अदालत ने उनकी यह दलील भी ठुकरा दी और आदेश में इस स्तर पर शब्द जोड़ने से इनकार कर दिया। दिल्ली उच्च न्यायालय श्री मोदी और अन्य के खिलाफ इस मामले में कार्रवाई करने की मांग वाली याचिकाएं पहले ही खारिज चुकी है।

देश की हॉट सीट मंडी से कंगना रनौत ने भरा नामांकन, किया मेगा रोड शो

मंडी, 14 मई (एजेंसियां)।
देश भर में हॉट सीट बन चुके मंडी संसदीय क्षेत्र से मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी व फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत ने अपना नामांकन पत्र निर्वाचन अधिकारी अपूर्व देवगन के समक्ष दाखिल कर दिया। नामांकन से पहले भाजपा ने पड्डल मैदान से लेकर डीसी ऑफिस तक मेगा रोड़ शो निकाला। इस रोड़ शो में हजारों की संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता शामिल हुए और नाचते-गाते पूरे शहर में नारे लगाते हुए डीसी ऑफिस के गेट तक पहुंचे। मेगा रोड़ शो के माध्यम से कहीं न कहीं भाजपा ने हाल ही में हुई कांग्रेस की नामांकन रैली का जबाव देने का प्रयास भी किया। इसके बाद कंगना, पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डा. राजीव बिंदल और अपनी माता संग निर्वाचन अधिकारी के समक्ष पहुंचकर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। कंगना ने

मीडिया कर्मियों से बातचीत में कहा कि आज उनके नामांकन को लेकर पूरे मंडी संसदीय क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिल रहा है। लोगों में इस बात को लेकर अधिक उत्साह है कि मंडी की बेटी आज चुनावी मैदान में है और उसे हर हाल में विजयी बनाना है। कंगना ने कहा कि जो भीड़ यहां पर एकत्रित हुई है वो तो भाजपा के पक्ष में वोट करेंगे ही लेकिन जो लोग नहीं आए हैं वो भी भाजपा के पक्ष में मतदान करेंगे। पूछे गए सवाल का जबाव देते हुए कंगना ने कहा कि फिल्मी दुनिया में उन्होंने जो नाम कमाया है, अब राजनीति में भी उनका यही प्रयास रहेगा कि वह इसमें भी बड़ा नाम कमाए। उन्होंने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि उन्हें आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ने का मौका मिला है।

भाजपा नेता सत्यनारायण सिन्हा हत्याकांड में रीतलाल यादव समेत चार बरी

पटना, 14 मई (एजेंसियां)।
बिहार में पटना की एक विशेष सत्र अदालत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता सत्यनारायण सिन्हा की हत्या के मामले में दानापुर विधायक रीतलाल यादव समेत चार आरोपियों को मंगलवार को बरी कर दिया।

सांसदों एवं विधायकों के आपराधिक मामलों की सुनवाई के लिए गठित विशेष सत्र अदालत के न्यायाधीश विनय प्रकाश तिवारी ने सुनवाई के बाद मामले में आरोपित दानापुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रीतलाल यादव, सुनील यादव उर्फ काना, संजय यादव उर्फ बेगा और श्रवन यादव को भारतीय दंड विधान की धारा 302, 307, 149 और 148 तथा शस्त्र अधिनियम की धारा 27 के आरोपों से बरी किए जाने का निर्णय सुनाया।

मामले की प्राथमिकी मृतक सत्यनारायण सिन्हा की पत्नी पूर्व विधायक आशा सिन्हा के लिखित आवेदन

पर 01 मई 2003 को दर्ज की गई थी। दर्ज प्राथमिकी के आरोपों के अनुसार, सूचक आशा सिन्हा जब अपने वाहन से इलाज के लिए खगौल जा रही थी तो रास्ते में रोककर रीतलाल यादव एवं अन्य लोगों ने गोली मारकर सत्यनारायण सिन्हा की हत्या कर दी थी और उनपर भी जानलेवा हमला किया था। इस मामले में अनुसंधान के बाद पुलिस ने रीतलाल यादव समेत चार लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था।

इस मामले में दो सत्रवाद दर्ज किए गए थे। सत्रवाद संख्या 246/2006 में सुनील यादव उर्फ काना, रंजन यादव उर्फ बेगा और श्रवण यादव आरोपित थे, जिनके खिलाफ 08 अगस्त 2007 को आरोपों का गठन किया गया था।

दूसरी ओर सत्रवाद संख्या 246ए/2006 में विधायक रीतलाल यादव के खिलाफ सुनवाई हुई जिनके खिलाफ 12 अप्रैल 2012 को आरोपों का गठन किया गया था। सत्रवाद संख्या 246/2006 में अभियोजन ने कुल 11 गवाहों का बयान अदालत में कलम बंद करवाया था जबकि सत्रवाद संख्या 246 ए/ 2006 में नौ गवाहों को न्यायालय में गवाही के लिए पेश किया गया था।

जम्मू-कश्मीर में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर 11 प्राथमिकी दर्ज

श्रीनगर, 14 मई (एजेंसियां)।
जम्मू-कश्मीर में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में 11 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पांडुरंग के पोल ने कहा कि उन्हें 16 मार्च से आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की 234 शिकायतें मिली हैं। उन्होंने कहा, हमने इन शिकायतों का संज्ञान लेने के बाद 11 प्राथमिकी दर्ज की है। हमने 80 शिकायतों में नोटिस भी जारी किया है और 29 शिकायतों में जांच शुरू कर दी है।

चुनाव अधिकारियों ने कहा कि श्रीनगर जिले में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की सर्वाधिक की सूचना मिली है। उन्होंने कहा, श्रीनगर जिले में 46 शिकायतें मिली हैं और जम्मू में 34। चुनाव अधिकारियों ने कहा कि कुल शिकायतों में से 15 को जिला शिकायत कक्षों को भेज दिया गया है। श्रीनगर में चुनाव अधिकारियों ने कहा कि आधिकारिक मेल के माध्यम से 36 शिकायत प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 21 सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ और 15 उम्मीदवारों या पार्टियों के खिलाफ थीं।

उन्होंने कहा, सरकारी कर्मचारियों के मामले में जांच चल रही है और चार सरकारी कर्मचारियों को राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने से निलंबित कर दिया गया है। आदर्श आचार संहिता उल्लंघन पर पार्टियों, उम्मीदवारों, कार्यकर्ताओं को नोटिस दिये गये हैं। चुनाव अधिकारियों ने कहा कि राज्य और केंद्रीय एजेंसियों ने चुनाव अवधि के दौरान 10 स्थानों पर 40 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी, शराब, ड्रग्स आदि जब्त किये हैं। जम्मू-कश्मीर की पांच लोकसभा सीटों में से तीन सीटों जम्मू, उधमपुर और श्रीनगर पर मतदान हो चुका है। श्रीनगर लोकसभा में सोमवार को 38 प्रतिशत मतदान हुआ जो 1996 के बाद सबसे अधिक है। अन्य दो लोकसभा सीटों -बारामूला और अनंतनाग-राजौरी पर 20 और 25 मई को अगले दो दौर में मतदान होगा।

भारतीय वायुसेना ने एयरड्रॉप किया अस्पताल एक साथ 200 लोगों का हो सकता है इलाज

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)।
भारतीय वायुसेना ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के आगरा में हवाई जहाज से पोर्टेबल हॉस्पिटल भीष्म को एयरड्रॉप किया। यह अपनी तरह का पहला ऐसा परीक्षण है, जिसमें एयर फोर्स ने जब हॉस्पिटल क्यूब्स को जहाज से नीचे गिराया। आपातकालीन परिस्थितियों में ये पोर्टेबल हॉस्पिटल बेहद काम आ सकते हैं और इन्हें जहाज से एयरड्रॉप करके कहीं भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू किए गए प्रोजेक्ट भीष्म को स्वास्थ्य मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने संयुक्त रूप से विकसित किया है। भीष्म प्रोजेक्ट (बैटलफील्ड हेल्थ इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर मेडिकल सर्विसेज) के तहत न केवल भारत में, बल्कि विदेश में भी प्राकृतिक आपदाओं, मानवीय संकटों या शांति और युद्ध के समय में भी तेजी से तैनाती के लिए डिजाइन किया गया है। ताकि इस दौरान तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए भीष्म पोर्ट्बल हॉस्पिटल्स का इस्तेमाल किया जा सकता है।

एयर फोर्स सूत्रों के मुताबिक इस मोबाइल क्यूब हॉस्पिटल में 200 लोगों का इलाज किया जा सकता है। इन मॉड्यूलर मेडिकल यूनिट्स को दूरस्थ या आपदाग्रस्त क्षेत्रों में तेजी से तैनात करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो चुनौतीपूर्ण माहौल में भी चिकित्सा सहायता देने में मदद करते हैं। वहीं, आगरा में भीष्म को सफलतापूर्वक एयरड्रॉप करके एयर फोर्स ने यह साबित किया है कि आपातकालीन मानवीय संकट के दौरान जरूरतमंद क्षेत्रों में चिकित्सा संसाधनों की तेजी से तैनाती कर सकता है।

सूत्रों ने बताया कि भीष्म पोर्टेबल हॉस्पिटल क्यूब्स में तमाम तरह की चिकित्सा सुविधाएं हैं। साथ ही इन्हें इस तरह से डिजाइन किया गया है कि इन्हें वायु, भूमि और समुद्र में आसान से ले जाया जा सके। प्रत्येक क्यूब में सर्जिकल सुविधाएं, डायग्नोस्टिक टूल्स और रोगी के देखभाल से संबंधित सुविधाएं शामिल हैं। इन पोर्टेबल हॉस्पिटल क्यूब्स का विकास और परीक्षण भारतीय वायु सेना, भारतीय स्वास्थ्य सेवा संस्थानों और डिफेंस टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट्स ने मिल कर किया है। वहीं ये क्यूब मात्र 12 मिनट में तैयार हो जाते हैं। इसमें मास्टर क्यूब केज के दो सेट होते हैं, प्रत्येक में 36 मिनी क्यूब होते हैं। ये क्यूब्स बेहद मजबूत होने के साथ वाटरप्रूफ और बेहद हल्के होते हैं। मास्टर केज के भीतर प्रत्येक मिनी-क्यूब को सावधानीपूर्वक पैक किया जाता है, ताकि खुलने में कोई दिक्कत न हो। इसे दोबारा भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इस परियोजना को हाल ही में जी20 शिखर सम्मेलन में विभिन्न देशों से आए गणमान्य प्रतिनिधियों के सामने भी पेश किया था और इसकी काफी सराहना हुई थी।

देश हितों को सर्वोपरि प्राथमिकता दें नागरिक :धनखड़

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)।
उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नागरिकों से देश के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आग्रह किया है। श्री धनखड़ ने मंगलवार को संसद भवन परिसर में भगवद गीता पर संविधानविद् डॉ. सुभाष कश्यप की एक पुस्तक का विमोचन करते हुए कहा कि गीता की प्रेरणा से संविधान की मूल प्रति में 22 लघु चित्र रखे गए हैं।

उपराष्ट्रपति ने नागरिकों से भगवद गीता की शाश्वत शिक्षाओं से मार्गदर्शन लेते हुए देश के हितों को सर्वोपरि प्राथमिकता देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि गीता उदात्तता, आध्यात्मिकता, धार्मिकता, कर्तव्य प्रतिबद्धता और स्वयं को खोजने का मार्ग रोशन करती है। श्री धनखड़ ने कहा कि डॉ. कश्यप ने गठबंधन सरकार की दुर्दशा देखी है। डॉ. कश्यप की संवैधानिक नैतिकता, औचित्य, उच्च नैतिक मूल्यों की सराहना करते हुए श्री धनखड़ ने कहा कि उन्होंने कभी भी मुद्दों को राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा, बल्कि अपने विचारों को दृढ़ विश्वास और ईमानदारी के साथ रखा।

श्री धनखड़ ने बदलते वैश्विक आर्थिक परिदृश्य की ओर ध्यान आकर्षित किया, जहां भारत फ्रांस, ब्रिटेन, ब्राजील और कनाडा जैसी अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ते हुए पांचवी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बन गया है।

बारामूला में पाकिस्तान के दो आतंकवादियों की संपत्ति कुर्क

श्रीनगर, 14 मई (एजेंसियां)।
जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मंगलवार को बारामूला जिले में पाकिस्तान स्थित दो आतंकवादियों की संपत्ति कुर्क की। पुलिस सूत्रों ने बताया कि उप न्यायाधीश उरी से कुर्की आदेश प्राप्त करने के बाद पुलिस ने पाकिस्तान स्थित दो आतंकवादियों की लाखों की एक कनाल और 11 मरला सहित संपत्ति कुर्क की। नवारुंडा निवासी मोहम्मद आरिफ बादल और गौहल्लन उरी के मोहम्मद बशीर के खिलाफ कार्रवाई 83 केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीसी) की धाराओं के तहत की गई। पुलिस ने बताया कि इस साल अब तक बारामूला जिले में 20 आतंकवादी संचालकों की करोड़ों की संपत्ति कुर्क की गयी है।

जम्मू के खौर सेक्टर में पाक नागरिक हिरासत में लिया गया

जम्मू, 14 मई (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर पुलिस ने मंगलवार को जम्मू शहर के बाहरी इलाके खौर सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के करीब एक पाकिस्तानी नागरिक को हिरासत में लिया। पुलिस ने कहा कि खौर के मिलन दी खुई इलाके में आज सुबह एक पाकिस्तानी नागरिक को हिरासत में लिया गया।

पुलिस ने कहा कि हिरासत में लिया गया व्यक्ति मानसिक रूप से अस्वस्थ लगता है और उसने अपनी पहचान पाकिस्तान के कराची निवासी 35 वर्षीय जाकिर खान के रूप में बताई है।

मौसम हैदराबाद
अधिकतम : 37°
न्यूनतम : 26°

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। अपनी बातों को सही साबित करने के लिए आज के दिन आप अपने संगी से झगड़ सकते हैं। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना जरुरी नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जबरदस्ती बोलकर आप खुद को परेशानी में डाल सकते हैं। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है। आपके भाई–बहनों में से कोई आज आपसे पैसे उधार मांग सकता है, आप उनको पैसे उधार तो दे देंगे लेकिन इससे आपके आर्थिक हालात खराब हो सकते हैं। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। अपने प्रिय की ईमानदारी पर शक न करें। कार्यालय में सबकुछ आपके पक्ष में जाता नज़र आ रहा है। आपको ख़ुश करने के लिए आपका जीवनसाथी काफ़ी कोशिशें कर सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। एक ख़ुशनुमा और बढ़िया शाम के लिए आपका घर मेहमानों से भर सकता है। आप अचानक गुलाबों की ख़ुश्बू से ख़ुद को सराबोर पाएंगे।कार्यालय में कोई आपको कुछ बढ़िया चीज़ या ख़बर दे सकता है। आज अपने लिए वक्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। हालांकि इस दौरान आप दोनों के बीच थोड़ी बहुत कहासुनी हो सकती है। वैवाहिक जीवन के मोर्चे पर यह दिन वाक़ई बहुत बढ़िया है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। माता या पिता की सेहत पर आपको आज बहुत धन खर्च करना पड़ सकता है। आपके परिवार वाले किसी छोटी–सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। आपका कोई खास ही आज आपके साथ विश्वासघात कर सकता है। जिसकी वजह से आप दिनभर परेशान रह सकते हैं। आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। आपका जीवनसाथी आपको प्यार का एहसास देना चाहता है, उसकी मदद करें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं. परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आपका हमदम आपको पूरे दिन याद करता रहेगा। दफ़्तर में आपको पता लग सकता है कि जिसे आप अपना दुश्मन समझते थे, वह दरअस्ल आपका शुभचिंतक है। आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियाँ में जाएगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। मुमकिन है कि परिवार वाले आपकी उम्मीदों को पूरा न कर सकें। इस बात कि इच्छा न करें कि वे आपके मुताबिक़ काम करेंगे, बल्कि अपने काम करने का तरीक़ा बदलकर पहल करें। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे–छोटे तोहफ़े लोगों को दें। अपनी नौकरी से चिपके रहिए और दूसरों से उम्मीद मत कीजिए कि वे आकर आपकी मदद करेंगे। आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आपको बेवजह पैसा खर्च करने से खुद को रोकना चाहिए नहीं तो जरुरत के समय आपके पास पैसे की कमी हो सकती है। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। रोमांस के लिए बढ़ाए गए क़दम असर नहीं दिखाएंगे। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। रिश्तेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद–विवाद हो सकता है, लेकि आख़िर में सब ठिक हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ, जो सकारात्मक और मददगार स्वभाव के हैं। आप साथ में कहीं घूमने–फिरने जाकर अपने प्रेम–जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। चंद्रमा की स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि आज आपके पास काफी खाली वक्त होगा मुमकिन है कि आपके माता–पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। अपनी भावनाओं को दबाएँ और छुपाएँ नहीं। अपने जज़्बात दूसरों के साथ साझा करने से फ़ायदा मिलेगा। इस राशि के विवाहित जातकों को आज ससुराल पक्ष से धन लाभ होने की संभावना है। अपने परिवार की भलाई के लिए मेहनत करें। आज के दिन आप कार्यक्षेत्र में कुछ बढ़िया कर सकते हैं। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयां हल हो जाएंगी। ऐसा लगता है कि पारिवारिक–मोर्चे पर आप ज़्यादा ख़ुश नहीं हैं और कुछ अड़चनों का सामना कर रहे हैं। प्यार–मोहब्बत के लिहाज़ से दिन थोड़ा मुश्किल रहेगा। आपकी कड़ी मेहनत और निष्ठा ख़ुद आपके लिए बोलेगी व दूसरों का विश्वास और सहयोग आपको हासिल होगा। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे। रिश्तेदारों का दख़ल शादीशुदा ज़िन्दगी में परेशानी पैदा कर सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके भाई–बहनों में से कोई आज आपसे पैसे उधार मांग सकता है, आप उनको पैसे उधार तो दे देंगे लेकिन इससे आपके आर्थिक हालात खराब हो सकते हैं। अगर आप हर किसी की मांग पूरी करने की कोशिश करेंगे, तो सिर्फ़ नाकामी आपके हाथ लगेगी। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें। आज जीवनसाथी के साथ खाली वक्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक्त देना चाहिए। बढ़िया खाना, रोमानी पल और जीवनसाथी का साथ यही ख़ास है आज।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फ़ायदा दिलायेगा। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपका साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आपको विचार अवश्य करना चाहिए। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 15 मई 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी अहोरात्र
नक्षत्र : आश्लेषा दोपहर 03:25 तक
योग : वृद्धि प्रातः 07:40 तक
करण : विष्टि सायं 05:19 तक
चन्द्रराशि : कर्क सायं 03:25 तक
सूर्योदय : 05:44, सूर्यास्त 06:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:37 (बेंगलोर)
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:31 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:36, सूर्यास्त 06:31 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दुर्गा अष्टमी , बुधाष्टमी , भद्रा सायं 05:18 से , गण्डमूल चालू है , बगलामुखी जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बारूद डिपो विस्फोट में शहीद हुए नंदू सिंह का हुआ अंतिम संस्कार

पैतृक गांव में दी गई अंतिम विदाई

झुंझुनू, 14 मई (एजेंसियां)। लेह–लद्दाख में सेना के बारूद डिपो में विस्फोट में शहीद हुये राजस्थान में झुंझुनू जिले के जवान का मंगलवार को अंतिम संस्कार किया गया। जिले के सूरजगढ़ के रहने वाले नंदूसिंह एक साल पहले ही सेना में भर्ती हुये थे। वह सूरजगढ़ गवर्नमेंट कॉलेज में छात्रसंघ अध्यक्ष भी रहे। गत आठ मई को वह विस्फोट में घायल हो गये थे। सोमवार को चंडीगढ़ में इलाज के दौरान वह शहीद हो गये। आज सुबह उनकी पार्थिव देह उनके गांव पहुंची, तो ग्रामीणों ने उन्हें शहीद का दर्जा देने की मांग की थी। अपनी मांगों को लेकर उनके परिवार एवं ग्रामीणों ने करीब तीन घंटे तक सीकर–लोहारू हाईवे भी जाम रखा। प्रशासन से सहमति के बाद करीब चार किलोमीटर की तिरंगा यात्रा निकाली गयी। इसके बाद उनके

पैतृक गांव स्यालू कलां में उनका अंतिम संस्कार किया गया।जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल सुरेश कुमार जांगिड़ ने बताया कि नंदू सिंह आर्मी के एम्यूनिशन डिपो में ट्रेड्समैन थे। यह पोस्ट डिफेंस सिविलियन कैटेगिरी में आती है। इस तरह के हादसों में इन्हें शहीद का दर्जा देने का प्रावधान नहीं है। इसके अलावा सर्विस से जुड़े अन्य सभी परिलाभ नंदू सिंह के परिजनों को मिलेंगे। एसडीएम दयानंद ने धरने पर बैठे ग्रामीणों को आयुध डिपो से शव के साथ आये सैन्यकर्मी और जिला सैनिक कल्याण अधिकारी से बात की। उन्होंने बताया कि नंदूसिंह राजपूत को नियमानुसार विभिन्न मद से कुल लगभग 90 लाख रुपये का फंड दिया जायेगा, इसके अलावा परिजनों को पेंशन भी मिलेगी। लेह में दर्ज प्राथमिकी के बारे में जिला सैनिक कल्याण अधिकारी की सेना के अधिकारियों से हुई वार्ता के बाद बताया गया कि वह एक सामान्य प्रक्रिया है, प्राथमिकी नंदूसिंह के विरुद्ध नहीं है। प्रशासन से हुई वार्ता के बाद ग्रामीणों ने धरना वापस ले लिया।

पुलिस मुठभेड़ में गैंगस्टर सागर गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

हनुमानगढ़, 14 मई (एजेंसियां)। जिले के टिब्बी थाना क्षेत्र में कुछ दिनों से छिपे बैठे कुख्यात गैंग टिल्लू ताजपुरिया के एक गैंगस्टर को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान पकड़ लिया। टिब्बी के साबुआना में दिल्ली की क्राइम ब्रांच और हनुमानगढ़ जिला विशेष टीम के संयुक्त ऑपरेशन के दौरान गिरफ्तारी से बचने के लिए गैंगस्टर ने पुलिस टीम पर फायरिंग भी की। जवाबी फायरिंग में गैंगस्टर सागर घायल हो गया। उसे बाद में जिला चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया।

गैंगस्टर सागर के पैर में गोली लगी थी। एसपी विकास सांगवान ने बताया कि दिल्ली पुलिस को एक मर्डर के मामले में टिल्लू ताजपुरिया गैंग के गैंगस्टर सागर की तलाश थी। दिल्ली क्राइम ब्रांच को सूचना मिली की सागर हनुमानगढ़ जिले में टिब्बी के साबुआना में छुपा हुआ है। इस पर दिल्ली की क्राइम ब्रांच की टीम हनुमानगढ़ पहुंची और उनसे संपर्क कर सहयोग मांगा। जिस पर जिला विशेष टीम और क्राइम ब्रांच दिल्ली की टीम ने साबुआना में दबिश दी।

हरियाणा के सोनीपत का रहने वाला सागर यहां रूप सिंह पुत्र गुरदास सिंह के घर पर छुपा हुआ था। सागर को जैसे ही घेराबंदी की भनक लगी तो उसने गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस दल पर फायरिंग शुरू कर दी।

कोटा से लापता हुआ कोचिंग छात्र यूपी के कुशीनगर में मिला

कोटा, 14 मई (एजेंसियां)। राजस्थान की कोचिंग सिटी कहे जाने वाले कोटा से लापता हुए कोचिंग छात्र को पुलिस ने उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में बरामद कर लिया है। बिहार के मुंगेर जिले के तारापुर थाना इलाके के मोहनगंज गांव निवासी कोचिंग छात्र अमन कुमार सिंह (19) रविवार को अचानक लापता हो गया था। वह यहां अपने छोटे भाई रौनक सिंह राजपूत (16) के साथ कोटा के कुन्हाड़ी थाना इलाके में एक मकान में पेइंग गेस्ट के रूप में रह कर नीट की कोचिंग कर रहा था और गत पांच मई को परीक्षा भी दे चुका था, लेकिन रविवार को देर रात वह एक पत्र में यह संदेश छोड़कर लापता हो गया कि उसे कोटा बैराज (चम्बल नदी के किनारे) के आसपास तलाश कर लेना।कोचिंग छात्र अमन कुमार सिंह के इस पत्र से सब सकते में आ गये। उसके भाई रौनक सिंह राजपूत ने पहले मकान मालिक के साथ आसपास के इलाके में तलाश किया लेकिन जब कहीं नहीं मिला तो कुन्हाड़ी थाने में लिखित में रिपोर्ट पेश की जिसे पुलिस ने काफ़ी गंभीरता से लिया और व्यापक पैमाने पर लापता कोचिंग छात्र अमन कुमार सिंह की तलाश शुरू की।

पुलिस अधीक्षक (शहर) डॉ अमृता दुहन ने मंगलवार को बताया कि कोचिंग छात्र अमन कुमार सिंह अपना मोबाइल फोन भी कमरे में ही छोड़ गया था, इसीलिये उसे ट्रेस करने में दिक्कत तो थी लेकिन पुलिस ने हार नहीं मानी और न केवल विभिन्न सरकारी एजेंसियों की नावों और गोताखोरों की मदद से अमन कुमार सिंह की न केवल चम्बल नदी में काफी तलाश करवाई, बल्कि पूरे इलाके,बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन आदि के सीसीटीवी कैमरों की जांच की।पुलिस को विभिन्न स्रोतों के जरिये जांच–पड़ताल करने के बाद सोमवार को कोचिंग छात्र अमन कुमार सिंह के उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में होने की जानकारी मिली तो कोटा पुलिस अधीक्षक डॉ. दुहन ने तत्काल कुशीनगर के पुलिस अधीक्षक से फ़ोन पर बातचीत कर उन्हें कोटा से लापता कोचिंग छात्र की कुशीनगर में रुके होने की जगह चिह्नित कर भेजी जिसके आधार पर कुशीनगर ने कोचिंग छात्र अमन कुमार सिंह को दस्तयाब कर लिया, जिसे कोटा लाने के लिये पुलिस टीम कुशीनगर रवाना हो गयी है, और उसकी बरामदगी के बाद कोटा पुलिस ने राहत की सांस ली है।

अभी कोटा का एक और कोचिंग छात्र लापता है, जिसे भी कोटा पुलिस तलाश कर रही है। नीट की पांच मई को हुई प्रवेश परीक्षा के अगले ही दिन एक और कोचिंग छात्र गंगापुर जिले के बामनवास निवासी राजेन्द्र मीणा भी परीक्षा देने के बाद लापता हो गया था और इसके पहले उसने परिवारजनों के नाम संदेश छोड़ा था कि अब पढ़ाई नहीं करनी है, इसलिये पांच साल के लिये घर छोड़ रहा हूं। इस छात्र का भी अभी सुराग नहीं मिला है।

जमीनी विवाद में कार सवार युवक पर चार राउंड फायरिंग कर भागे बदमाश

नीमकाथाना,14 मई (एजेंसियां)।
जिले के गावड़ी मोड़ पर स्थित एवीवीएनएल कार्यालय के पास भूमि विवाद को लेकर स्कार्पियो गाड़ी पर थार गाड़ी में सवार होकर आए करीब 5 से 6 बदमाशों ने फायरिंग कर दी। फायरिंग की इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई फायरिंग के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। स्कार्पियो गाड़ी में सवार पीड़ित युवक प्रदीप सैनी गावड़ी बाईपास से गावड़ी मोड़ पर 8 लाख रुपए के चेक देने के लिए आ रहा था। तभी गावड़ी मोड़ से गावड़ी की तरफ जा रही थार गाड़ी में सवार कुलदीप मीणा ने चलती स्कार्पियो गाड़ी पर फायरिंग कर दी। थार गाड़ी में करीब 5 से 6 बदमाश सवार थे। फायरिंग करने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। वहीं स्कॉर्पियो गाड़ी में सवार पीड़ित युवक डीएसपी ऑफिस में चला गया।

कांग्रेस प्रत्याशी जयप्रकाश की सभा में भिड़े फौजी व रतेरा के समर्थक

भिवानी, 14 मई (एजेंसियां)।
कांग्रेस में गुटबाजी के चलते कार्यकर्ताओं की आपस में नोंकझोंक और जुतम पैजार थमने का नाम नहीं ले रही है। ताजा मामला मंगलवार को बवानीखेड़ा विधानसभा क्षेत्र का है। हिसार लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी जयप्रकाश उर्फ जेपी की नुक्कड़ सभा के दौरान होर्डिंग्स पर रामकिशन फौजी का फोटो देख सतबीर रतेरा समर्थक भड़क उठे। दोनों ही समर्थकों के बीच नोंकझोंक हुई तो कांग्रेस प्रत्याशी जयप्रकाश भी तमतमा उठे। मंच से ही जयप्रकाश ने बोल दिया कि मैं करवाउंगा तुम्हारी जिंदाबाद।

दरअसल जेपी का बवानीखेड़ा हल्का के गांव चांग, बलियाली, खरक में नुक्कउ.सभाएं थी। इस दौरान उनके साथ पूर्व विधायक रामकिशन फौजी भी मौजूद थे। नुक्कड़ सभा में होर्डिंग्स पर रामकिशन फौजी के फोटो लगे देख कांग्रेस नेता सतबीर रतेरा के समर्थकों में उबाल आ गया।

इसी दौरान नारेबाजी कर रामकिशन फौजी के खिलाफ हुटिंग की गई। उधर रामकिशन फौजी के समर्थकों ने भी कोई कसर नहीं

छोड़ी और नारेबाजी करने लगे। इसे देख कांग्रेस प्रत्याशी जयप्रकाश को भी गुस्सा आ गया। जयप्रकाश ने अपने अंदाज में कहा कि जो करना है कर लो, मैं करवाऊंगा थारा जिंदाबाद। आराम से खड़े रहो, कदे चक्कर मैं पड़ रहे हो, क्या बदतमीजी है ये क्या तमाशा बना राख्या है, मैं सबेरे का कहण लाग रहया सू, मैं बताऊंगा थामने, सारी रात का रखा है। ये लोग जेपी को वोट देने आए हैं, कदे किसे कै गलतफहमी हो, बकवास करते हो, आदमी की तरह समझा लिया।

बतां दे कि सोमवार को भी भिवानी के पार्टी कार्यालय में हरियाणा प्रभारी बावरिया के सामने ही कांग्रेस कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए थे। जिसके बाद खुद बावरिया ने ही माहौल को संभाला और कार्यकर्ताओं को शांत कराना पड़ा था। लगातार कांग्रेस कार्यकर्ताओं की आपसी झड़प और नेताओं की गुटबाजी के बीच चुनावी माहौल गर्माता जा रहा है।

हरियाणा कांग्रेस में नहीं खत्म हो रही गुटबाजी, बड़े नेताओं की एंट्री पर ही साथ दिखेंगे कांग्रेसी

चंडीगढ़,14 मई (एजेंसियां)। दो धड़ों में बंटी हरियाणा कांग्रेस में हाईकमान के आदेश के बाद भी गुटबाजी खत्म नहीं हो पा रही है। दसों सीटें जीतने के दावे करने वाली कांग्रेस पार्टी के दिग्गज नेता अपने–अपने चहेतों के प्रचार में ही जुटे हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के निर्देश के बावजूद हुड्डा खेमा सिरसा जाने से बच रहा है, जबकि कुमारी सैलजा के साथ रणदीप सुरजेवाला और किरण चौधरी सिरसा पर फोकस किए हुए हैं। ऐसे में संभावना है कि केंद्रीय नेतृत्व के नेताओं के हरियाणा में आने के बाद ही सभी कांग्रेसी एक मंच पर आएंगे।

अब राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे की रैलियों को लेकर भी दोनों धड़ों में राजनीति शुरू हो गई है। 15 मई के बाद तीनों नेताओं की हरियाणा में रैलियां होनी तय हैं, लेकिन अभी स्थान तय नहीं हो पाए हैं। हरियाणा में कांग्रेस इंडिया गठबंधन के तहत चुनाव लड़ रही है। इसमें कुरुक्षेत्र की सीट आम आदमी पार्टी को दी गई है, जबकि नौ सीटों पर कांग्रेस के प्रत्याशी मैदान में हैं।

नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा और प्रदेशाध्यक्ष उदयभान सिरसा छोड़कर आठ सीटों पर नामांकन भरवाने गए और यहां प्रचार और जनसभाएं भी कर रहे हैं। हुड्डा गुट ने सिरसा से दूरी बनाई हुई है। यहां से हुड्डा की धुर विरोधी कुमारी सैलजा प्रत्याशी हैं। न तो हुड्डा सैलजा के नामांकन के समय सिरसा पहुंचे और न यहां प्रचार के लिए अभी तक उनका कोई शेड्यूल आया है। यहां सैलजा के साथ नामांकन के दौरान रणदीप सुरजेवाला, किरण चौधरी और हाल ही में कांग्रेस में आने वाले चौधरी बीरेंद्र सिंह थे।

फिलहाल किरण चौधरी और सुरजेवाला सैलजा के लिए प्रचार कर रहे हैं। हरियाणा के प्रभारी दीपक बाबरिया यह रिपोर्ट कांग्रेस आलाकमान को दे चुके हैं। इसके बाद ही कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सभी दिग्गज नेताओं को फोन करके एकजुटता का पाठ पढ़ाया था। इसका असर ये रहा कि टिकट कटने से नाराज कैप्टन अजय यादव, करण सिंह दलाल, चौधरी बीरेंद्र सिंह और किरण चौधरी अपने–अपने हलकों में प्रत्याशियों के लिए प्रचार में तो जरूर जुटे, लेकिन हुड्डा और एसआरके खेमे में खींचतान अभी जारी है।

कांग्रेस सूत्रों का दावा है कि राहुल और प्रियंका गांधी की रैलियों को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं, लेकिन अभी तक स्थान तय नहीं हो पाए हैं। हुड्डा खेमा अपने समर्थक प्रत्याशियों के हलकों में रैलियों की योजना बना रहा है, जबकि एसआरके गुट सिरसा में कांग्रेस के किसी बड़े नेता की रैली की तैयारी कर रहा हैं। बताया जा रहा है कि इसी सप्ताह बड़े नेताओं की रैलियों के स्थान को लेकर कांग्रेस की बैठक होगी और उसमें ही स्थान तय किए जाएंगे।

हरियाणा में दो करोड़ एक लाख 87 हजार मतदाता करेंगे मतदान

चंडीगढ़, 14 मई (एजेंसियां)। हरियाणा में 25 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव में मतदाताओं की कुल संख्या दो करोड़ एक लाख 87 हजार 911 है, जिसमें एक करोड़ छह लाख 52 हजार 345 पुरुष, 94 लाख 23 हजार 956 महिला महिला मतदाता शामिल हैं।

इसके अलावा 467 ट्रांसजेंडर मतदाता हैं, जो चुनाव का पर्व–देश का गर्व के महोत्सव में अपने मत का प्रयोग करेंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग अग्रवाल ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हर वोट का महत्व होता है। कभी–कभी उम्मीदवार की जीत का कारण भी एक वोट बन जाता है। इसलिये प्रत्येक मतदाता को अपने मत का प्रयोग अवश्य करना चाहिये। मतदाता के बिना लोकतंत्र का पर्व अधूरा है। चुनाव आयोग का कार्य निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से चुनाव प्रक्रिया को पूरी करवाना है। असली कार्य तो मतदाताओं को ही अपना मत डाल कर करना है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश के 19 हजार 812 स्थायी मतदान केंद्र बनाये गये हैं। इसके अलावा 219 अस्थाई मतदान केंद्र भी बनाये गये हैं। लू को देखते हुये सभी मतदान केंद्रों में अतिरिक्त प्रबंध किये जायेंगे। मतदाताओं का स्वागत शादी समारोह की तरह किया जायेगा, इनका स्वागत बीएलओ करेंगे। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी निवेदनकर्ता होंगे, जबकि पीठासीन अधिकारी एवं समस्त मतदान दल सदस्य दर्शनाभिलाषी होंगे। इसके अलावा,मतदाता अपने उम्मीदवार की पृष्ठभूमि के बारे जानकारी लेने के लिये केवाईसी एप डाउनलोड कर सकता है।

ध्रुव और रवि योग में कल मनाई जाएगी जानकी नवमी

वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को सीता नवमी मनाई जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार माता सीता इसी दिन धरती से प्रकट हुई थीं। इसीलिए इस दिन को सीता जयंती या सीता नवमी के रूप में मनाते हैं। इसको जानकी नवमी के नाम से भी जाना जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि वैशाख शुक्ल नवमी तिथि को सीता जी प्रकट हुईं, इसलिए इसे जानकी जयंती या सीता नवमी के नाम से जाना जाता है। इस बार गुरुवार 16 मई 2024 वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि है। यह दिन स्वयंसिद्ध अबूझ मुहूर्त है। सीता नवमी पर विशेष रूप से माता सीता की उपासना करने से व्यक्ति को विशेष लाभ मिलता है। साथ ही जीवन में आ रही सभी समस्याएं दूर हो जाती हैं। मान्यता है इस दिन मां सीता की विधि विधान से पूजा करने पर आर्थिक तंगी दूर होती है और मां लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि हर साल सीता नवमी वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाई जाती है। यह त्यौहार रामनवमी के लगभग एक महीने बाद मनाया जाता है। इस दुर्लभ अवसर पर देवी मां सीता के साथ भगवान राम की भी पूजा करना श्रेष्ठ है। जिस प्रकार रामनवमी को अत्यंत शुभ फलदायी त्योहार के रूप में मनाया जाता है उसी प्रकार सीता नवमी को भी अत्यंत शुभ फलदायी माना जाता है।

भगवान श्री राम को विष्णु का रूप और माता सीता को लक्ष्मी का रूप कहा गया है। इस शुभ दिन पर अगर हम भगवान श्री राम के साथ माता सीता की भी पूजा करें तो भगवान श्री हरि और मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, वैशाख माह के शुक्ल पक्ष नवमी तिथि पर मां सीता का जन्म हुआ था। इसलिए इस दिन को सीता नवमी के रूप में मनाया जाता हैमान्यता के अनुसार मां सीता का जन्म मंगलवार के दिन पुष्य नक्षत्र में हुआ था और रामनवमी पर्व के ठीक एक महीने बाद सीता नवमी पर मनाई जाती है। इस बार सीता नवमी 16 मई को है। इस अवसर पर मां सीता की विशेष पूजा की जाती है। साथ ही सुख एवं समृद्धि की प्राप्ति के लिए व्रत भी किया जाता है।

2 शुभ योग में है सीता नवमी

इस बार सीता नवमी पर दो शुभ योग बन रहे हैं। पहला ध्रुव योग प्रात:काल से लेकर सुबह 08:23 मिनट तक है। वहीं रवि योग शाम में 06:14 मिनट से अगले दिन 17 मई को प्रात: 05: 29 मिनट तक है।. सीता नवमी पर मघा नक्षत्र सुबह से लेकर शाम 06:14 मिनट तक है, उसके बाद से पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र है।

सीता नवमी की तिथि :-

नवमी तिथि का आरंभ: 16 मई ,गुरुवार, प्रात: 6:22 से
नवमी तिथि का समाप्त:17 मई, शुक्रवार, प्रात: 08:48

सीता नवमी का शुभ मुहूर्त :-

सीता नवमी का मध्याह्न मुहूर्त: प्रात:11.04 से दोपहर 01:43 तक
सीता नवमी का मध्यान क्षण 12: 23 तक है।

सीता नवमी का महत्व

सीता नवमी का दिन राम नवमी की तरह ही शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन जो राम-सीता का विधि विधान से पूजन करता है, उसे 16 महान दानों का फल, पृथ्वी दान का फल तथा समस्त तीर्थों के दर्शन का फल मिल जाता है। वैवाहिक जीवन में सुख-समृद्धि पाने के लिए सीता नवमी का श्रेष्ठ माना गया है। सीता नवमी के दिन माता सीता को श्रृंगार की सभी सामग्री अर्पित की जाती हैं। साथ ही इस दिन सुहागिनें व्रत रखकर अखंड सौभाग्य की कामना करती हैं।

माता सीता के जन्म की कथा

वाल्मिकी रामायण के अनुसार एक बार मिथिला में भयंकर सूखा पड़ा था जिस वजह से राजा जनक बेहद परेशान हो गए थे। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए उन्हें एक ऋषि ने यज्ञ करने और खुद धरती पर हल चलाने का सुझाव दिया।

राजा जनक ने अपनी प्रजा के लिए यज्ञ करवाया और फिर धरती पर हल चलाने लगे। तभी उनका हल धरती के अंदर किसी वस्तु से टकराया। मिट्टी हटाने पर उन्हें वहां सोने की डलिया में मिट्टी में लिपटी एक सुंदर कन्या मिली। जैसे ही राजा जनक सीता जी को अपने हाथ से उठाया, वैसे ही तेज बारिश शुरू हो गई। राजा जनक ने उस कन्या का नाम सीता रखा और उसे अपनी पुत्री के रूप में स्वीकार किया।

सीता नवमी पूजा विधि

सीता नवमी के दिन सुबह उठकर स्नान करें। इसके बाद मंदिर की सफाई करें और गंगाजल का छिड़काव कर शुद्ध करें। अब चौकी पर साफ कपड़ा बिछाकर मां सीता और भगवान श्रीराम की प्रतिमा विराजमान करें।

मां सीता को सोलह श्रृंगार का सामान अर्पित करें। फूल, अक्षत, चंदन, सिंदूर, धूप, दीप आदि भी चढाएं। देसी घी का दीपक जलाकर आरती करें।

पूजा के दौरान मंत्रों का जाप अवश्य करना चाहिए। इसके पश्चात मां सीता को फल, मिठाई समेत आदि चीजों का भोग लगाएं। अंत में जीवन में सुख और शांति के लिए प्रार्थना करें।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

बुधवार के दिन जरूर करें ये उपाय

दूर होगी दरिद्रता, खुलेंगे तरक्की के रास्ते

हिंदू धर्म में प्रत्येक दिन का कोई न कोई महत्व जरूर होता है। सप्ताह का हर दिन किसी न किसी देवी या देवता को जरूर समर्पित होता है। बुधवार का दिन भगवान श्री गणेश को समर्पित है। कहा जाता है कि भगवान श्री गणेश प्रथम पूज्य देव हैं।

किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत से पहले मंगलकर्ता भगवान गणेश की पूजा जरूर की जाती है। धर्म शास्त्रों में मान्यता है कि जिस जगह विघ्नविनाशक का वास होता है, वहां रिद्धि-सिद्धि, शुभ-लाभ और मां लक्ष्मी भी विराजती हैं। इनकी कृपा से सब मंगल ही मंगल होता है। बुधवार के दिन गणपति बप्पा की पूजा से जातकों की बुद्धि कुशाग्र होती है। इसके अलावा बुधवार के दिन कुछ उपाय करने से विघ्नहर्ता श्री गणेश की कृपा प्राप्त होती है। तो चलिए जानते हैं बुधवार के दिन भगवान गणेश की कृपा पाने के लिए क्या उपाय करने चाहिए...

कहा जाता है कि गणपति बप्पा को हरा रंग बेहद प्रिय है। ऐसे में यदि आपका बुध कमजोर है, तो हमेशा अपने पास हरे रंग का रुमाल रखें। साथ ही बुधवार के दिन किसी जरूरतमंद को हरी मूंग की दाल या हरे वस्त्रों का दान करें। इस दिन हरे रंग के कपड़े पहनना भी शुभ होता है।

विघ्नहर्ता श्री गणेश की कृपा पाने के लिए बुधवार के दिन पूजा करते समय भगवान गणेश के माथे पर सिंदूर लगाकर तिलक करें। इसके बाद अपने माथे पर भी लगाएं। ऐसा करने से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी।

भगवान गणेश को मोदक बेहद प्रिय हैं, इसलिए उनकी पूजा में मोदक का प्रसाद अवश्य रखा जाता है। यदि आप जीवन में परेशानियों का सामना कर रहे हैं तो बुधवार के दिन भगवान गणेश की पूजा के दौरान उन्हें लड्डू का भोग जरूर लगाएं।

गणेश जी को दूर्वा अत्यंत प्रिय है। ऐसे में प्रत्येक बुधवार को 21 दूर्वा गणेश जी को जरूर चढ़ाएं। इससे आपके जीवन में कभी परेशानियां नहीं आएंगी और गणेश जी का आशीर्वाद आप पर सदैव बना रहेगा।

नौकरी में तरक्की चाहते हैं तो मासिक दुर्गाष्टमी पर करें ये उपाय

मां दुर्गा को शक्ति और समृद्धि की देवी माना जाता है । नौकरी की तलाश में लोगों का मानना है कि उनकी पूजा करने से उन्हें मनचाही नौकरी मिल सकती है। ज्योतिष शास्त्र में कुछ उपाय बताए गए हैं जिनके बारे में कहा जाता है कि ये नौकरी प्राप्ति में सहायक होते हैं। मासिक दुर्गाष्टमी, जो हर महीने कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाई जाती है, देवी दुर्गा की पूजा का एक महत्वपूर्ण अवसर है। इस दिन, भक्त देवी दुर्गा से अपनी मनोकामनाएं पूरी करने की प्रार्थना करते हैं। आप नौकरी की तलाश में हैं, तो मासिक दुर्गाष्टमी के दिन कुछ विशेष उपाय करने से आपको शीघ्र ही मनचाही नौकरी मिल सकती है।

मां दुर्गा के टोटके

अपनी राशि के अनुसार मां दुर्गा के स्वरूपों का ध्यान करें। उदाहरण के लिए, मेष राशि के जातक मां दुर्गा के शैलपुत्री स्वरूप का ध्यान कर सकते हैं, वृषभ राशि के जातक मां दुर्गा के ब्रह्मचारिणी स्वरूप का ध्यान कर सकते हैं, और इसी तरह। ध्यान करते समय, मां दुर्गा से प्रार्थना करें कि वे आपको नौकरी प्राप्त करने में मदद करें।

ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं दुर्गायै नमः मंत्र का 108 बार जाप करें। यह मंत्र मां दुर्गा को प्रसन्न करने के लिए माना जाता है।

आप अपनी राशि के अनुसार मां दुर्गा के विशिष्ट मंत्र का भी जाप कर सकते हैं।

मासिक दुर्गाष्टमी या हर शुक्रवार के दिन पीले रंग का वस्त्र पहनकर मां दुर्गा की पूजा करें। पीला रंग ग्रह शुक्र का रंग है, जो नौकरी और करियर से जुड़ा हुआ है। मां दुर्गा की प्रतिमा पर हल्दी का तिलक लगाएं और अपने माथे पर भी हल्दी का तिलक लगाएं। हल्दी को शुभ माना जाता है और यह ग्रह बृहस्पति का प्रतीक है, जो ज्ञान और शिक्षा का कारक है।

रविवार का व्रत रखें और मां दुर्गा की पूजा करें। रविवार सूर्य देव का दिन है, जो करियर और सफलता का प्रतीक है। दुर्गा सप्तशती का पाठ करें। यह मां दुर्गा की स्तुति का एक पवित्र ग्रंथ है। माना जाता है कि इसका पाठ करने से मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं और मनोकामनाएं पूरी करती हैं।

गरीबों और जरूरतमंदों को दान करें। यह पुण्य का कार्य है और इससे मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं। नियमित रूप से मां दुर्गा के मंदिर में दर्शन करें और उनकी पूजा करें।

नौकरी प्राप्ति के लिए सबसे महत्वपूर्ण है कि आप कड़ी मेहनत करें, अपने कौशल का विकास करें और नौकरी के लिए आवेदन करते रहें। मां दुर्गा की पूजा और ज्योतिषीय उपायों से आपको आत्मविश्वास और सकारात्मकता मिलेगी, जो नौकरी प्राप्ति में आपकी मदद कर सकते हैं। मां दुर्गा आपको नौकरी की तलाश में सफलता प्रदान करें।

भगवान बदरीनाथ ने दिए शुभ संकेत

मूर्ति पर लगा घृत कंबल नहीं सूखा यानी देश खुशहाल रहेगा

श्रद्धालुओं के भारी उत्साह और भगवान नारायण के जयकारों के बीच 12 मई को बदरीनाथ धाम के कपाट खोल दिए गए।।.कपाट खुलते ही धाम के अंदर कुछ ऐसा नजारा दिखा, जिसे तीर्थ पुरोहित बेहद शुभ संकेत मान रहे हैं... क्या है ये शुभ संयोग। कैसे आम लोगों की जिंदगी में आएगी खुशहाली, देश में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहेगी। कपाट खुलते ही बड़ी संख्या में वहा मौजूद श्रद्धालुओं ने जयकारे लगाए। खुल गए कपाट। जय जय बदरी विशाल। श्रद्धालुओं के जयकारे से बदरीनाथ धाम गूंज रहा है।

12 मई को भू-बैकुंठ बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने के साथ ही तीर्थ पुरोहितों, ने जो देखा उसे बेहद शुभ संकेत माना जा रहा है। इस शुभ संयोग को पूरे देश के लिए अच्छा माना जा रहा है। कपाट खुलते ही पहले दर्शन अखंड ज्योति के हुए। ये 6 महीने से जल रही है। इसके

बाद मुख्य रावल ईश्वर प्रसाद नम्बूदरी सबसे पहले गर्भगृह में गए।।वहां उन्हें भगवान की मूर्ति पर पिछले साल लगाया गया घी और कंबल ठीक उसी हालत में मिला, जैसा कपाट बंद करते वक्त था।ये देखने के बाद परंपरानुसार भविष्यवाणी की गई कि इस साल देश में कहीं भी सूखा नहीं पड़ेगा और खुशहाली होगी। शीत ऋतु में बदरीनाथ धाम के कपाट 6 महीने के लिए बंद किए जाते हैं। जब कपाट बंद होते हैं तब भगवान बदरीनाथ को घृत कंबल ओढ़ाया जाता है। इस घृत कंबल में घी का लेप लगाया जाता है। 12 मई को जब बदरीनाथ मंदिर के कपाट खोले गए तो घृत कंबल पर लगा घी का लेप कमतापमान के में भी सूखा नहीं था। बल्कि जैसा लगाया था वैसा ही मिला।

मंदिर की क्या है विशेषता

धार्मिक मान्यता है कि घृत कंबल से अगर घी सूख जाता है तो हिमालय क्षेत्र में सूखे और देश में मुसीबत आती है। बदरीनाथ धाम मंदिर में भगवान विष्णु की बद्रीनारायण स्वरूप की 1 मीटर की मूर्ति स्थापित है। इसे श्री हरि की स्वंय प्रकट हुई 8 प्रतिमाओं में से एक माना जाता है। इस मंदिर का वर्णन स्कंद पुराण और विष्णु पुराण में भी मिलता है?

शंकराचार्य के वंशज होते हैं मंदिर के पुजारी

बदरीनाथ धाम मंदिर कपाट का ताला तीन चाबियों से खोला जाता है।। इनमें एक टिहरी राजदरबार, दूसरी चाबी बद्री-केदार मंदिर समिति के पास और तीसरी चाबी बद्रीनाथ धाम के रावल और पुजारियों के पास होती है, जिन्हें हक-हकूकधारी कहा जाता है। मूर्ति पर जो घृत कंबल लपेटा जाता है। उसे भारत के पहले गांव माणा की महिलाएं तैयार करती हैं। बद्रीनाथ के पुजारी शंकराचार्य के वंशज होते हैं, जो रावल कहलाते हैं। केरल के राघवपुरम गांव में नंबूदरी संप्रदाय के लोग रहते हैं। इसी गांव से रावल नियुक्त किए जाते हैं। रावल आजीवन ब्रह्मचारी रहते हैं।

मृणाल सेन ने भारतीय सिनेमा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दिलायी विशिष्ट पहचान

भारतीय सिनेमा जगत में मृणाल सेन का नाम एक ऐसे फिल्मकार के तौर पर शुमार किया जाता है, जिन्होंने अपनी फिल्मों के जरिये भारतीय सिनेमा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान दिलाई।

14 मई 1923 को फरीदाबाद अब बंगलादेश में जन्में मृणाल सेन ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा फरीदाबाद से हासिल की। इसके बाद उन्होंने कलकता के मशहूर स्काटिश चर्च कॉलेज से आगे की पढ़ाई पूरी की। इस दौरान वह कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेने लगे । कॉलेज से पढ़ाई पूरी करने के बाद मृणाल सेन की रूचि फिल्मों के प्रति हो गयी और वह फिल्म निर्माण से जुड़े पुस्तकों का अध्यन करने लगे। इस दौर में वह अपने मित्र ऋतविक घटक और सलिल चौधरी को अक्सर यह कहा करते कि भविष्य में वह अर्थपूर्ण फिल्म का निर्माण करेगे लेकिन परिवार की आर्थिक स्थित खराब रहने के कारण उन्हें अपना यह विचार त्यागना पड़ा और मेडिकल रिप्रेजेन्टेटिव के रूप में काम करना पड़ा । लेकिन कुछ दिनों के बाद उनका मन इस काम में नही लगा और उन्होंने यह नौकरी छोड़ दी। फिल्म के क्षेत्र में मृणाल सेन अपने करियर की शुरूआत कोलकाता फिल्म स्टूडियो में बतौर ऑडियो टेकनिशियेन से की। बतौर निर्देशक मृणाल सेन ने अपने करियर की शुरूआत वर्ष 1955 में प्रदर्शित फिल्म रात भौर से की। उत्तम कुमार अभिनीत यह फिल्म टिकट खिड़की पर बुरी तरह नाकाम साबित हुयी।

वर्ष 1958 में मृणाल सेन की नील आकाशे नीचे फिल्म प्रदर्शित हुयी। फिल्म की कहानी एक ऐसे चीनी व्यापारी वांगलु पर आधारित होती है जिसे कलकता में रहने वाली बसंती अपने वामपंथी विचारधारा के जरिये प्रभावित करती है और वह अपने देश जाकर अपने साथियों के साथ मिलकर जापानी सेना विरूद्ध साथ छेड़े गये मुहिम में शामिल हो जाता है । फिल्म में वांगलु के किरदार की भूमिका में काली बनर्जी ने निभायी जबकि बसंती का किरदार मन्जू डे ने निभायी। यूं तो फिल्म के सारे गीत लोकप्रिय हुये लेकिन खास तौर पर हेमंत मुखर्जी की आवाज में रचा बसा यह गीत ..वो नदी रे एकती कथा सुधाई रे तोमारे ..श्रोताओं के बीच आज भी शिद्धत के साथ सुने जाते हैं। फिल्म जब प्रदर्शित हुयी तो फिल्म में वामपंथी विचारधारा को देखते हुये इसे दो महीने के लिये बैन कर दिया गया। फिल्म की सफलता के बाद वह कुछ हद तक बतौर निर्देशक अपनी पहचान बनाने में कामयाब हुये।

मृणाल सेन की अगली फिल्म बैसे श्रवण वर्ष 1960 में प्रदर्शित हुयी। फिल्म की कहानी वर्ष 1943 में बंगाल में हुये भयंकर अकाल की पृष्ठभूमि पर आधारित होती है जिसमें लगभग पांच लाख लोग अकाल और भूखमरी से मारे गये थे । फिल्म की कहानी की मुख्य पात्र माधवी मुखर्जी ने एक ऐसी महिला का किरदार निभाया जो अपनी उम्र से काफी बड़े युवक के साथ शादी कर अपना वैवाहिक जीवन बीता रही थी इसी बीच द्वितीय विश्वयुद्ध और अकाल ने उसका वैवाहिक जीवन बिखर जाता है। बाद में महिला खुद को फांसी लगा लेती है। फिल्म बैसे सावन की सफलता के बाद मृणाल सेन ने पांच अन्य फिल्मों का भी निर्माण किया लेकिन ये सभी न तो व्यवसायिक तौर पर सफल हुयी और ना ही समीक्षकों को पसंद आई।

इसके बाद मृणाल सेन ने वर्ष 1966 में उड़िया भाषा में माटिर मनीषा फिल्म का निर्माण किया लेकिन यह फिल्म भी टिकट खिड़की पर असफल साबित हुयी। इन फिल्मों की असफलता के बाद निर्माताओं ने उनसे मुंह मोड़ लिया और अपनी फिल्मों में बतौर निर्देशक काम देना बंद कर दिया।

वर्ष 1969 में एन.एफ.डी.सी की सहायता से मृणाल सेन ने फिल्म भुवन सोम का निर्माण किया। फिल्म की कहानी भुवन सोम नामक एक ऐसे कठोर और अनुशासनप्रिय अधिकारी पर आधारित होती है जिसे गांव जाने का मौका मिलता है और वहां के वातावरण में उसकी छवि में परिवर्तन हो जाता है और वह सबसे समान भेदभाव बरतने लगता है। फिल्म में भुवन सोम के किरदार में उत्पल दत्त ने निभायी। इस फिल्म से जुड़ा रोचक तथ्य यह भी है कि इसी फिल्म में अमिताभ बच्चन ने पहली बार अपनी आवाज दी थी। भुवन सोम के बाद मृणाल सेन ने इंटरव्यू 1971, कोलकाता 711972, और पदातिक 1973 जैसी सफल फिल्मों का निर्देशन किया। इन फिल्मों के बाद उनकी छवि एक ऐसे फिल्मकार के रूप में बन गयी जो अपनी फिल्म में वामपंथी विचारधारा से प्रभावित राजनीति को अपनी फिल्म के जरिये पेश करते थे ।

वर्ष 1976 में प्रदर्शित फिल्म मृगया मृणाल सेन के सिने करियर की महत्वपूर्ण फिल्मों में एक है।

मृणाल सेन की **भुवन शोम** से हुई थी अमिताभ बच्चन के सिने कॅरियर की शुरूआत

बॉलीवुड के महनायक अमिताभ बच्चन ने अपने सिने करियर की शुरूआत मृणाल सेन की फिल्म भुवन शोम से की थी। उनके निर्देशन में बनी फिल्म भुवन शोम वर्ष 1969 में प्रदर्शित हुयी थी। यह फिल्म बलाई चंद मुखोपाध्याय की बंगाली कहानी पर आधारित है। इस फिल्म में उत्पल दत्त ने भुवन शोम की भूमिका निभायी थी। अमिताभ बच्चन भुवन शोम के नरेटर बने।अमिताभ बच्चन ने अपनी आवाज दी थी, 'ये तो आपकी मर्जी है कि आप उन्हें भला कहें या बुरा। इस लाइन के साथ अमिताभ ने मृणाल सेन की आइकॉनिक फिल्म भुवन शोम की ओपनिंग की थी।फिल्म भुवन शोम में अमिताभ बच्चन ने नेरेशन किया था जबकि ऑन स्क्रीन पहली बार अमिताभ फिल्म सात हिंदुस्तानी में दिखे। इस फिल्म को बेस्ट फीचर फिल्म, बेस्ट डायरेक्टर और बेस्ट एक्टर कैटेगरी में तीन नेशनल अवॉर्ड्स भी मिले।

मरून शिमरी गाउन पहनकर सनी लियोन ने गिराई बिजलियां, फोटोज ने मचाया बवाल

बॉलीवुड की खूबसूरत हसीनाओं का जिक्र हो और सनी लियोन का नाम न आए, ऐसा कैसे हो सकता है. अपनी खूबसूरती और एक्टिंग के दम पर बॉलीवुड में छाई रहने वाली सनी लियोन सोशल मीडिया पर भी छाई रहती हैं. किलर अदाओं से लोगों के दिलों पर राज करने वाली सनी लियोन जैसे ही कोई पोस्ट शेयर करत हैं, वैसे ही लाइक और कमेंट करने वालों की होड़ लग जाती है.प्रोजेक्ट्स के साथ-साथ सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली सनी लियोन को देखने के लिए उनके चाहने वाले बेताब बैठे रहते हैं. वह कुछ भी शेयर करती हैं, लाइक्स-कमेंट्स करने वालों की भरमार हो जाती है. हाल ही में सनी लियो ने एक बार फिर चाहने वालों को शानदार विजुअल ट्रीट दी है.लेटेस्ट शेयर की गई फोटोज में सनी लियोन ने मरून शिमरी गाउन पहन रखा है. बॉडीकॉन गाउन में सनी लियोन का लुक देखकर लोगों के दिल धड़के जा रहे हैं. शेयर की गई फोटोज में सनी लियोन शिमरी गाउन में बेहद ग्लैमरस और हॉट लग रही हैं. वह इतनी ज्यादा अट्रैक्टिव लग रही हैं कि उनसे आपकी नजरें एक मिनट के लिए नहीं हटेंगी.इन फोटोज में सनी लियोन ने अपने कर्वी फिगर को बड़ी ही खूबसूरती से फ्लॉन्ट किया है. उनका लुक अप्सरा से कम नहीं लग रहा है. सनी ने अपनी फोटोज को शेयर करते हुए एक हार्ट और फायर इमोजी कैप्शन दिया है.सनी लियोन ने अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए हाई हील पहनी हैं और कानों में इयररिंग्स कैरी किए हैं. सनी की इन फोटोज को 222 हजार से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं।

आदिशक्ति वर्कशॉप ने मुझे गहरी समझ दी : अपूर्वा अरोड़ा

हाल ही में स्ट्रीमिंग सीरीज फैमिली आज कल में नजर आने वाली अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ऑरोविले में आदिशक्ति वर्कशॉप में भाग लेने के बाद रविवार को मुंबई लौट आईं। अपूर्वा ने वर्कशाप में अपनी दिनचर्या के बारे में बात की और कहा कि इससे उन्हें एक कलाकार के रूप में खुद के बारे में गहरी समझ मिली है।अभिनेत्री ने आदिशक्ति वर्कशॉप में भाग लेने की इच्छा मन में रखी थी। हालांकि उनका व्यस्त कार्यक्रम और अपने काम के प्रति प्रतिबद्धता हमेशा उनकी योजनाओं में बाधा बनती थी। इस बार अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद वह वर्कशॉप के लिए समय निकालने में सफल रहीं।अपने अनुभव पर बात करते हुए अपूर्वा ने कहा कि यह बेहद समृद्ध और परिवर्तनकारी था, जिससे उन्हें अभिनय और जीवन पर एक नया दृष्टिकोण मिला।अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए अपूर्वा ने बताया, मैं वर्षों से आदिशक्ति वर्कशॉप में भाग लेना चाहती थी, लेकिन मेरी कार्य प्रतिबद्धताओं ने मुझे कभी ऐसा करने की अनुमति नहीं दी। इस बार मैंने इसे प्राथमिकता दी और मुझे खुशी है कि मैंने ऐसा किया। वर्कशॉप ने न केवल मेरे अभिनय कौशल को बढ़ाया है, बल्कि कलाकार के रूप में मुझे गहरी समझ भी दी है। यह वास्तव में जीवन बदलने वाला अनुभव था।उन्होंने ऑरोविले में रहने के दौरान की अपनी दिनचर्या भी शेयर की, साथ ही अपनी सीखने की प्रक्रिया के बारे में भी बात की।उन्होंने कहा, मैंने कई अलग-अलग तरह की कक्षाएं लीं, जिनमें केरल का मिझावु ड्रम बजाना सीखना, पानी के भीतर सांस लेने के व्यायाम और कलरीपायट्टु सीखने के साथ चरित्र निर्माण में सहायता के लिए विभिन्न उपकरण सीखने पर ध्यान केंद्रित किया।हम सुबह 7 बजे रिपोर्ट करते थे। कक्षाएं सुबह 9 बजे तक चलती हैं, कभी-कभी देर तक भी चलती थीं। बीच-बीच में छोटे-छोटे ब्रेक होते थे, लेकिन वह ज्यादातर काम करने और अगली कक्षा के लिए तैयारी करने में व्यतीत होता था।अपूर्वा अगली बार रोहन सिप्पी के निर्देशन में बनी फिल्म अनरियल में नजर आएंगी।

कान्स फिल्म फेस्टिवल में जलवा बिखेरेंगी ऐश्वर्या राय और अदिति राव हैदरी

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री ऐश्वर्या राय और अदिति राव हैदरी, कान्स फिल्म फेस्टिवल में जलवा बिखेरेती नजर आयेंगी।

14 से 25 मई तक फ्रांस के कांस शहर में 77वें कांस फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। इस साल फेस्टिवल के प्रतिष्ठित (पाल्मे डी'ओर) कैटेगरी में इंडियन फिल्ममेकर पायल कपाड़िया की फिल्म 'ऑल वी इमैजिन एज लाइट' प्रदर्शित की जाएगी। कान्स फिल्म फेस्टिवल का एक्सक्लूसिव कंटेंट फ्रांस में फ्रांस टेलीविजन पर मौजूद होगा। फेस्टिवल के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर भी इसकी लाइव स्ट्रीमिंग होगी, जहां पर आप इस फेस्टिवल को देख सकेंगे।इस साल कान्स फिल्म फेस्टिवल की थीम है- 'मेनी वेज टू बी एन आइकन।' इसका मतलब है, 'एक आइकन बनने के कई तरीके।'

कान्स फिल्म फेस्टिवल 2024 में ऐश्वर्या राय और अदिति राव हैदरी रेड कार्पेट पर अपना जलवा बिखेरेंगी।

इससे पहले ऐश्वर्या राय कान्स फिल्म फेस्टिवल में जूरी मेंबर भी शामिल हो चुकी हैं।कांस के रेड कारपेट को फैशन वर्ल्ड में काफी अहम माना जाता है। यहां वॉक करने वाले सेलेब्स फिल्मों के प्रमोशन के साथ नए डिजाइनर्स के आउटफिट्स भी शोकेस करते हैं। इसके साथ ही फ्रांस को भी अपनी संस्कृति को पेश करने का मौका मिलता है।ऐश्वर्या राय बच्चन वर्ष 2002 से अब तक तकरीबन हर साल कांस में शामिल होती आई हैं।

कान्स फिल्म फेस्टिवल में 20 मई को लॉन्च होगा कन्नप्पा का टीजर

विष्णु ने जारी किया फिल्म का नया पोस्टर

कन्नप्पा विष्णु मांचू की महत्वाकांक्षी परियोजना है। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को और खास बनाने के लिए विष्णु मांचू पूरी मेहनत कर रहे हैं। फिल्म में कई दिग्गज सितारों की महत्वपूर्ण भूमिकाएं हैं। विष्णु मांचू तेजी से अपनी फिल्म पर काम कर रहे हैं और लगातार बड़ी जानकारियां साझा कर रहे हैं। बीते दिन उन्होंने बताया था कि फिल्म से जुड़ी कोई बड़ी घोषणा करने वाले हैं, जिसके बाद से फैंस लगातार बड़े अपडेट पर नजरे टिकाएं बैठे थे। आखिरकार अब फैंस का इंतजार खत्म हो चुका है। फिल्म को लेकर विष्णु ने बड़ा एलान किया है।निर्माताओं के जरिए दिए गए संकेत के बाद फैंस कयास लगा रहे थे कि वे आज प्रभास के किरदार का खुलासा करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ, बल्कि उन्होंने फिल्म के बहुप्रतीक्षित टीजर को लेकर बड़ी घोषणा कर दी।

अमेरिकन सीरीज ड्यून: प्रोफेसी में काम करेंगी तब्बू

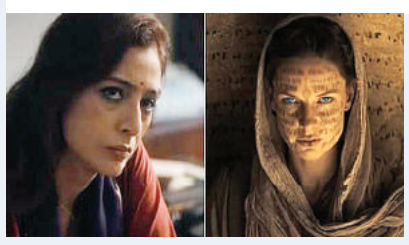

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री तब्बू अमेरिकन सीरीज ड्यून: प्रोफेसी में काम करती नजर आ सकती हैं। बॉलीवुड में चर्चा है कि लाइफ ऑफ पाई और द नेमसेक जैसी इंग्लिश फिल्मों में काम करने के बाद तब्बू अब अमेरिकी टीवी की दुनिया में अपना डेब्यू करने जा रहीं हैं।तब्बू को पॉपुलर अमेरिकन फिक्शन सीरीज ड्यून: प्रोफेसी में एक बड़ी भूमिका मिली है।इस शो में एमिली वॉटसन, ओलिविया विलियम्स, ट्रैविस फिमेल, जोहदी मे, मार्क स्ट्रॉन्ग, सारा-सोफी बौस्नीना, जोश ह्यूस्टन, क्लो ली, जेड अनौका, फोओलीन कनिंघम, एडवर्ड डेविस, एओइफ हिंड्स, क्रिस मेसन और शालोम ब्रुने फ्रैंकलिन मुख्य भूमिकाओं में हैं। कहा जा रहा है कि तब्बू इस सीरीज में सिस्टर फ्रांसेस्का की भूमिका निभाती नजर आएंगी।सीरीज का पहला भाग 2019 में आया था, जिसका टाइटल था ड्यून: द सिस्टरहुड। प्रीक्वल सीरीज 'ड्यून: प्रोफेसी' ब्रायन हर्बर्ट और केविन जे एंडरसन द्वारा लिखित नॉवेल सिस्टरहुड ऑफ ड्यून से प्रेरित है। एलिसन शापकर एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं।

संपादकीय

पीएम की मुस्लिम अपील

बीते दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ टीवी चैनलों को साक्षात्कार दिए थे। उनमें उन्होंने मुसलमानों को 'आत्मचिंतन' करने की अपील की थी और नसीहत भी दी थी। यह पहला मौका है कि देश के प्रधानमंत्री को मुसलमानों की इस तरह मनुहार करनी पड़ी है। प्रधानमंत्री ने किसी पार्टी का वोट बैंक या बंधक बनने के बजाय खुले दिमाग से सोचने की नसीहत भी दी है। प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि एक सीधी लकीर की तरह वोट देना और वह भी हिंदू वर्चस्व या हिंदू-विरोध के नाम पर भाजपा जैसे राष्ट्रवादी दलों के खिलाफ मुसलमानों का वोट करना एक गलत और पूर्वाग्रही ट्रेंड है। मौजू सवाल है कि चुनावों के दौरान प्रधानमंत्री को मुसलमानों को, एक हद तक, मनाने या अपील करने को बाध्य क्यों होना पड़ा? हिंदू-मुस्लिम का चुनावी विभाजन तो 'जनसंघ' के दौर से रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि एक सीधी लकीर की तरह वोट देना और वह भी हिंदू वर्चस्व या हिंदू-विरोध के नाम पर भाजपा जैसे राष्ट्रवादी दलों के खिलाफ मुसलमानों का वोट करना एक गलत और पूर्वाग्रही ट्रेंड है। मौजू सवाल है कि चुनावों के दौरान प्रधानमंत्री को मुसलमानों को, एक हद तक, मनाने या अपील करने को बाध्य क्यों होना पड़ा? हिंदू-मुस्लिम का चुनावी विभाजन तो 'जनसंघ' के दौर से रहा है। पहले जनसंघ और बाद में भाजपा बुनियादी और वैचारिक तौर पर हिंदूवादी पार्टी रही है। यह दीगर है कि अच्छी तादाद में मुसलमान पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के दौर में भी भाजपा को वोट देते थे और आज प्रधानमंत्री मोदी के सूत्रवाक्य-'सबका साथ, सबका विकास...' का समर्थन करते हुए 12-15 फीसदी मुसलमान भाजपा के पक्ष में वोट कर रहे हैं।

पहले जनसंघ और बाद में भाजपा बुनियादी और वैचारिक तौर पर हिंदूवादी पार्टी रही है। यह दीगर है कि अच्छी तादाद में मुसलमान पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के दौर में भी भाजपा को वोट देते थे और आज प्रधानमंत्री मोदी के सूत्रवाक्य-'सबका साथ, सबका विकास...' का समर्थन करते हुए 12-15 फीसदी मुसलमान भाजपा के पक्ष में वोट कर रहे हैं, लेकिन वह कभी भी 'निर्णायक' साबित नहीं हुआ। यकीनन देश की आजादी के बाद कांग्रेस अधिकांश समय सत्तारूढ़ रही। 1951 से 1975 तक तो कांग्रेस को कोई चुनौती ही नहीं थी, लिहाजा उसने अपनी चुनावी रणनीति के तहत मुसलमानों को 'वोट बैंक' की तरह बांधे रखा और दलितों, आदिवासियों, कुछ पिछड़ी जातियों में भी कांग्रेस के जनाधार बनाए। हालांकि केंद्र में वाजपेयी सरकार के 6 साल और मोदी सरकार के 10 साल के अलावा या तो कांग्रेस सत्ता में रही है अथवा बाहरी समर्थन से लडख़ड़ाती सरकारें बनवाई हैं। दरअसल जब कांग्रेस से अलग होकर या उसका विरोध करते हुए क्षेत्रीय दलों के उभार का दौर आया, तो मुसलमान सपा, बसपा, राजद और तृणमूल कांग्रेस आदि क्षेत्रीय दलों की ओर भी ध्रुवीकृत हुए। नतीजतन मुस्लिम वोट बंटते रहे हैं, लेकिन मुस्लिम आज भी मानसिक तौर पर कांग्रेस के साथ हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 'आत्मचिंतन' की नसीहत इसलिए दी है, ताकि मुसलमान सोच सकें कि जिन्होंने उन्हें वोट बैंक का बंधक बनाए रखा, उन्होंने आखिर क्या दिया है? मुसलमानों को क्या फायदे मिले हैं? इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी ने 1992 के कथित बाबरी मस्जिद विध्वंस, 2002 के गोधरा सांप्रदायिक दंगों का जिक्र किया है। किसी प्रधानमंत्री ने शायद यह भी पहली बार कहा है कि यदि एक सांप्रदायिक वृत्तांत गढऩे की कोशिश न की गई होती और मुसलमानों के रहनुमा बनकर अपने खेमे में बांधे रखने की सियासत नहीं की गई होती, तो ये दोनों दौर उतने भयावह न होते! उप्र के मुख्यमंत्री के तौर पर मुलायम सिंह को 'रामसेवकों' पर गोलियों की बौछार नहीं करनी पड़ती! प्रधानमंत्री ने तीन तलाक से लेकर शाहबानो तक के संदर्भ भी उठाए हैं। 'सच्चर कमेटी' के निष्कर्षों का भी जिक्र किया, लेकिन रंगनाथ मिश्रा आयोग का हवाला देने भूल गए अथवा उसे जरूरी नहीं समझा। उसी आयोग ने अनुशंसा की थी कि धार्मिक आधार पर भी आरक्षण दिया जा सकता है। मुसलमानों को अल्पसंख्यक के तौर पर 15 फीसदी में से 10 फीसदी आरक्षण दिया जाए। आयोग ने ओबीसी आरक्षण में से मुसलमानों को आरक्षण मुहैया कराने का भी रास्ता सुझाया था। बहरहाल संसद ने इस आयोग की सिफारिशें पारित नहीं होने दीं। दरअसल आज यह सवाल नहीं, बल्कि हकीकत है कि औसत मुसलमान को गरीबी, अशिक्षा, बदहाली और भुखमरी ही मिली। अब आम चुनाव में मुस्लिम आरक्षण के जरिए वोट बैंक को भुनाने की सियासी कवायद जारी है, जिसके पलटजवाब में प्रधानमंत्री मोदी को अपने दलित, आदिवासी और ओबीसी समर्थक जमातों को विश्वास दिलाना पड़ रहा है कि मोदी मुस्लिम आरक्षण लागू नहीं होने देगा। सारांश यह है कि मौजूदा दौर 'मुस्लिममय' हो गया है और हिंदू-मुस्लिम में विभाजित चुनाव हो गया है, लिहाजा प्रधानमंत्री को 'आत्ममंथन' करने की मनुहार तक करनी पड़ी है। इससे चुनाव के रुझान बदलने वाले नहीं हैं, क्योंकि करीब 90 फीसदी मुसलमान, गोधरा दंगों के दौर से, मोदी और भाजपा के प्रति कट्टर पूर्वाग्रही हो गए हैं।

कुत्सित राजनीति के माध्यम से भारत की जनता के मानस में ऐसे बीज बोने का ही काम करते हैं

लोकसभा चुनाव के दौरान रंग भेद की राजनीति

सुरेश हिंदुस्तानी

राजनेताओं के बयान सुनकर ऐसा लगने लगता है कि ये अपनी हदों को पार कर करने लगे हैं। अभी हाल ही में कांग्रेस के नेता सैम पित्रोदा के बयान की मीमांसा की जा रही है। इसके तारतम्य यही है कि इस नेता ने भारत में भेद पैदा करने के प्रयास किए हैं, जो कभी सफल नहीं होने चाहिए। भारत में जिस प्रकार से सामाजिक विघटन की राजनीति की जा रही है, उससे समाज की शक्ति का लगातार पतन ही हुआ है। कभी तुष्टिकरण तो कभी वोट बैंक की राजनीति के बहाने सामाजिक एकता की राह में अवरोध पैदा करने के प्रयास किये गए, जिसके कारण समाज के कई हिस्से अलग अलग दुकान खोलकर बैठ गए और इसकी आज की राजनीति ने इसे मुंह मांगा इनाम भी दिया।

लोकसभा चुनाव के दौरान राजनेताओं के बयान सुनकर ऐसा लगने लगता है कि ये अपनी हदों को पार कर करने लगे हैं। अभी हाल ही में कांग्रेस के नेता सैम पित्रोदा के बयान की मीमांसा की जा रही है। इसके तारतम्य यही है कि इस नेता ने भारत में भेद पैदा करने के प्रयास किए हैं, जो कभी सफल नहीं होने चाहिए। भारत में जिस प्रकार से सामाजिक विघटन की राजनीति की जा रही है, उससे समाज की शक्ति का लगातार पतन ही हुआ है। कभी तुष्टिकरण तो कभी वोट बैंक की राजनीति के बहाने सामाजिक एकता की राह में अवरोध पैदा करने के प्रयास किये गए, जिसके कारण समाज के कई हिस्से अलग अलग दुकान खोलकर बैठ गए और इसकी आज की राजनीति ने इसे मुंह मांगा इनाम भी दिया। जिसके कारण भारतीय समाज के बीच जो विविधता की एकता को दर्शाने वाली परंपरा रही, उसकी जड़ों में मट्ठा डालने का अनवरत प्रयास किया गया। यह सभी जानते हैं कि जिस देश का समाज कम से कम राष्ट्रीय मामलों पर एक स्वर व्यक्त करता है, वहां किसी भी प्रकार की सामाजिक बिखराव के प्रयास धूमिल ही होते है। लेकिन कुछ राजनीतिक दलों को यह सामाजिक एकता अच्छी नहीं लगती, इसलिए वह अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो वाली नीति अपनाते हुए ही अपनी राजनीति करते हैं। ऐसे लोगों को भारत की सांस्कृतिक एकता खटकती है। ऐसे लोग कुत्सित राजनीति के माध्यम से भारत की जनता के मानस में ऐसे बीज बोने का ही काम करते हैं, जो प्रथम दृष्टया विभाजनकारी ही कहे जा सकते हैं। ऐसे बयानों पर पूरी तरह से रोक लगनी चाहिए। क्योंकि यह विचार देश का भला नहीं कर सकता। अगर ऐसा विचार लेकर कोई राजनीतिक दल राजनीति करता है तो उसकी प्रासंगिकता पर भी सवाल हो सकते हैं। राजनीतिक दलों ने अपना स्वार्थ साधने के लिए पूर्व और पश्चिम को अलग पहचान के रूप में प्रचारित करने में जोर लगाया, तो वहीं उत्तर और दक्षिण के लोगों के मन में नफ़रत की दरार को और ज्यादा चौड़ा किया। जबकि हमारे देश के नायकों ने एक भारत के रूप में स्वतंत्रता प्राप्त की। आज की राजनीति को देखते हुए यही कहा जा सकता है कि उनके सपनों को पूरा करने का ईमानदारी से प्रयास नहीं किया जा रहा। इसी कारण कहीं जातिवाद को हवा दी रही है तो कहीं तुष्टिकरण का प्रयास किया जा रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि हमारे राजनीतिक दल समाज को एक करने की दिशा में कदम उठाएं। इससे समाज

का तो भला होगा ही, देश भी मजबूत होगा। वर्तमान में कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने अस्तित्व बरकरार रखने के जिस प्रकार का परिश्रम किया जा रहा है, वह निसंदेह आवश्यक भी था, लेकिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पिछले दो चुनावों की तरह इस बार भी पार्टी के इस अभियान को पलीता लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में शामिल विदेशी अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने जो बयान दिया है, उसे अनजाने में दिया बयान समझकर खारिज नहीं किया जा सकता, क्योंकि सैम पित्रोदा कांग्रेस नेताओं के बहुत ख़ास रहे हैं। यहां तक कि राहुल गांधी के विदेशी दौरे भी यही प्रबंधित करते हैं। सैम पित्रोदा ने जो बयान दिया है, उससे भारत की कांग्रेस ने भले ही किनारा कर लिया हो, लेकिन विदेशों में सैम पित्रोदा भारत को किस रूप में प्रस्तुत करते होंगे, इस बात का सहज़ अनुमान लगाया जा सकता है। सैम पित्रोदा के बयान का आशय यह भी निकाला जा सकता है कि वे भारत को एक देश के रूप में नहीं देख सकते। उनकी नजरों में शायद भारत की चारों दिशाओं में अलग अलग देश दिखाई देते हैं। कुछ ऐसे ही बयानों के कारण कांग्रेस अपने अस्तित्व से जूझ रही है। कुछ इसी प्रकार के बयान कांग्रेस के अन्य नेता भी देते रहे हैं। एक बार मैंने अपने एक लेख में लिखा था, जिसका उल्लेख अन्य लेखक भी कर चुके हैं कि कांग्रेस प्रधानमंत्री मोदी का विरोध करते करते अनजाने में देश का विरोध करने लगती है। हालांकि कांग्रेस नेताओं का आशय देश विरोध का नहीं होगा, लेकिन सवाल यह है कि कांग्रेस के नेता ऐसे बयान देते ही क्यों हैं, जिसका एक अर्थ ऐसा भी निकलता है, जिससे देश का विरोध होने का संकेत मिलता है। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा कांग्रेस के लिए कोई छोटा नाम नहीं है। वे कांग्रेस के मुख्य कर्ता धर्ताओं में गिने जाते हैं। हालांकि चुनाव में उनके बयान का विपरीत प्रभाव न हो, इसलिए सैम पित्रोदा का इस्तीफ़ा देना एक राजनीतिक कदम भी हो सकता है। अगर सैम पित्रोदा का इस्तीफ़ा लेना ही था तो उनके पहले दिए बयानों पर भी तो लिया जा सकता था। लेकिन कांग्रेस ने ऐसा नहीं किया। इससे कांग्रेस की सोच का पता चलता है और बैठे ठाले ही कांग्रेस ने भाजपा को एक और मुद्दा दे दिया। सैम पित्रोदा के बयान ने कांग्रेस की एक बार फिर से फ़जीहत करा दी। राहुल गांधी के इर्द गिर्द राजनीति करने वाले कांग्रेस के बड़े नेताओं के पलायन करने के बाद भी अगर शीर्ष नेतृत्व इस बात से अनभिज्ञ है कि कांग्रेस की ऐसी दुर्दशा क्यों हो रही है? तो स्वाभाविक ही है कांग्रेस को अपनी पिछली दो शर्मनाक पराजय का बोध भी नहीं हो सकता। अभी तक के राजनीतिक इतिहास में अपने सबसे बड़े दुर्दिनों का सामना कर रही कांग्रेस पार्टी समूहों में विभाजित होकर अवनति के मार्ग पर बेलगाम बढ़ती जा रही है। यह समस्याएं उसकी खुद की देन हैं। इसलिए यह कहा जा सकता है कि वर्तमान में कांग्रेस की राजनीति में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। इसके पीछे बहुत सारे कारण हो सकते हैं, लेकिन सबसे बड़ा कारण यह भी माना जा रहा है कि आज की कांग्रेस में स्पष्ट दिशा और स्पष्ट नीति का अभाव सा पैदा हो गया है। उसके जिम्मेदार नेताओं को यह भी नहीं पता कि कौन से मुद्दे पर राजनीति की जानी चाहिए और किस पर नहीं। इसी कारण कांग्रेस का जो स्वरूप दिखाई दे रहा है, वह अविश्वसनीयता के घेरे में समाता जा रहा है। यह स्थिति जहां एक ओर कांग्रेस के वरिष्ठ नेतृत्व के प्रति अनास्था की धारणा को जन्म देने वाला कहा जा सकता है, वहीं यह भी प्रदर्शित कर रहा है कि राहुल गांधी युवाओं को आकर्षित करने में असफल साबित हुए हैं। इसमें उनकी अनियंत्रित बयानबाजी भी कारण है। हम जानते हैं कि कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक बार नहीं, बल्कि कई बार झूठे बयान दिए हैं, जिसमें वे माफी भी मांग चुके हैं। यह बात सही है कि झूठ के सहारे आम जनता को भ्रमित किया जा सकता है, लेकिन जब सत्य सामने आता है, तब उसकी कलई खुल जाती है। सबसे बड़ी विसंगति तो तब बनती है, जब अपने नेता के बयान को कांग्रेस के अन्य नेता समर्थन करने वाले अंदाज में निरर्थक रूप से पुष्ट करने का असफल प्रयास करते हैं। ऐसे प्रयासों से भले ही यह भ्रम पाल ले कि उसने केन्द्र सरकार को घेर लिया, लेकिन वास्तविकता यही है कि इसके भंवर में वह स्वयं ही फंसी नजर आती है।

दृष्टि कोण

क्या कहते हैं जीएसटी के आंकड़े?

कुछ समय से जीएसटी की बढ़ती प्राप्तियां देश की आर्थिकी में चर्चा का विषय बनी हुई हैं। एक मई 2024 को जारी आंकड़ों के अनुसार देश में जीएसटी प्राप्तियां पहली बार 2 लाख करोड रुपए को लांघती हुई 2.10 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई हैं। पिछले साल के इस माह की तुलना में यह 12.4 प्रतिशत की वृद्धि है। लेकिन यदि रिफण्ड देने के बाद जीएसटी राशि की बात की जाए, तो यह अप्रैल 2024 में 1.92 लाख करोड़ रुपए है, जो अप्रैल 2023 की तुलना में 15.5 प्रतिशत की वृद्धि दिखाता है। यूं तो जीएसटी के प्रारंभ से ही, इसकी प्राप्तियों में निरंतर वृद्धि होती रही है, लेकिन वर्ष 2023-24 में जीएसटी की प्राप्तियां 20.18 लाख करोड़ रुपए की रही, जो वर्ष 2022-23 के 18.1 लाख करोड़ रुपए से 11.7 प्रतिशत अधिक थी। गौरतलब है कि 2022-23 की प्राप्तियां 2021-22 से 22 प्रतिशत अधिक थी। गौरतलब है कि जुलाई 2017 में देश के अधिकांश अप्रत्यक्ष करों (वस्तुओं व सेवाओं पर कर) को समाप्त करते हुए, उसके स्थान पर जीएसटी लगाया गया था। यह जीएसटी केंद्र और राज्यों को बीच बराबर बांट दिया जाता है। उसके अलावा वित्त आयोग की सिफारिश के अनुसार केंद्र के द्वारा लगाए गए करों का एक निश्चित प्रतिशत (जो वर्तमान में 42 प्रतिशत है), राज्यों को स्थानांतरित करने का प्रावधान है। इसके अनुसार भी राज्यों को जीएसटी का एक बड़ा हिस्सा मिलता है। जीएसटी के विभिन्न हिस्सों को यदि समझने का प्रयास करें तो अप्रैल 2024 में 2.1 लाख करोड़ रुपए की कुल जीएसटी प्राप्तियों में सेंट्रल जीएसटी 43846 करोड़ रुपए, स्टेट जीएसटी 53538 करोड़ रुपए, इंटीग्रेटिड जीएसटी 99623 करोड़ रुपए, जिसमें 37826 करोड़ रुपए आयातित वस्तुओं पर जीएसटी से प्राप्त हो रहा है। इसके अलावा 13260 करोड़ रुपए उपकर (सेस) के रूप में प्राप्त हुए, जिसमें 1008 करोड़ रुपए आयातित

वस्तुओं पर उपकर से प्राप्त हुए। जीएसटी वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन पर लगता है। इसकी खासियत यह है कि यह उत्पादन प्रक्रिया में हर बार के मूल्य संवद्र्धन यानी वैल्यू एडीशन पर लगता है। स्वाभाविक है कि देश में जैसे-जैसे वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन बढ़ता है, जीएसटी की दर समान रहने पर भी जीएसटी की प्राप्तियां बढ़ जाती हैं। कोविड के बाद पिछले कुछ वर्षों में जीडीपी ग्रोथ न केवल पहले से बेहतर हुई है, बल्कि बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत लगातार सबसे तेजी से बढऩे वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है। वर्ष 2021-22 में जीडीपी ग्रोथ 9.1 प्रतिशत, 2022-23 में 7 प्रतिशत रिकॉर्ड की गई। वर्ष 2023-24 के लिए अग्रिम अनुमानों के अनुसार 7.6 प्रतिशत जीडीपी ग्रोथ का अनुमान लगाया गया है। इस ग्रोथ में सभी क्षेत्रों का योगदान रहा। पिछले कुछ वर्षों में औद्योगिक ग्रोथ की दर बढ़ी है। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक अप्रैल 2021 में 126.1 की तुलना में जनवरी 24 तक 153.0 तक पहुंच गया है। सेवा क्षेत्र में भी उल्लेखनीय ग्रोथ देखने को मिल रही है। औद्योगिक और सेवा क्षेत्र की ग्रोथ के चलते जीएसटी की प्राप्तियां बढऩा अस्वाभाविक नहीं है। चूंकि जीएसटी वस्तुओं के मूल्य पर लगता है, यह मात्र वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन बढऩे से ही नहीं, बल्कि मुद्रास्फीति, यानी कीमतों में वृद्धि के कारण भी बढ़ता है। पिछले तीन वर्षों में देश में मुद्रास्फीति की दर में भी वृद्धि हुई है। यह वृद्धि घरेलू कारणों से कम, विदेशी कारणों से ज्यादा हुई है। अमरीका, यूरोप समेत दुनिया के अधिकांश मुल्क मुद्रास्फीति से जूझ रहे हैं। लेकिन कारण जो भी हो, मुद्रास्फीति भी कुछ मात्रा में जीएसटी में वृद्धि का कारण बन रही है। भारत में उत्पादन का बहुत बड़ा क्षेत्र अनौपचारिक यानी नॉन-फार्मल रहा है और कुछ हद तक आज भी है। लेकिन पिछले कुछ समय से कुछ स्वाभाविक कारणों से और कुछ हद तक जीएसटी लागू होने से अर्थव्यवस्था का औपचारीकरण बढ़ा है। समझना होगा कि पूर्व की उत्पादन प्रक्रिया पर लगे जीएसटी का क्रेडिट आगामी उत्पादन में तभी मिल सकता है, जब उत्पादन प्रक्रिया में संलग्न सभी घटक जीएसटी में पंजीकृत हों। इस कारण से भी अर्थव्यवस्था का औपचारीकरण बढ़ा है, जिसके चलते जीएसटी की प्राप्तियां भी बढ़ रही हैं। देखा गया है कि जीएसटी की प्राप्तियों में आयात पर लगाए गए कर और उपकर (सेस) भी शामिल हैं। उस दृष्टि से उपकर मिलाकर अप्रैल 2024 में आयात से कुल जीएसटी प्राप्तियां 38834 करोड़ रुपए की हैं।

कुछ अलग

भविष्य पुराण...

दिलीप कुमार अभिनीत फिल्म 'गोपी' में राजेन्द्र कृष्ण के गीत 'रामचंद्र कह गए सिया से ऐसा कलियुग आएगा' पर भविष्य पुराण का कितना असर है, इस बारे कहना कठिन है। गीत में हंस के दाना दुनका चुगने और कौए के मोती खाने का जिक्र तो है, पर गधों और घोड़ों का कहीं उल्लेख नहीं आता। जबकि केन्द्र सरकार के एक प्रभावशाली मंत्री पिछले दिनों अपने सम्बोधन में कह रहे थे कि अजब दौर है कि घोड़ों को घास नहीं मिलता, पर गधे च्यवनप्राश खा रहे हैं। इससे इतना तो तय है कि वह ख़ुद को घोड़ा बता रहे थे। लेकिन वह जिन गधों की तरफ इशारा कर रहे थे, वे सत्ता का भरपूर आनन्द लूट रहे हैं। भविष्य पुराण में न गधों और घोड़ों का जिक्र है और न ही 21वीं सदी का। सत्ता का चरित्र हर युग में एक जैसा ही रहता आया है और आम आदमी की किस्मत भी। भविष्य पुराण के चार पर्वों में शामिल प्रतिसर्ग पर्व में घटनाएं घटित होने के बाद कालान्तर में जोड़ी गई हैं। ऐसे में इसे भविष्य पुराण कहा जाए या अतीत पुराण, इसका फैसला आप ही करें। लेकिन मैं कलियुग के उन लक्षणों का हवाला अवश्य देना चाहूंगा जिसके बारे में श्रीराम ने सीता को बताया था। पंचवटी में सावन की घटाओं का आनन्द उठाते हुए अपनी कुटिया में बैठे प्रभु श्रीराम से जब सिया ने कलियुग के लक्षणों के बारे में पूछा तो प्रभु ने कहा कि घोर कलियुग के दौर में न धर्म बचेगा और न ही कर्म। ऐसे में शर्म होने या आने के सवाल स्वतः समाप्त हो जाएंगे। राजा और प्रजा, दोनों नैतिक रूप से नग्न होकर घूमेंगे। कहने को लोकतंत्र होगा। लोगों को अपना राजा चुनने का अधिकार होगा। पर चुना हुआ राजा तमाम तरह के कुकर्मों पर आंखें मीचे अपने कुकर्मी सामन्तों को अभयदान प्रदान करता रहेगा। कोतवाल बलात्कारियों को सलाम ठोकेंगे। अगर कहीं पकड़े जाने की नौबत आई तो वे राज्य की मदद से विदेश भाग जाएंगे। राजस्व पर हाथ साफ करने वालों को राजा की शरण में जाने पर न केवल अभयदान मिलेगा बल्कि सामन्ती भी प्राप्त होगी। अपने कुकर्मों को छिपाने के लिए राजा मेरे नाम पर वोट मांगेगा। सामन्त राजा के साथ मेरे नाम का कीर्तन करेंगे। राजा अपने फायदे के लिए प्रजा की गैसलाइटिंग करेगा अर्थात मनोवैज्ञानिक तौर पर उसे धोखे में रखते हुए इस तरह भ्रमित करेगा कि प्रजा अपने विचारों और ख़ुद की क़ाबिलियत पर शक करने लगेगी। प्रजा के पेट में रहने वाले कीड़े उसके दिमाग़ में अपना घर बना लेंगे। राजा आत्ममुग्धता का इतना अधिक आदी होगा कि जगह-जगह उसके फोटो वाले होर्डिंग और बोर्ड लगे होंगे। यहां तक कि राज्य द्वारा बनाए जाने वाले सार्वजनिक शौचालयों के बाहर, दरवाज़ों और टॉयलेट पेपर पर भी उसके फोटो चिपके होंगे। अपनी छवि निर्माण के लिए वह झूठ का इस क़दर सहारा लेगा कि झूठ भी 'त्राहिमाम त्राहिमाम' कर उठेगा। अपनी छवि चमकाने के लिए राजा सरकारी मशीनरी से इतना प्रचार करेगा कि कालान्तर में यह अभियान प्रोपेगेंडा या अधिप्रचार में बदल जाएगा। लेकिन इसमें प्रजा भी बराबर की हिस्सेदार होगी। सतयुग से अपने उत्थान के लिए किसी अवतार की परिकल्पना में खोई रहने वाली प्रजा कलियुग में सरकारी सुविधाओं का उपभोग करते हुए अपने कत्र्तव्यों से विमुख रहेगी। अगर मुफ़्त में ज़हर भी बंटेगा तब भी लोग यह सोचकर, उसे लेने के लिए क़तारबद्ध हो जाएंगे कि लेकर रख लेते हैं, कभी न कभी तो यह काम आएगा ही।

देश दुनिया से

केजरीवाल को जमानत

केजरीवाल की इस मामले में संलिप्तता को लेकर अभी प्रवर्तन निदेशालय जाँच कर ही रहा था कि केजरीवाल ने देश की सबसे बडी कचहरी में यही अर्ज़ी लगा दी कि उनका तो शराब घोटाले वाले मामले से कोई सम्बध नहीं है ।उनको बिना किसी कारण से पकड़ लिया गया है ।इसलिए उनके खिलाफ की जा रही जाँच को बन्द करके उन्हें रिहा कर दिया जाए ।बाक़ी उनके वकील इस मामले में ज्यादा तर्क यह भी दे रहे थे कि चुनाव का मौसम है और केजरीवाल दिल्ली के निर्वाचित मुख्यमंत्री भी हैं , इसलिए और नहीं तो उनके मुवक्किल को चुनाव में प्रचार करने के लिए ही छोड़ दिया जाए ।सबसे बडी कचहरी को उनके वकीलों का यह तर्क मज़ेदार लगा । इसलिए कचहरी ने स्वयं ही सुझाव दिया कि इसके लिए अंतरिम ज़मानत के लिए अर्ज़ी लगाओ तो देखते हैं ।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल शराब घोटाले में जेल में थे । वे इधर उधर सभी प्रकार के न्यायालयों में ज़मानत के लिए अर्ज़ी लगा रहे थे । जब जेल में दिल का दौरा पड़ने से मुख़्तार अंसारी की मौत हुई और उसके रिश्तेदारों ने कहना शुरू कर दिया कि जेल में उन्हें ज़हर दिया गया था , तो केजरीवाल ने भी कहना शुरु कर दिया था कि उन्हें भी जेल में ज़हर ही दिया जा रहा है ।लेकिन उन्हें कचहरी से राहत नहीं मिली ।उनके दो और साथी इसी शराब घोटाला मामले में साल भर से भी ज्यादा समय से जेल में हैं । लाख अर्ज़ियाँ लगाने के वाबजूद उन्हें ज़मानत नहीं मिली । केजरीवाल की इस मामले में संलिप्तता को लेकर अभी प्रवर्तन निदेशालय जाँच कर ही रहा था कि केजरीवाल ने देश की सबसे बडी कचहरी में यही अर्ज़ी लगा दी कि उनका तो शराब घोटाले वाले मामले से कोई सम्बध नहीं है । उनको बिना किसी कारण से पकड़ लिया गया है । इसलिए उनके खिलाफ की जा रही जाँच को बन्द करके उन्हें रिहा कर दिया जाए ।बाक़ी उनके वकील इस मामले में ज्यादा तर्क यह भी दे रहे थे कि चुनाव का मौसम है और केजरीवाल दिल्ली के निर्वाचित मुख्यमंत्री भी हैं , इसलिए और नहीं तो उनके मुवक्किल को चुनाव में प्रचार करने के लिए ही छोड़ दिया जाए । सबसे बडी कचहरी को उनके वकीलों का यह तर्क मज़ेदार लगा । इसलिए कचहरी ने स्वयं ही सुझाव दिया कि इसके लिए अंतरिम ज़मानत के लिए अर्ज़ी लगाओ तो देखते हैं ।अब अर्ज़ी लगाने में भला कितनी देर लगती । तब अर्ज़ी पर बहस शुरु हुई । दोनों ओर से वकील कचहरी में डट गए । केजरीवाल के वकीलों का तो तर्क वही था कि 'लोगों के चुने हुए मुख्यमंत्री' जेल में हैं और चुनाव का मौसम है ।केजरीवाल जेल से बाहर न निकाले गए तो देश में लोकतंत्र और संविधान दोनों ख़तरे में पड जायेंगे ।यहाँ तक कहा गया कि केजरीवाल को तो पकड़ा ही इसलिए गया है ताकि वे प्रचार न कर सकें ।बाक़ी शराब घोटाला तो बहाना है ।इतना ही नहीं , प्रवर्तन निदेशालय की हिमाक़त तो देखें कि केजरीवाल को तब पकड़ा गया जब देश में आदर्श चुनाव संहिता लागू हो चुकी थी ।वैसे ये तर्क सुन कर देश का आम आदमी तो सिर पीट रहा था ।अभी तक तो यही माना जा सकता था कि चुनाव संहिता के दिनों में सरकार कोई ऐसा काम नहीं कर सकती , जिस से मतदाताओं को प्रभावित किया जा सके ।लेकिन अब यह भी कहा जा रहा था चुनाव संहिता के दिनों में किसी तथाकथित अपराधी को भी गिरफ्तार भी नहीं किया जा सकता ।बस एक ही रट थी कि देश में लोकतंत्र की प्राण प्रतिष्ठा केजरीवाल के बाहर आने से ही हो सकती है ।सरकारी वकील यह सब सुन सुन कर दाँतों तले उँगलियाँ चबा रहे होंगे ।सरकारी वकील गा कहना था कि केस सुनते समय और न्याय करते समय तथाकथित अपराधियों में भेदभाव नहीं करना चाहिए ।इस प्रकार तो जेल में बन्द हर विचाराधीन व्यक्ति को कोई न काम लगा ही रहेगा ।उदाहरण के लिए किसान कहेगा , हजूर बिठाई गा समय आ गया है ।महीना भर में चला जाएगा ।इसलिए दस दिन के लिए ज़मानत दे दें , गेहूँ बीज कर वापिस आ जाऊँगा ।जितना जरुरी चुनाव में प्रचार करना है , शायद उससे भी ज्यादा जरुरी खेत में गेहूँ बोना है ।वैसे भी राजनीतिज्ञों के तो मज़े लग जाँएगे ।चुनाव तो पाँच साल चला ही रहता है ।जैसे केजरीवाल साल भर से ईडी को कह ही रहे थे ,सअपने समन सम्भाल कर रखो , मुझे पाँच राज्यों के चुनाव में प्रचार करना है ।चुनाव निकल गया तो ईडी ने फिर समन भेजने शुरू कर दिए तो केजरीवाल ने फिर झिड़क दिया कि आपको शराब घोटाला की पड़ी है , इधर राज्य सभा के चुनाव सिर पर मँडरा रहे हैं ।

ईडी फिर हाथ मलती रही ।ईडी ने कहा भी कि भाई , आपको अपराधी कौन कह रहा है , आप आ कर जाँच में शामिल हो जाएँ , ताकि पता तो चले कि शराब घोटाला का मामला कैसे हुआ ।लेकिन केजरीवाल तो पैरों पर पानी नहीं पड़ने दे रहे थे । कभी कहने लगे सवाल लिख कर भेज दो ,सिफ़र देख लेंगे । कभी कहने लगे वर्चुअल पूछ लो ।ईडी परेशान कि यदि हर व्यक्ति ईडी को ही बताने लगे कि जाँच कैसे करनी है तब तो किसी केस की जाँच हो ही नहीं सकती ।केजरीवाल की इसी ड्रामेबाज़ी के चलते लोक सभा के चुनाव आ गए ।तब ईडी को लगा कि कोई न कोई चुनाव तो होते रहेंगे और केजरीवाल उसी की आड लेकर जाँच का सामना करने से बचते रहेंगे । पानी सिर के ऊपर तक ही आ गया था । तब ईडी ने केजरीवाल को एक और समन भेजा और इस बार उसने और रास्ता निकाला कि इस बात का इंतज़ार न किया जाए कि वे जाँच में शामिल होने के लिए आते हैं या नहीं ।इसलिए उनके घर जाकर ही पूछताछ कर ली जाए ।जब ईडी के अधिकारी उनके घर पूछताछ करने पहुँचे तो उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने ईडी अधिकारियों को घर के अन्दर जाने से रोकने की कोशिश भी की।लेकिन अन्ततः पिछले कई महीनों के संघर्ष के बाद केजरीवाल ईडी के सामने थे ।

आप का नजरिया

75 सीटों पर हो गया है दिलचस्प सीन

आम चुनाव अब अपने सेकंड हाफ में पहुंच गया है। ऐसे में अब सियासत बस चुनाव प्रचार तक सीमित नहीं रह गई है। तमाम राजनीतिक दल 4 जून की संभावित सियासी तस्वीर को समझने और decode करने में जुट गए हैं। हालांकि पक्ष-विपक्ष, दोनों पूरे आत्मविश्वास से यही बताने में लगे हैं कि अभी तक हुई वोटिंग उनके पक्ष में जाती दिख रही है। लेकिन सियासत में कई अनकहे सवालों के बीच ही आने वाले कल के भी संकेत छुपे होते हैं। चार चरणों के चुनाव के बाद जिस एक बात पर सभी सहमत हैं, वह है कि वोटिंग ने सभी का गणित बिगाड़ दिया है। इसके चलते इस बार चुनाव में बूथ मैनेजमेंट सबसे अहम फैक्टर हो गया है। बिना लहर वाले सामान्य चुनाव में वोटिंग ट्रेंड बहुत ही नियमित है। यह भी तय है कि इसमें 2019 के मुकाबले कुछ गिरावट तो होगी ही। चार राउंड के बाद दल यह तय कर रहे हैं कि किसका वोटर कम निकला है। सभी दलों में समीक्षा करने का भी दौर तेज है। हर उस जगह से फीडबैक लिए जा रहे हैं। कई सीटों पर अपेक्षाकृत कम वोट पड़े हैं तो कुछ जगहों पर उम्मीद से अधिक। पूरा सीन तो 4 जून को नतीजे के आने के बाद ही साफ होगा, लेकिन सभी इस बारे में अपने-अपने हिसाब से अर्थ तो निकाल ही रहे हैं। वोटिंग ट्रेंड का नजदीकी आकलन कर रहे समीक्षकों के अनुसार, इस बार बहुत ही अलग बात सामने आ रही है। एक ही संसदीय क्षेत्र में अलग-अलग विधानसभा से लेकर गांव-शहरी क्षेत्रों वाले इलाके में वोटिंग में बड़ा अंतर देखा जा रहा है। स्वाभाविक ही, इसका राजनीतिक संदेश बदल जा रहा है। कुछ इलाकों में BJP ने माना कि उसके मजबूत इलाकों में अधिक वोटिंग हुई, तो कहीं इसका उलटा होने का भी दावा किया गया है। ऐसे ही दावे विपक्षी दलों की ओर से किए जा रहे हैं। जाहिर है वोटिंग ट्रेंड ने आम चुनाव की जंग कांटे की बना दी है। जानकारों के अनुसार, नजदीकी मुकाबले में जो राजनीतिक दल अपने-अपने वोटरों को बूथ तक भेजने में सफल होगा, वह अधिक लाभ में रहेगा। खासकर ऐसे मुकाबले में, जहां पिछले दो चुनावों से जीत-हार का अंतर मामूली रहा है। 2019 के आम चुनाव में लगभग 75 ऐसी लोकसभा सीटें थीं, जहां टक्कर एकदम कांटे की थी। इन सीटों पर जीत-हार का अंतर 20 हजार से भी कम वोटों का था। कम वोटिंग होने से ऐसी सीटों पर बहुत असर पड़ेगा और परिणाम किसी भी तरफ झुक सकता है। आमतौर पर अधिक वोटिंग होने से ऐसा संदेश जाता है कि यह परिवर्तन के लिए उमड़ी भीड़ है जबकि वोटिंग में उदासीनता बताती है कि वोटरों में इसके प्रति उत्साह नहीं, जिसे सत्ता पक्ष अपने लिए उम्मीद के रूप में देखता है। हाल के दिनों में तमाम दूसरे चुनावों को देखें तो हर चुनाव में वोटिंग में औसतन सात से दस फीसदी की वृद्धि होती रही है। ऐसे में इन दोनों ट्रेंड के बीच भी कई बार उलटे परिणाम देखने को मिले। इस बार कई राज्यों में वोटिंग 2014 के मुकाबले या तो कम हुई या लगभग उसी अनुरूप हुई। यही कारण है कि पिछले कुछ दिनों से सभी राजनीतिक दलों ने वोटिंग के बाद अपनी रणनीतिक मीटिंग की और ग्राउंड से फीडबैक लिया। अब वोटिंग मूल रूप से हिंदी भाषी क्षेत्रों और शहरी इलाकों में होगी।

पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन मामले में कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला, हलफनामा दाखिल करने का दिया समय

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां) ।

पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अवमानना याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को व्यक्तिगत पेशी से छूट दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि को हलफनामा दाखिल करने के लिए समय भी दिया है। इस हलफनामे में पतंजलि को यह बताना है कि उसने भ्रामक विज्ञापनों और उन दवाओं को वापस लेने के लिए क्या कदम उठाए हैं, जिनके लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं।

भ्रामक विज्ञापन पर सेलिब्रिटी के खिलाफ भी होगी कार्रवाई – जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने बीती 7 मई को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि अगर लोगों को प्रभावित करने वाले किसी प्रोडक्ट या सर्विस का विज्ञापन भ्रामक पाया जाता है तो इसके लिए सेलिब्रिटीज और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स को भी समान रूप से जिम्मेदार ठहराया जाए। आईएमए ने अपनी याचिका में कहा है कि पतंजलि ने कोविड वैक्सीनेशन और एलोपैथी के खिलाफ नकारात्मक प्रचार किया। याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा पतंजलि भ्रामक दावे करके देश को धोखा दे रही है कि उसकी दवाएं कुछ बीमारियों को ठीक कर देंगी, जबकि इसका कोई ठोस प्रमाण नहीं है। हालांकि कोर्ट के आदेश बावजूद पतंजलि की तरफ से प्रिंट मीडिया में कथित भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित कराए गए। इस पर 3 जनवरी 2024 को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही करने को लेकर बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को नोटिस जारी किया।

कोर्ट ने पतंजलि को अखबारों में माफीनामा प्रकाशित करने का दिया था निर्देश – अवमानना नोटिस जारी करने के बावजूद बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण की तरफ से जवाब नहीं दिया गया। इस पर कोर्ट ने दोनों को सुनवाई के दौरान व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया। बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने माफीनामा जारी किया, लेकिन कोर्ट ने माफीनामा खारिज कर दिया। 6 अप्रैल 2024 को कोर्ट ने अखबारों में माफीनामा प्रकाशित करने का निर्देश दिया।

न्यूज ब्रीफ

आईटीआर फाइल करने से आसानी से मिलता है लोनः सालाना इनकम ढाई लाख से कम तब भी भरें इनकम टैक्स रिटर्न

नई दिल्ली। साल 2023-24 के लिए 31 जुलाई तक इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करना है। कई लोगों का मानना है कि अगर उनकी सालाना इनकम ढाई लाख से कम है और वो टैक्स के दायरे में नहीं आते हैं तो उन्हें आईटीआर भरने की जरूरत नहीं है, लेकिन ऐसा नहीं है। अगर आप इनकम टैक्स के दायरे में नहीं भी आते हैं तब भी आपको रिटर्न फाइल करना चाहिए, क्योंकि अगर आप आईटीआर फाइल करते हैं तो इससे आपको कई फायदे होते हैं। आईटीआर फाइल करने से लोन मिलने में आसानी होती है। इसके अलावा ये वीजा के लिए भी जरूरी होता है। हम आपको आईटीआर फाइल करने के 5 फायदों के बारे में बता रहे हैं। 1. लोन मिलने में आसानी आईटीआर आपकी इनकम का प्रूफ होता है। इसे सभी बैंक और एनबीएफसी इनकम प्रूफ के तौर पर स्वीकार करते हैं। अगर आप बैंक लोन के लिए आवेदन करते हैं तो बैंक कई बार आईटीआर मांगते हैं। अगर आप नियमित तौर पर आईटीआर फाइल करते हैं तो आपको बैंक से आसानी से लोन मिल जाता है। इसके अलावा आप किसी भी फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन से लोन के अलावा दूसरी सेवाएं भी आसानी से हासिल कर सकते हैं। 2. वीजा के लिए जरूरी अगर आप किसी दूसरे देश में जा रहे हैं तो वीजा के लिए जब आप आवेदन करते हैं तो आपसे इनकम टैक्स रिटर्न मांगा जा सकता है। कई देशों की वीजा अथॉरिटीज वीजा के लिए 3 से 5 साल का आईटीआर मांगते हैं। आईटीआर के जरिए वे चेक करते हैं कि जो आदमी उनके देश में आना चाहता है कि उसका फाइनेंशियल स्टेटस क्या है। 3. टैक्स रिफंड क्लेम करने के लिए अगर आपकी आमदनी से टैक्स काटकर सरकार के पास जमा करा दिया गया है तो आप आईटीआर फाइल किए बिना उसे वापस नहीं पा सकते, भले ही आपकी आमदनी इनकम टैक्स के दायरे में नहीं आती हो। आपको अगर टैक्स रिफंड क्लेम करना है तो इसके लिए आईटीआर दाखिल करना जरूरी है। आप जब आईटीआर दाखिल करते हैं तो इनकम टैक्स डिपार्टमेंट उसका असेस्मेंट करता है। आपका अगर रिफंड बनता है तो वह सीधे बैंक अकाउंट में क्रेडिट कर दिया जाता है। 4. आईटीआर रसीद एड्रेस प्रूफ के रूप में भी आती है काम आईटीआर रसीद आपके पंजीकृत पते पर भेजी जाती है, जो एड्रेस प्रूफ के रूप में काम कर सकती है। इसके अलावा यह आपके लिए इनकम प्रूफ का भी काम करती है। 5. घाटे को कैरी फॉरवर्ड करना रहता है आसान अगर आप शेयर या म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं और आपको घाटा होता है तो घाटे को अगले साल कैरी फारवर्ड कराने के लिए निर्धारित समय सीमा में इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करना जरूरी है, क्योंकि अगले साल आपको अगर कैपिटल गेन होता है तो यह घाटा इस फायदे से एडजस्ट होगा और आपको लाभ पर टैक्स छूट का फायदा मिल सकता है।

डाटा की बढ़ रही खपत, 24 करोड़ घरों को ब्रॉडबैंड सेवाओं से जोड़ने के लिए 4.2 लाख करोड़ की जरूरत

नई दिल्ली। देश के 24 करोड़ घरों को अगले छह साल में यानी 2030 तक तेज रफ्तार वाली ब्रॉडबैंड सेवाओं से जोड़ने के लिए 4.2 लाख करोड़ रुपये के भारी निवेश की जरूरत होगी। ईवाई ग्लोबल के दूरसंचार क्षेत्र के प्रमुख एवं भागीदार प्रशांत सिंघल ने ब्रॉडबैंड इंडिया फोरम के सम्मेलन में इसका ब्योरा देते हुए कहा, फाइबर बिछाने पर 2.7-3 लाख करोड़ रुपये, बुनियादी ढांचे पर 90,000-96,000 करोड़, वाईफाई एवं इन-बिल्डिंग समाधान पर 6,600-9,000 करोड़ रुपये, डाटा सेंटर पर 9,700-14,100 करोड़ रुपये और उपग्रह ब्रॉडबैंड सेवाओं पर 26,000-29,000 करोड़ रुपये का निवेश करना होगा। चार करोड़ घरों में ही सुविधा सिंघल ने कहा, भारत में अभी चार करोड़ घर से ब्रॉडबैंड से जुड़े हैं।इनमें शहरी इलाकों में ब्रॉडबैंड की पहुंच 3.6 करोड़ घरों तक है। ग्रामीण क्षेत्रों में 30 लाख कनेक्शन हैं। इन्हें 2030 तक क्रमशः 10 करोड़ और 15.3 करोड़ घरों तक पहुंचाने की जरूरत है। बढ़ती डाटा खपत के लिए मौजूदा ढांचा पर्याप्त नहीं ब्रॉडबैंड इंडिया फोरम के अध्यक्ष टीवी रामचंद्रन ने कहा, देश में फिक्स्ड ब्रॉडबैंड का मौजूदा ढांचा डाटा की बढ़ती खपत के साथ तालमेल नहीं बिठा सकता है। छह साल में फिक्स्ड ब्रॉडबैंड कनेक्शन में 20 फीसदी की न्यूनतम वार्षिक वृद्धि दर हासिल करनी होगी।

थोक महंगाई दर 13 महीने के उच्चतम स्तर पर,अप्रैल महीने में 1.26 प्रतिशत हुआ आंकड़ा

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां) ।

थोक महंगाई दर अप्रैल महीने में सालाना आधार पर 13 महीने के उच्चतम स्तर 1.26 प्रतिशत पर पहुंच गई। मार्च में यह 0.53 प्रतिशत थी। वाणिज्य मंत्रालय ने मंगलवार को इससे जुड़े आंकड़े जारी किए। जानकारों ने थोक महंगाई दर 1 प्रतिशत पर रहने का अनुमान जताया था। थोक महंगाई दर में यह इजाफा खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि के कारण है।

आलू-प्याज की थोक कीमतों में इजाफा

अप्रैल महीने में प्याज की कीमतों की वृद्धि दर 59.75 प्रतिशत रही जो मार्च महीने में 56.99 प्रतिशत थी। वहीं आलू के मामले में कीमतों की वृद्धि दर 71.97 प्रतिशत रही, मार्च महीनें में यह 52.96 प्रतिशत थी। एक साल पहले से तुलना करें तो उस दौरान प्याज की कीमतों में 5.54 प्रतिशत की नरमी आई थी, वहीं आलू की कीमतों में 30.56 प्रतिशत का इजाफा हुआ था। खाद्य पदार्थों की थोक महंगाई दर सालाना आधार पर 5.52 प्रतिशत बढ़ी, मार्च महीने में यह 4.7 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। मासिक आधार पर मार्च महीने के 0.95 प्रतिशत की तुलना में इसमें 1.94 प्रतिशत का इजाफा हुआ। सरकार के अनुसार अप्रैल महीने में थोक महंगाई दर में इजाफा मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, बिजली, क्रूड पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस, उत्पादित खाद्य पदार्थों और अन्य उत्पादित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण है।

क्रूड पेटोलियम के थोक भाव भी बढ़े

अप्रैल 2024 में क्रूड पेटोलियम की थोक महंगाई दर पिछले साल के 1.64 प्रतिशत के मुकाबले बढ़कर 4.97 प्रतिशत पर पहुंच गई। प्राथमिक वस्तुओं की थोक महंगाई दर अप्रैल महीने में बढ़कर 5.01 प्रतिशत हो गई, जो पिछले महीनें में 4.51 प्रतिशत थी। प्राथमिक वस्तुओं के अंतर्गत खाद्य पदार्थों, सब्जियों और खनिजों की कीमतें आती हैं।

खुदरा महंगाई दर में आई नरमी

विनिर्मित उत्पादों की कीमतों में 0.42 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि पिछले महीने में इसमें 0.85 प्रतिशत की गिरावट आई थी। ईंधन और बिजली की कीमतों में मार्च में 0.77 प्रतिशत की गिरावट के मुकाबले 1.38 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इससे पहले सांख्यिकी मंत्रालय ने खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े भी जारी किए, जिसके अनुसार खुदरा महंगाई दर सालाना आधार पर 11 महीने के निचले स्तर 4.83 प्रतिशत पर आ आ गई, जबकि पिछले महीने में यह 4.85 प्रतिशत थी।

एआई जॉब मार्केट को सुनामी की तरह प्रभावित कर रहा, आईएमएफ प्रमुख जॉर्जीवा ने यह काम करने पर दिया जोर

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने हाल ही में कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जॉब मार्केट को नाटकीय रूप से बदलने वाली है। उन्होंने कहा कि यह बाजार को सुनामी की तरह प्रभावित कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगले दो वर्षों में, एआई विकसित देशों में 60 प्रतिशत नौकरियों और दुनिया भर में 40 प्रतिशत नौकरियों को प्रभावित कर सकता है। जॉर्जीवा ने इन परिवर्तनों के लिए तैयार होने के महत्व पर जोर दिया। उसने कहा, हमारे पास लोगों को इसके लिए तैयार करने के लिए बहुत कम समय है, इसके लिए व्यवसायों को तैयार करने में बहुत कम समय है। एआई के जरिए हम कितना उत्पादन करते हैं उसे बढ़ा सकते हैं और चीजों को और अधिक कुशल बना सकते हैं। लेकिन यह झूठी जानकारी को भी बढ़ा सकता है और आमदनी के अंतर को व्यापक बना सकता है। उन्होंने एआई का अधिकतम लाभ उठाने के लिए सावधानीपूर्वक प्रबंधन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। जॉर्जीवा ने कहा, अगर हम इसे अच्छी तरह से प्रबंधित करते हैं, तो यह उत्पादकता में जबरदस्त वृद्धि ला सकता है, लेकिन इससे अधिक गलत सूचना और निश्चित रूप से, हमारे समाज में अधिक असमानता भी हो सकती है।

मेलिंडा ने गेट्स फाउंडेशन से दिया इस्तीफा, समझौते के तहत मिलेंगे साढ़े बारह अरब डॉलर

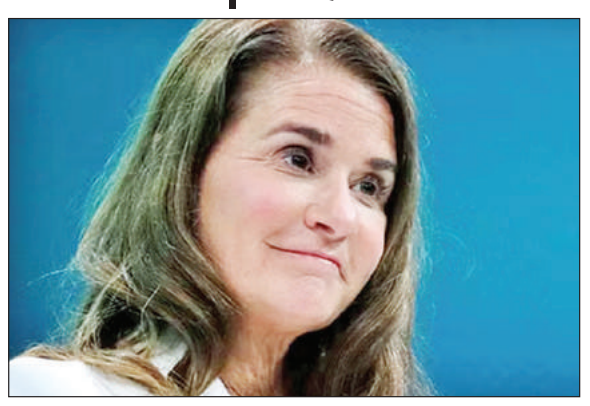

वॉशिंगटन, 14 मई (एजेंसियां) ।

दुनिया के शीर्ष अरबपतियों में शुमार बिल गेट्स की पूर्व पत्नी मेलिंडा गेट्स ने बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन की सह-अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन दुनियाभर में समाज सेवा के काम करती है और आज दुनिया का शीर्ष गैर सरकारी संगठन है। मेलिंडा गेट्स का गेट्स फाउंडेशन में आखिरी दिन 7 जून होगा। मेलिंडा गेट्स ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में दी इस्तीफे की जानकारी मेलिंडा गेट्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर अपने इस्तीफे की जानकारी दी। मेलिंडा ने लिखा कि काफी सोच-विचार के बाद मैंने बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन से इस्तीफा देने का फैसला किया है। फाउंडेशन में मेरा आखिर दिन 7 जून होगा। मेलिंडा ने लिखा कि मैंने और बिल ने मिलकर एक कमाल का संगठन बनाया है, जो दुनियाभर में असमानता से निपट रहा है। मेलिंडा ने अपने पोस्ट में लिखा कि फाउंडेशन इसके सीईओ मार्क सुजमैन के नेतृत्व में मजबूत हाथों में है। मेलिंडा ने लिखा कि अब सही वक्त है, जब मुझे आगे बढ़ना चाहिए और परोपकार के नए अध्याय में दाखिल होना चाहिए। मेलिंडा गेट्स को समझौते के तहत 12.5 अरब डॉलर मिलेंगे। वहीं मार्क सुजमैन ने बताया कि मेलिंडा गेट्स के इस्तीफे के बाद अब बिल गेट्स ही फाउंडेशन के एकमात्र अध्यक्ष होंगे। उन्होंने ये भी बताया कि अब बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेश का नाम बदलकर गेट्स फाउंडेशन किया जाएगा। मेलिंडा गेट्स को समझौते के तहत 12.5 अरब डॉलर मिलेंगे। वहीं मार्क सुजमैन ने बताया कि मेलिंडा गेट्स के इस्तीफे के बाद अब बिल गेट्स ही फाउंडेशन के एकमात्र अध्यक्ष होंगे। उन्होंने ये भी बताया कि अब बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेश का नाम बदलकर गेट्स फाउंडेशन किया जाएगा। साल 2021 में हुआ था बिल और मेलिंडा गेट्स का तलाक मेलिंडा गेट्स के इस्तीफे के बाद बिल गेट्स ने भी सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में मेलिंडा गेट्स को उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया। बिल और मेलिंडा गेट्स ने 27 साल की शादी के बाद साल 2021 में तलाक ले लिया था।

सोना-चांदी खरीदना हुआ और महंगा, सोना 72 हजार और चांदी 85,300 हजार के पार

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां) ।

गिरावट के बाद मंगलवार को सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 72 हजार रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 85,300 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। लेकिन बाद में इनके भाव में सुधार देखा जाने लगा। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 81 रुपये की तेजी के साथ 71,936 रुपये के भाव पर खुला। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 182 रुपये की तेजी के साथ 85,068 रुपये पर खुला। इस समय यह 414 रुपये की तेजी के साथ 85,300 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,342.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,343 डॉलर था। जो इस समय 4.10 डॉलर की तेजी के साथ 2,347.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 28.42 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 28.44 डॉलर था। इस समय यह 0.13 डॉलर की तेजी के साथ 28.57 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

एफटीए भागीदारों को 14.48 प्रतिशत बढ़ा भारत का निर्यात, इन देशों से आयात में 37.97 प्रतिशत वृद्धि

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां) ।

भारत का संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया जैसे मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वाले देशों को निर्यात 2018-19 से 2023-24 के बीच यानी छह साल में 14.48 फीसदी बढ़कर 122.72 अरब डॉलर पहुंच गया। 2018-19 में भारत ने इन देशों को 107.20 अरब डॉलर का निर्यात किया था। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के मुताबिक, छह साल की इस अवधि में एफटीए भागीदारी वाले देशों से भारत का आयात 37.97 फीसदी बढ़कर 187.92 अरब डॉलर पहुंच गया। 2018-19 में भारत ने इन देशों से 136.20 अरब डॉलर का माल आयात किया था। यह वृद्धि भारत की वैश्विक व्यापार गतिशीलता पर एफटीए के महत्वपूर्ण और विविध प्रभाव को दर्शाती है।

वैश्विक व्यापार में भारत की कुल 1.8 फीसदी हिस्सेदारी

भारत का वैश्विक व्यापार में 1.8 फीसदी हिस्सा है। यह निर्यात में दुनियाभर में 17वें स्थान पर है। आयात के मोर्चे पर भारत वैश्विक व्यापार में 2.8 फीसदी हिस्सेदारी के साथ 8वें स्थान पर है।2023-24 में भारत का निर्यात 3.11 फीसदी घटकर 437.1 अरब डॉलर रहा।आयात भी 5.4 फीसदी गिरकर 677.2 अरब डॉलर रहा।

यूएई को 18.25 प्रतिशत ज्यादा निर्यात

आंकड़ों के मुताबिक, 2023-24 में भारत ने यूएई को 35.63 अरब डॉलर का निर्यात किया। यह आंकड़ा 2018-19 के 30.13 अरब डॉलर से 18.25 फीसदी ज्यादा है। इस अवधि में यूएई से भारत का आयात 29.79 अरब डॉलर से 61.21 फीसदी बढ़कर 48.02 अरब डॉलर पहुंच गया। दोनों देशों के बीच एफटीए मई 2022 में लागू हुआ था।

इसी प्रकार, 2018-19 से 2023-24 के बीच जापान, ऑस्ट्रेलिया, 10 देशों वाले दक्षिणपूर्व एशियाई गुट आसियान और दक्षिण कोरिया के साथ भी एफटीए के बाद निर्यात-आयात में बढ़ोतरी देखने को मिली है।

उड़ान रद्द होने से अस्पताल में भर्ती पति से नहीं मिल सकी महिला, घर पहुंची मौत की खबर

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां) ।

पिछले हफ्ते एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान रद्द होने के कारण एक महिला ओमान के अस्पताल के आईसीयू में भर्ती अपने पति को मौत से पहले आखिरी बार नहीं देख सकी। उसके परिवार ने यह आरोप लगाया है। अमृता नाम की महिला ने मस्कट में अपने पति से मिलने के लिए आठ मई का टिकट बुक कराया था, लेकिन यहां हवाई अड्डे पहुंचने पर उसे बताया गया कि उड़ान रद्द हो गई है।

हवाई अड्डे पर इसका विरोध करने पर उन्हें अगले दिन एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक अन्य उड़ान का टिकट दिया गया, लेकिन दुर्भाग्य से, उसे भी रद्द कर दिया गया और उन्हें अपनी यात्रा की योजना पूरी तरह से छोड़नी पड़ी। ओमान से उनके पति की मौत की खबर उनके पास पहुंची।

अमृता की मां ने एक टीवी चैनल को बताया, यह इतना अनुचित था कि वह अपने पति को आखिरी बार नहीं देख सकी। हमने एयरलाइन से किसी और विमान में जगह देने के लिए विनती की ताकि हम उन्हें (अमृता के पति को) आखिरी बार देख सकें। लेकिन उन्होंने (एयरलाइन ने) कुछ नहीं किया।

उन्होंने यह भी कहा कि अमृता के पति ने कहा था कि वह अपनी पत्नी और बच्चों से मिलना चाहते हैं और इसीलिए परिवार ने उन्हें देखने जाने के लिए टिकट बुक कराए थे। अमृता ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि दूसरी उड़ान भी रद्द होने के बाद एयरलाइन ने उन्हें बताया कि कुछ नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि अगले चार दिनों के लिए उनकी उड़ानें भरी हुई हैं और वे कुछ नहीं कर सकते। उनके पति को दिल का दौरा पड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अमृता ने कहा, मैंने उनसे (पति से) फोन पर बात की। उनसे कहा मैं वहां पहुंचने की पूरी कोशिश करूंगी, पर ऐसा नहीं हो पाया।

एयरलाइन की ओर से इस मामले में फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

केबिन क्रू के छुट्टी पर जाने से 260 से अधिक उड़ानें रद्द हुई थीं

टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन में कथित कुप्रबंधन के विरोध में चालक दल के सदस्यों की कमी के कारण एयर इंडिया एक्सप्रेस ने पिछले सप्ताह बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द कर दी थीं। कम लागत वाली एयरलाइन में केबिन क्रू के सदस्यों के असंतोष कारण ये उड़ानें दर्द की गईं। केबिन क्रू का यह असंतोष एआईएक्स कनेक्ट (पूर्व में एयर एशिया इंडिया) के साथ एयर इंडिया एक्सप्रेस की विलय की प्रक्रिया शुरू होने के बाद शुरू हुआ।

बाद में 10 मई को छुट्टी पर गए केबिन क्रू के सदस्यों ने समझौते के बाद काम पर लौटने की हामी भरी, जिसके बाद एयरलाइन की ओर से केबिन क्रू के 25 सदस्यों को जारी टर्मिनेशन लेटर वापस ले लिया गया। एयरलाइन के एक सूत्र ने बताया था कि चालक दल की कमी के कारण आठ मई से 10 मई के बीच एअर इंडिया एक्सप्रेस को 260 से अधिक उड़ानें रद्द करनी पड़ी।

एयरलाइन ने 12 मई को कहा था कि वह धीरे-धीरे अपनी उड़ान सेवाओं को बहाल कर रही है और स्थिति पूर्ण रूप से सामान्य होने की उम्मीद है। उसी दिन, केबिन क्रू यूनियन ने कहा कि बीमार होने की सूचना देने वाले सभी सदस्यों ने 11 मई तक ड्यूटी ज्वाइन कर ली।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए बांग्लादेश टीम का ऐलान : शांतो टीम की कप्तानी करेंगे, बांग्लादेश का पहला मैच 7 जून को श्रीलंका से

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश ने अगले महीने अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए 15 मेंबर्स स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। बांग्लादेश बोर्ड ने यह ऐलान किया। नजमुल हुसैन शांतो वर्ल्ड कप में टीम की कप्तानी करेंगे। शांतो को इस साल की शुरुआत में सभी फॉर्मेट में बांग्लादेश का कप्तान बनाया गया था।

टीम में अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन को भी शामिल किया गया हैं। शाकिब ने 2007 ओपनिंग एडिशन से हर टी-20 वर्ल्ड कप में खेला है। अफीफ हुसैन और हसन महमूद रिजर्व के रूप में टूर्नामेंट में जाएंगे।

बांग्लादेश ने जिम्बाब्वे को टी-20 सीरीज में 4-1 हराया

शाकिब लगभग एक साल के बाद जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज से टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी किए हैं। शाकिब को जिम्बाब्वे के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज के आखिरी दो मैचों में बांग्लादेश टीम में शामिल किया गया था। उन्होंने चौथे मैच में चार विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। बांग्लादेश ने हाल ही जिम्बाब्वे के खिलाफ 5 मैचों की टी-20 सीरीज को 4-1 से अपने नाम किया।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए बांग्लादेश टीम

नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), तस्कीन अहमद (उपकप्तान), लिटन दास, सौम्या सरकार, तंजीद हसन, शाकिब अल हसन, तौहीद हृदोय, महमुदुल्लाह, जेकर अली, तनवीर इस्लाम, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, शोरफुल इस्लाम, तंजीम हसन।

ट्रैवलिंग रिजर्व : हसन महमूद, अफीफ हुसैन।

बांग्लादेश ग्रुप डी में शामिल

बांग्लादेश टी-20 वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका, श्रीलंका, नीदरलैंड और नेपाल के साथ के ग्रुप डी में रखा गया है। टीम का पहला मैच 7 जून को डलास में श्रीलंका के खिलाफ होगा।

न्यूज ब्रीफ

भविष्य में स्ट्राइक रेट के आधार पर टीम में चुने जाएंगे खिलाड़ी : मिलर

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर डेविड मिलर ने कहा है कि जिस प्रकार से आजकल टी20 क्रिकेट हो रहा है और स्ट्राइक रेट पर ही जोर दिया जा रहा है। उस स्थिति में आने वाले समय में खिलाड़ी बेहतर औसत नहीं बल्कि तेजी से खेलने की क्षमता के आधार पर ही चयनित किये जाएंगे। मिलर पिछले कुछ साल में फिनिशर की भूमिका में ही नजर आये हैं। इस आईपीएल सत्र में कई टीमों ने 250 से अधिक के सात स्कोर बनाए जिससे बल्लेबाज 'पावर गेम को अगले स्तर पर ले गए हैं जिससे स्ट्राइक रेट को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। मिलर ने कहा, 'हमने इस साल कुछ बड़े स्कोर देखे हैं। कुछ टीमों के साथ ही कुछ खिलाड़ियों ने जबरदस्त बल्लेबाजी की है। मैंने हमेशा देखा है कि हर कोई बल्लेबाज को औसत के आधार पर आंकता है। साथ ही कहा, 'टी20 क्रिकेट में किसी को पूरी तरह से इस आधार पर आंकना कठिन हो सकता है। शीर्ष तीन बल्लेबाजों के साथ निश्चित रूप से आप ऐसा कर सकते हैं, उन्हें बल्लेबाजी करने के लिए मिलने वाले ओवरों की संख्या पर्याप्त होती है। वहीं मध्य क्रम की बात आती है तो यह हमेशा स्ट्राइक रेट और बल्लेबाज के खेल का मैच पर पड़ने वाले प्रभाव की बात होती है ,ऐसे में मुझे लगता है कि लोगों को मैच जीतने की क्षमता के आधार पर टीमों का चयन करना होगा। वहीं अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप को लेकर मिलर का मानना है कि जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ियों के साथ मुकाबले कड़े रहेंगे। मैं एक बल्लेबाज हूं और बुमराह शीर्ष स्तर के गेंदबाज होने के कारण मेरे लिए खतरा बन सकते हैं। मिलर का मानना है कि उनकी टीम के पास टी20 विश्वकप में ट्रॉफी जीतने का अवसर है। यह आक्रामक बल्लेबाज इस चुनौती को लेकर उत्साहित है। उन्होंने कहा, 'इस समय हमारे पास जो टीम है, उसने पिछले कुछ वर्षों में एक साथ काफी क्रिकेट खेला है और इसमें काफी आत्मविश्वास है और काफी सफलता हासिल की है।

निकहत-मीनाक्षी और अनामिका की जीत से शुरुआत, सोनिया को मिली हार

अस्ताना। विश्व चैंपियन निकहत जरीन ने एलोर्डा कप बॉक्सिंग टूर्नामेंट में जीत के साथ अभियान शुरू किया है। उन्होंने 52 भार वर्ग में स्थानीय बॉक्सर कजाखस्तान की राखिमबेरदी झानसाया को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से पराजित किया। मीनाक्षी (48) और अनामिका (50) ने भी जीत से शुरुआत की है। मीनाक्षी ने कजाखस्तान की गासीमोवा रोक्साना को 4-1 से और अनामिका ने जुंबायेवा अरालिम को पहले दौर में ही आरएससी (रेफरी ने मुकाबला रोका) कर दिया। वहीं इशमीत सिंह (75) को कजाखस्तान अरमानूली अरमात से और सोनिया (54) को चीन की चांग यूआन के हाथों 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। इस टूर्नामेंट के लिए 21 सदस्यीय टीम भेजी गई है, जिसमें कजाखस्तान, उज्बेकिस्तान, चीन, जापान जैसे देश भाग ले रहे हैं। पुरुष वर्ग में इशमीत सिंह (75 किग्रा) को कजाकिस्तान के अर्मानुली आर्मैट ने 5-0 से हराया। छह बार के एशियाई चैंपियनशिप पदक विजेता शिव थापा (63.5 किग्रा), संजय (80 किग्रा) और गौरव चौहान (92 किग्रा से अधिक) तीन अन्य भारतीय मुक्केबाजों के साथ चुनौती पेश करेंगे।

केकेआर की सफलता में युवा तेज गेंदबाज हर्षित की रही है अहम भूमिका

कोलकाता । आईपीएल में इस बार केकेआर की सफलता में युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा की अहम भूमिका रही है। राणा ने इस सत्र में अबतक 10 मैच में 20.75 की औसत से 16 विकेट लिए हैं। इस प्रकार वह आईपीएल की खोज साबित हुए हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ जिस प्रकार इस गेंदबाजा ने अंतिम ओवर फेंका उससे इसका आत्मविश्वास झलकता है। इस काम को उन्होंने बिना किसी दबाव के पूरा किया। अंतिम ओवर में मुम्बई को 22 रन बनाने थे और ऐसे में राणा ने पहली ही गेंद पर बल्लेबाजी कर रहे नमन धीर को पेवेलियन भेज दिया। इसके बाद तीसरी गेंद पर तिलक वर्मा को आउट कर मैच में अपनी पकड़ और मजबूत कर ली। राणा ने अंतिम ओवर में तीन रन देते हुए दो विकेट लिए। इस तरह उन्होंने अपने चार ओवर में 34 रन देकर दो विकेट लिए। दिल्ली के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले राणा को केकेआर ने घायल हुए रसिख सलाम डार के विकल्प के तौर पर साल 2022 में 20 लाख रुपये में खरीदा था। वहीं अब रसिख दिल्ली के लिए खेलते हैं।

दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 19 रन से हराया

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)।

ट्रिस्टन स्टब्स नाबाद (57) और अभिषेक पोरेल (58) की शानदार अर्धशतकीय पारियों और उसके गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 64वें मैच लखनऊ सुपर जायंट्स को 19 रन से हरा दिया है।

209 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 44 के स्कोर तक एक के बाद एक अपने चार विकेट गवां दिये थे। क्विंटन डिकॉक (12), कप्तान के एल राहुल (5), मार्कस स्टॉयनिस (5) और दीपक हुड्डा (शून्य) और उसके आयुष बदोनी (6) रन पर आउट हुये। ऐसे संकट के समय निकोलस पूरन और कुणाल पांड्या ने पारी को संभालने का प्रयास किया। कुलदीप यादव ने कुणाल को 18 रन पर आउट कर लखनऊ को छठा झटका दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये अरशद खान ने जमकर खेलते हुए 33 गेंदों में नाबाद (58) रनों की पारी खेली। निकोलस पूरन 27 गेंदों में सर्वाधिक (61) रन बनाकर आउट हुए। युद्धवीर सिंह चरक (14) और रवि बिश्नोई दो रन बनाकर आउट हुए। लखनऊ की टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 189 रन ही बना सकी और मुकाबला 19 रन से हार गई।

दिल्ली की ओर से इशांत शर्मा ने सर्वाधिक तीन विकेट लिये। खलील अहमद, अक्षर पटेल, मुकेश कुमार, कुलदीप यादव और ट्रिस्टन स्ट्रब्स ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को जीत के लिए 209 रनों का लक्ष्य दिया था। आज यहां अरुण जेटली स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान के एल राहुल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली की शुरुआत खराब रही और उसने पहले ही ओवर में जेक फ्रेजर मक्गर्क (शून्य) का विकेट गवां दिया। अशरद खान ने जेक फ्रेजर को नवीन उल हक के हाथों कैच आउट कराकर लखनऊ को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद अभिषेक पोरेल और शे होप ने पारी को संभाला।

दोनों बल्लेबाजों के बीच 92 रनों की साझेदारी हुई। नौवें ओवर में रवि बिश्नोई ने शे होप को केएल राहुल के हाथों कैच आउट करा कर पवेलियन भेज दिया। होप ने 27 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए (38) रन बनाये। 12वें ओवर की पहली गेंद पर नवीन उल हक ने अभिषेक पोरेल को आउटकर लखनऊ को तीसरी सफलता दिलाई। पोरेल ने 33 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के लगाते हुए 58 रनों की पारी खेली। 17वें ओवर में कप्तान रिषभ पंत 23 गेंदों में 33 रन बनाकर आउट हुए। नवीन उल हक की गेंद पर पंत का कैच हुड्डा ने ब्राउड्री पर पकड़ा। ट्रिस्टन स्टब्स ने 25 गेंदों में तीन चौके और चार छक्के लगाते हुये नाबाद (57) रनों की पारी खेली। अक्षर पटेल 14 रन बनाकर नाबाद रहे। दिल्ली कैपिटल्स ने निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 208 का स्कोर खड़ा किया। लखनऊ की ओर से नवीन उल हक को दो विकेट मिले। अशरद खान और रवि बिश्नोई ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

भारतीय टीम के कोच जीवनजोत के बेटे का शानदार प्रदर्शन कनाडा के लिए जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां) ।

भारतीय कंपाउंड तीरंदाजी टीम के कोच जीवनजोत सिंह तेजा के पुत्र हरकुंवर सिंह तेजा ने कनाडा के लिए पैन अमेरिकन यूथ तीरंदाजी चैंपियनशिप में विश्व कीर्तिमान के साथ स्वर्ण पदक जीता है। जीवनजोत वही तीरंदाजी कोच हैं, जिन्होंने उपेक्षाओं से दुखी होकर भारत छोड़ दिया था। अंतिम क्षणों में द्रोणाचार्य अवॉर्ड से नाम काटे जाने के चलते वह पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला की नौकरी छोड़ परिवार समेत कनाडा में चले गए थे।

2020 में बेटे को सिखाना शुरू की तीरंदाजी

जीवनजोत के मुताबिक उन्होंने प्रण लिया था कि जो सम्मान उन्हें नहीं मिला वह अपने बेटे के जरिए हासिल करेंगे। उन्होंने कनाडा में ही 2020 में बेटे को तीरंदाजी सिखाना शुरू किया, लेकिन भारत का मोह वह नहीं छोड़ पा रहे थे। हांगझोऊ एशियाई खेलों में तीन स्वर्ण जीतने वाली ज्योति सुरेखा और अन्य शिष्यों के दबाव में वह द्रोणाचार्य अवॉर्ड के लिए आवेदन करते रहे। उनके शिष्यों का प्यार रंग लाया और जिस द्रोणाचार्य अवॉर्ड के लिए 2018 में उनका नाम चयनित होने के बावजूद काटा गया, 2022 में उन्हें इस पुरस्कार के लिए चुना गया। जीवनजोत ने इसके बाद भारत आने का फैसला लिया। वह इस वक्त भारतीय कंपाउंड तीरंदाजी टीम के कोच हैं।

भारत में आकर तैयारी की

जीवनजोत के मुताबिक बेटा कनाडा में ही शिक्षा अर्जित कर रहा है, लेकिन तीरंदाजी सीखने के लिए उनके पास यहां आता है। पैन अमेरिकन चैंपियनशिप के लिए वह उनके पास यहां तीन माह रहकर गया। यहां उन्होंने उसे तैयारी कराई, जिसका नतीजा यह निकला कि हरकुंवर ने अंडर-15 कंपाउंड ओपन वर्ग के मुकाबले में 720 में से 682 का स्कोर कर विश्व रिकॉर्ड बनाया। फाइनल में हरकुंवर ने कोलंबिया के अल्मारियो फ्लोरेस जुआन एस्तेबान को 145-140 से पराजित किया। जीवनजोत इसी माह कोरिया में होने जा रहे विश्वकप में भारतीय टीम के साथ बतौर कोच जा रहे हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मोदी...

यहां तीसरी बार काशी से तीसरी बार नामांकन किया। मंदिर गेट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीएम को अंगवस्त्र भेंट किया और आमजन ने पुष्पवर्षा की। पूरा मंदिर व आसपास का क्षेत्र हर-हर महादेव की गूंज से गुंजायमान हो उठा। काल भैरव मंदिर में पूजन के दौरान पीएम के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह भी मौजूद रहे।श्री मोदी के नामांकन कार्यक्रम में कलेक्ट्रेट में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, असम के सीएम हेमंता विश्व सरमा, गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल, छत्तीसगढ़ के विष्णु देव साय, मध्य प्रदेश के मोहन यादव, राजस्थान के भजनलाल शर्मा, महाराष्ट्र के एकनाथ शिंदे, हरियाणा के नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले, हरदीप पुरी, पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, लोजपा प्रमुख चिराग पासवान, जीतन राम मांझी, उपेंद्र कुशवाहा, यूपी में एनडीए के घटक लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी, अपना दल (एस) अनुप्रिया पटेल, निषाद पार्टी के संजय निषाद, सुभासपा के ओमप्रकाश राजभर, पशुपति पारस आदि की मौजूदगी रही।

पीएम मोदी ने ...

पीएम मोदी ने कार्यकर्ता सम्मेलन में अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए कहा कि यदि आप सभी कार्यकर्ता इजाजत दें तो आपसे कुछ कहना चाहता हूं। आपसे इतना ही कहना है, थैंक्यू। पीएम ने कहा कि 2014 में भी यहां रोड शो किया था और 2019 में भी रोड शो किया था, देश भर में इन दिनों सप्ताह में तीन-चार रोड शो कर रहा हूं, लेकिन कल रोड शो के सारे रिकॉर्ड आपने तोड़ दिए। इसके लिए आपके माध्यम से जनता जनार्दन को सर झुकाकर धन्यवाद करना चाहूंगा। आज जो आप कर रहे हैं जीवन के कई वर्ष तक इस काम को मैंने भी किया है। संकल्प पूरा होने की खुशी एक कार्यकर्ता से ज्यादा किसी और को नहीं होती। उन्होंने कहा कि काशी में जो कुछ भी विगत दस वर्ष में हुआ है वो सब आपकी वजह से हुआ है। इसलिए पक्का भरोसा है कि इस बार भी आप संभाल लेंगे। आप चुनाव जीतने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे।पीएम मोदी ने एक-एक पोलिंग बूथ जीतने का मंत्र देते हुआ कहा कि साथियों मोदी तो जीत जाएगा, क्योंकि आप जिताने वाले हो, लेकिन मुझे हर एक पोलिंग बूथ जीतना है। कोई कहे कुछ भी, लेकिन इसके लिए कड़ी मेहनत लगती है। ये जुलूस, नारे, रोड शो इससे चुनाव में बूथ पर असर नहीं पड़ता। हार-जीत से फर्क नहीं पड़ता है, लेकिन अगर मतदान प्रतिशत में पीछे रह जाएं तो काशी का प्रतिनिधि होने के नाते क्या मुंह दिखाउंगा। इसलिए पोलिंग बूथ जीतना ही संकल्प होना चाहिए। पोलिंग बूथ जीतने का तरीका क्या होना चाहिए? मतदान को लोकतंत्र के उत्सव में बदल दीजिए। अभी आपके पास 14 दिन हैं, इस दौरान पोलिंग बूथ पर उत्सव मनाएं। पूरे पोलिंग बूथ में जितनी सोसायटी हैं, मोहल्ले हैं उन्हें आमंत्रित करें और वहां रंगोली व अन्य कार्यक्रम आयोजित करें। यही नहीं, जिस दिन मतदान करने जाएं तो देखें कि कौन मतदान करने आया और कौन नहीं। जो नहीं आया, उसे किसी भी तरह मतदान करने के लिए पोलिंग बूथ पर लाना आपकी जिम्मेदारी होनी चाहिए। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि मान लीजिए कि आपके बूथ में दस कार्यकर्ता हैं। एक कार्यकर्ता कम से कम 30 वोटर को इकट्ठा करे और उन्हें गाजे बाजे के साथ जुलूस निकालकर पोलिंग बूथ तक लाएं।पीएम मोदी ने कहा कि दूसरा आग्रह है कि हमारे बूथ पर पिछली बार जितने वोट मिले थे उसका हिसाब लगा लीजिए। इस बार वो रिकॉर्ड तोड़ना है। जिस तरह धारा 370 हटाने के लिए डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने बलिदान दिया था, इस सपने को हमने पूरा किया है। मेरे जीवन की सबसे बड़ी घटना जम्मू-कश्मीर और श्रीनगर में बड़ी संख्या में मतदान होते देखना है। ये भारत के उज्ज्वल भविष्य के संकेत हैं। ये हमारे दस साल की मेहनत का फल है। मेरा विषय यह नहीं है कि मेरी पार्टी का कोई व्यक्ति जीतेगा या नहीं, लेकिन लोकतंत्र मजबूत हुआ है इसकी संतुष्टि है। लोगों को श्रीनगर में हुआ यह भव्य परिवर्तन दिखाना चाहिए। अगर श्रीनगर कर सकता है तो क्या काशी नहीं कर सकता है। इसीलिए 370 कोई सामान्य आंकड़ा नहीं है। इसके लिए श्यामा प्रसाद मुखर्जी शहीद हुए। मेरी इच्छा है कि हर पोलिंग बूथ में जितने वोट पड़े हैं, उसमें नए 370 वोट पड़ने चाहिए। ये मेरी डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

380 में 270 सीट...

भाजपा नेता ने कहा कि ममता दीदी और राहुल बाबा को 22 जनवरी को राम लला के अभिषेक में शामिल होने के लिए निमंत्रण दिया गया था, लेकिन दोनों को अपने वोट बैंक का डर था और वे इस समारोह में शामिल नहीं हुए, जो 70 साल के संघर्ष के बाद आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा, मोदी जी ने बंगाल के सभी गरीबों को घर, शौचालय, पांच किलो चावल और पांच लाख रुपये का चिकित्सा बीमा प्रदान किया है। ममता बनर्जी का कहना है कि तृणमूल कांग्रेस गरीबों को चावल दे रही है। असल में यह चावल नरेंद्र मोदी भेज रहे हैं। श्री शाह ने कहा, ममता दीदी पूछ रही हैं, उन्हें जेल क्यों भेजा जा रहा है? मैं कहना चाहूंगा कि यह तो बस शुरुआत है। गाय चोर, कोयला चोर, नौकरी चोर और सवाल पूछने के बदले पैसे लेने वालों को जेल जाने के लिए तैयार रहना चाहिए।

स्कूल-अस्पताल के ...

हमने भी दो बार जांच की, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। बताते चलें कि दिल्ली में पिछले एक महीने में यह चौथी घटना है, जब अस्पतालों समेत कई जगहों पर इस तरह की धमकियां मिली हैं। इससे पहले रविवार 12 मई को दिल्ली एयरपोर्ट, 20 अस्पताल और उत्तर रेलवे के चीफ पब्लिक रिलेशन अफसर के ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इससे पूर्व 1 मई को दिल्ली-एन-सीआर के 100 से ज्यादा स्कूलों में बम रखे होने का ई-मेल भेजा गया था। बाद में पुलिस ने इस सूचना को फर्जी बताया था। 30 अप्रैल को दिल्ली के चाचा नेहरू अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी।

आपा को...

दोनों पक्षों की दलील को सुनने के बाद जज ने फिलहाल इस पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।सिसोदिया की 8 मई को हुई पिछली सुनवाई में ईडी और सीबीआई के वकीलों ने जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा से कहा था कि हमें जवाब दाखिल करने के लिए एक हफ्ते का समय चाहिए। 3 मई की सुनवाई में कोर्ट ने ईडी-सीबीआई को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। साथ ही सिसोदिया को बीमार पत्नी सीमा से हफ्ते में एक बार मिलने की परमिशन भी दी थी। ड्रॉइंग रूम में केजरीवाल का इंतजार कर रही थीं। मनीष सिसोदिया को 26 फरवरी 2023 को सीबीआई ने करीब 8 घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। इसके बाद ईडी ने भी उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में गिरफ्तार किया था। वे फिलहाल तिहाड़ जेल में हैं। 7 मई 2024 को सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 15 मई तक बढ़ाई गई है। उधर, दिल्ली कोर्ट ने एक्ससाइज ड्यूटी स्कैम केस में मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 21 मई तक के लिए बढ़ा दी है।

आपा नेता ने ...

संजय सिंह ने कहा कि इस पूरी घटना को दिल्ली के सीएम ने संज्ञान में लिया है। वो इस मामले में सख्त कार्रवाई करेंगे। जहां तक स्वाति मालीवाल का सवाल है, उन्होंने देश और समाज के लिए बहुत काम किया है। वो सीनियर और पुराने नेताओं में से एक हैं। हम उनके साथ हैं। पुलिस के मुताबिक, स्वाति मालीवाल सोमवार को सिविल लाइंस पुलिस स्टेशन आई थीं और मुख्यमंत्री के पर्सनल स्टाफ के खिलाफ शिकायत की। पुलिस को उनकी तरफ से औपचारिक रूप से शिकायत नहीं मिली।

लिट्टे पर पर लगे...

गतिविधियों में लिप्त है जो देश की अखंडता और सुरक्षा के लिए नुकसानदेह हैं। इसमें कहा गया है कि मई, 2009 में श्रीलंका में अपनी हार के बाद भी, लिट्टे ने ईलम (तमिलों के लिए एक अलग देश) की अवधारणा को नहीं छोड़ा है और वह प्रचार गतिविधियों तथा धन उगाही के माध्यम से गुप्त रूप से ईलम के लिए काम कर रहा है। अधिसूचना के अनुसार बचे हुए लिट्टे नेताओं या कैडर ने भी बिखरे हुए कार्यकर्ताओं को फिर से संगठित करने तथा स्थानीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संगठन को पुनर्जीवित करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। अधिसूचना में कुछ अन्य कारणों का हवाला देते हुए कहा गया है, लिट्टे समर्थक समूह/तत्व जनता के बीच लगातार अलगाववादी प्रवृत्ति को बढ़ावा दे रहे हैं और भारत तथा विशेष रूप से तमिलनाडु में लिट्टे के लिए समर्थन आधार बढ़ा रहे हैं, जिसका अंततः भारत की क्षेत्रीय अखंडता पर एक मजबूत विघटनकारी प्रभाव होगा।

काशी में पीएम मोदी के स्वागत और अभिनंदन के लिए आतुर रही जनता

वाराणसी, 14 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि काशी का हर जनमानस अपने सांसद व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत-अभिनंदन के लिए आतुर दिखा। देश के कोटि-कोटि और लोकतंत्र के प्रति आग्रही, मानवता के कल्याण के प्रति सजग दुनिया के हर नागरिक की निगाह रोड शो व नामांकन कार्यक्रम पर रही। प्रधानमंत्री के नामांकन और सोमवार को उनके आगमन पर काशीवासियों का उमंग, स्नेह देखकर देश-दुनिया अभिभूत है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के प्रधानमंत्री के रूप में मोदी जी ने दस वर्ष तक बिना रुके, बिना डिगे, बिना थके कार्य किया है।

उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में उन्होंने मंगलवार को रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में वाराणसी संसदीय सीट के लिए आयोजित भाजपा के कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। सीएम ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि काशी को नए रिकॉर्ड बनाने की तरफ अग्रसर होना है, क्योंकि काशीवासियों से जनप्रतिनिधि व संगठन के लोगों से मार्गदर्शक के रूप में पीएम का जुड़ाव प्रेरणादायी है।

सीएम ने कहा कि दुनिया के सबसे लोकप्रिय राजनेता के रूप में मोदी जी ने भारत को दुनिया में सम्मान दिलाने, सुरक्षा को पुख्ता करने, आतंकवाद-नक्सलवाद का स्थायी समाधान निकालने, विकास के नित नए प्रतिमान स्थापित करने, गरीब कल्याणकारी योजनाओं की नई श्रृंखला को बढ़ाने और आजाद भारत में आस्था को पहली बार सम्मान व प्रतिष्ठा दिलाने में अतुलनीय योगदान दिया है। पीएम मोदी के नेतृत्व में नया भारत, श्रेष्ठ भारत के रूप में आत्मनिर्भर व विकसित होने की दिशा में आगे बढ़ चुका है। काशी में उनके नामांकन पर दुनिया कौतूहल व आश्चर्य से निगाह लगाई थी।

सीएम ने कहा कि काशी नई पहचान बना रही है। दस वर्ष में हुए परिवर्तन का मूर्त रूप नई काशी में दिखने को मिलता है। काशी ने दुनिया को अपनी तरफ आकर्षित किया है। काशी किसी भी राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय समिट को सकुशल संपन्न करती है। काशी आकर हर व्यक्ति अभिभूत होता है। नया काशी सब कुछ दे रहा है। सरकार के साथ साथ संगठन के मार्गदर्शक के रूप में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना के दौरान 'सेवा ही संगठन' मंत्र दिया था। कोरोना महामारी के दौरान जनता-जनार्दन की सेवा करते हुए भाजपा संगठन और कार्यकर्ता सड़कों पर दिखाई दे रहा था।

प्रधानमंत्री ने काशी से तीसरी बार नामांकन किया है। दस वर्ष में देश के अंदर सांस्कृतिक नवजागरण का जो अभियान चला है, काशी से आपका नामांकन इसे नई ऊंचाई तक ले जाने की प्रेरणा है। काशी से प्रधानमंत्री का नामांकन न केवल उप्र, बल्कि देशवासियों और उसकी आस्था का सम्मान है। आपके नामांकन पर काशी, उप्र, पूरा देश 'फिर एक बार मोदी सरकार' के स्वर के साथ पूरी मजबूती से खड़ा है। काशी का हर नागरिक, हर तबका इस अभियान के साथ जुड़ा है। विपक्ष की विभाजनकारी-विखंडनकारी नीतियों की बदौलत अफवाह, समाज को गुमराह व विभेद पैदा करने की नकारात्मक राजनीति को समाप्त करने के संकल्प के साथ पूरा देश नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में तीसरी बार प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगा और काशी उसकी अगुआई करेगा। कार्यकर्ता सम्मेलन में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, केंद्रीय मंत्री व चंदौली से भाजपा प्रत्याशी डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय, मछलीशहर के सांसद व प्रत्याशी बीपी सरोज, क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल, लोकसभा प्रभारी सतीश द्विवेदी, काशी के जिलाध्यक्ष व विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा, महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास न कार, न खुद का घर

पांच साल में संपत्ति 87 लाख बढ़कर 3.02 करोड़ हुई, 52 हजार 920 रुपए नकद

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को वाराणसी से तीसरी बार नामांकन दाखिल किया। हलफनामे के मुताबिक, पीएम मोदी के पास न कोई घर है न जमीन और न ही कार। 2019 में उनके पास गांधीनगर में 1.10 करोड़ की प्रॉपर्टी थी, लेकिन इस बार उसका जिक्र नहीं है। पीएम ने 15 साल से कोई ज्वेलरी भी नहीं खरीदी। मोदी के पास 52 हजार 920 रुपए कैश है। उन्होंने कुल 3.02 करोड़ की संपत्ति बताई है। 5 साल में यह संपत्ति 87 लाख रुपए बढ़ी। वाराणसी से अपने पहले चुनाव (2014) में मोदी ने अपनी कुल संपत्ति 1.65 करोड़ रुपए बताई थी। दूसरे चुनाव (2019) में यह 2.15 करोड़ हो गई थी। पीएम ने मोबाइल नंबर भी बताया है।

पीएम ने अपना एड्रेस- सी/1, सोमेश्वर टेनमेंट्स, रानीप, अहमदाबाद बताया है। नामांकन पत्र में पत्नी जशोदाबेन का नाम लिखा है। हालांकि, पत्नी की आय की जानकारी नहीं दी। मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब अक्टूबर 2002 में उन्होंने एक जमीन खरीदी थी। इसमें तीन हिस्सेदार थे। 2019 में इसकी मार्केट वैल्यू यानी कीमत 1.10 करोड़ रुपए थी। मोदी ने यह जमीन मानमंदिर फाउंडेशन को दान कर दी, जिस पर नाद ब्रह्म कला केंद्र बनाया जाएगा। इसलिए, इस बार उनकी अचल संपत्ति शून्य हो गई है। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी के नाम किसी भी तरह की कृषि या गैर

कृषि भूमि और कॉमर्शियल बिल्डिंग नहीं है। मोदी के पास 4 अंगूठी हैं। 2014 और 2019 में भी 4 सोने की अंगूठी थीं। इनका वजन 45 ग्राम है। 2019 में इस गोल्ड की कीमत 1.13 लाख रुपए बताई थी। 5 साल में यह कीमत बढ़कर 2.67 लाख रुपए हो गई। पीएम ने बॉन्ड, शेयर या फिर म्यूचुअल फंड (एमएफ) में कोई निवेश नहीं किया है। पोस्ट ऑफिस में 9.12 लाख रुपए की एनएससी है। 2019 में एनएससी में 7.61 लाख रुपए और 1.90 लाख का जीवन बीमा था। हालांकि, इस बार जीवन बीमा नहीं बताया है।

वित्त वर्ष 2018-19 के मुकाबले 2022-23 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कमाई दोगुनी बढ़ गई है। 2018-19 में पीएम मोदी ने अपनी इनकम 11.14 लाख रुपए रुपए घोषित की थी, जबकि बीते वित्त वर्ष में उनकी इनकम 23.57 लाख रुपए रही। 2019-20 में उनकी इनकम 17.21 लाख रुपए, 2020-21 में 17.08 लाख रुपए और 2021-22 में 15.42 लाख रुपए थी। नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री के तौर पर मिलने वाली सैलरी और बैंक इंट्रेस्ट को उनकी कमाई का जरिया बताया है। पीएम मोदी ने फाइनेंशियल ईयर 2023-24 में 3 लाख 33 हजार 179 रुपए का इनकम टैक्स भरा है। नरेंद्र मोदी के पास किसी भी तरह के हथियार नहीं है। वहीं उनके ऊपर किसी भी तरह का क्रिमिनल केस भी दर्ज नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी के पास 2019 में 38 हजार 750 रुपए कैश था, जबकि अब उनके पास 52 हजार 920 रुपए कैश है। मोदी के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की गांधीनगर शाखा के बैंक अकाउंट में 73 हजार 304 रुपए कैश जमा है। वहीं वाराणसी के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में 7 हजार रुपए जमा है। साथ ही उसी बैंक में 2 करोड़ 85 लाख 60 हजार 338 रुपए का फिक्स डिपॉजिट भी है। 2019 में नरेंद्र मोदी के पास करीब 1.27 करोड़ रुपए का फिक्स डिपॉजिट था।

पीएम मोदी ने कुछ पैसा सेविंग, इंश्योरेंस और इन्वेस्टमेंट स्कीम में भी लगा रखा है। हलफनामे के मुताबिक, पीएम मोदी ने नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट (एनएससी) में 9 लाख 12 हजार 398 रुपए जमा किए हैं। पहले उनके नाम करीब 2 लाख रुपए वैल्यू की एलआईसी पॉलिसी भी थी। इसके अलावा 2012 से 20 हजार रुपए का एल एंड टी इंफ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड (टैक्स सेविंग) था, जो अब नहीं है।

अमेठी की बनी राइफल एके-203 से थर्राता है पाकिस्तान : सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी अमेठी लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को किया संबोधित

अमेठी, 14 मई (एजेंसियां)। आज अमेठी में दुनिया की सबसे अच्छी असॉल्ट राइफल क्लाशनिकोव एके 203 का निर्माण हो रहा है, जिसे रशिया के साथ मिलकर भारत तैयार कर रहा है। इसकी सौगात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेठीवासियों को दी है। अमेठी की राइफल एके 203 जब देश के जवानों के हाथों में होती है तो पाकिस्तान थर्राता है। आज यह अमेठी का गौरव है जबकि कांग्रेस और सपा के लोग यहां के नौजवानों के हाथों में तमंचे थमाती थी। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को जगदीशपुर के अमेठी लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने लोकसभा प्रत्याशी और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के पक्ष में वोट की अपील की।

सीएम योगी ने कहा कि वाराणसी में सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो में जनता जनार्दन ने अभूतपूर्व स्वागत किया। यह तब होता है जब एक राष्ट्र नायक अपनी जनता जनार्दन के लिए

सब कुछ समर्पित कर देता है। काशी की सड़कों पर लाखों लोग घंटों तक रोड शो का हिस्सा बने। प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए काशीवासी इसलिए उत्साहित थे क्योंकि पिछले 10 वर्षों में उन्होंने काशी को पहले से ज्यादा दिव्य और भव्य बना दिया है। उन्होंने काशी को चमका कर रख दिया है। वहीं अमेठी ने भी अपना प्रधानमंत्री चुना था, लेकिन उन्होंने इसे एक जिला मुख्यालय तक नहीं दिया। इतना ही नहीं कनेक्टिविटी के लिए फोर लेन तक नहीं दी। इसी अमेठी को लोकसभा प्रत्याशी और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के आग्रह पर एक्सप्रेस-वे से जोड़ा गया ताकि यहां के नौजवानों को रोजगार मिल सके। साथ ही औद्योगिक क्षेत्र विकसित हो सके।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज अमेठी में मेडिकल कॉलेज, जिला मुख्यालय, पुलिस लाइन, डिस्ट्रिक्ट कोर्ट का निर्माण भारतीय जनता पार्टी कर रही है जबकि पहले लोग सिर्फ वोट के लिए यहां आते थे। इतना ही नहीं डबल इंजन की सरकार पेशेवर गुंडों और अपराधियों का भी इलाज कर रही है। सीएम ने कहा कि यह अवध क्षेत्र है, जहां लोग भूखे तो रह सकते हैं, लेकिन प्रभु श्रीराम को नहीं भूल सकते हैं। श्रीराम तो आपके रोम-रोम में बसते हैं। वहीं पहले जिनको आप चुनते थे, वही प्रभु राम को नकारते थे, अपमानित करते थे और उनके बारे में अनर्गल टिप्पणी करते थे। यह आपके ही वोट से देश में सरकार बनाते थे और यहां से निकलने के बाद अमेठी वासियों को बुरा भला कहते थे। वहीं अमेठी की जनता ने रामलला पर हमला कराने वालों को जवाब दिया और आज उनकी चुनी मोदी सरकार ने 500 वर्षों के इंतजार के बाद अयोध्या में दिव्य, भव्य रामलला का मंदिर बना दिया है। सीएम योगी ने अमेठी की जनता से आग्रह किया कि इस बार फिर उन लोगों को करारा जवाब देना है, जो सिर्फ वोट के लिए आते हैं।

वहीं चुनाव खत्म होते ही भूल जाते हैं। उन्होंने अमेठी से लिया तो बहुत कुछ है, लेकिन देने के नाम पर शून्य रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सपा ने जब रामलला के दर्शन से अपने विधायकों को मना किया तो रायबरेली के विधायक मनोज पांडेय ने विद्रोह कर दिया और पार्टी से नाता तोड़ लिया। उन्होंने कहा कि हमारा प्रभु श्रीराम से जन्म जन्मांतर का संबंध है, हम प्रभु श्रीराम को नहीं छोड़ सकते हैं।

निर्वाचन आयोग का मतदान प्रतिशत बढ़ाने पर जोर

मतदाता पर्ची का हो शत-प्रतिशत वितरण

लखनऊ 14 मई (एजेंसियां)। लोकसभा सामान्य निर्वाचन में भारत निर्वाचन आयोग के संकल्प को पूरा करने के लिए उत्तर प्रदेश में मतदान को एक उत्सव के रूप में मनाने की दिशा में अहम कदम उठाए गए हैं। प्रदेश में मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता कार्यक्रम के अन्तर्गत मतदाता जागरूकता संबंधी गतिविधियों को और गति प्रदान किये जाने के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने मंगलवार को अपने कार्यालय स्थित सभाकक्ष में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पांचवें एवं छठवें चरण के जिला निर्वाचन अधिकारियों, उप जिला निर्वाचन अधिकारियों, स्वीप के नोडल अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ मतदान प्रतिशत बढ़ाये जाने के लिए किये जा रहे प्रयासों एवं रणनीतियों के संबंध में चर्चा की।मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने इस दौरान मतदाता जागरूकता संबंधी आयोजित किये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों में और गति लाने के निर्देश दिये। लोकतंत्र के इस महापर्व में प्रत्येक मतदाता का उत्साह के साथ भागीदारी हो। मतदाता के पास मतदाता पर्ची न होने पर भी मतदाता सूची में उसका नाम देखते हुए मतदान कराया जाए। निर्वाचन क्षेत्रों में स्वीप गतिविधियों के लिए जारी दिशा निर्देशों का अनुपालन किया जाय। उन्होंने प्रत्येक मतदान केन्द्र पर वोटर असिस्टेंस बूथ बनाने और इस पर बीएलओ की उपस्थिति तथा मतदाता सूची की उपलब्धता सुनिश्चित कराने को कहा। वोटर असिस्टेंस बूथ की पहचान के लिए संकेतक भी लगाये जाएं। मतदाता पर्ची का शत-प्रतिशत वितरण कराया जाए और प्रमाण स्वरूप मतदाता पर्ची प्राप्तकर्ता का नाम व मोबाइल नम्बर भी लें। मतदान हेतु परिवार को ले जाने के लिए किसी व्यक्ति द्वारा अपने वाहन का प्रयोग करने पर उसे बूथ पर निर्धारित स्थान तक जाने से न रोका जाए। प्रत्येक मतदान केन्द्र के प्रवेश द्वार पर ही पोलिंग बूथ की जानकारी, शीतल पेयजल की सुविधा, शौचालय आदि के लिए संकेतक बनाये जाएं।

दोनों लड़के जीते तो मिलकर लूटेंगे और हारेंगे तो फिर टूटेंगे: सीएम

बाराबंकी, 14 मई (एजेंसियां)। इस देश में रामभक्त और रामद्रोही हैं। रामभक्त राम मंदिर से उत्साहित हैं तो रामद्रोही नाखुश हैं। रामभक्तों पर गोलियां चलाने वाले यह लोग कहते हैं कि राम मंदिर बेकार है। मोदी का विरोध सिर्फ रामद्रोही और पाकिस्तान ही कर रहे हैं। रामभक्त ही राष्ट्रभक्त हैं। वे भारत के उत्थान के बारे में सोचते हैं तो रामद्रोही पाकिस्तान का राग अलाप रहे हैं। वे कहते हैं कि पाकिस्तान के खिलाफ मत बोलो- उसके पास एटम बम है। पाकिस्तान समर्थक रामद्रोही जान लें कि हमारे पास भी एटम बम है, हमारा एटम बम फ्रिज में रखने के लिए नहीं बना है। यह लोग एक तरफ एटम बम की धमकी से भारत के दुश्मनों का उत्साह बढ़ा रहे हैं तो दूसरी तरफ राम मंदिर का विरोध कर राम को अपमानित कर रहे हैं। सपा-कांग्रेस पर बरसते हुए यह बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। फैजाबाद के सांसद व भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह के लिए दरियाबाद रेलवे स्टेशन के पास मैदान में मंगलवार को जनसभा में योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस-सपा की नीतियों और नेताओं को खूब धोया। बोले कि रामद्रोही नाखुश हैं। वे कहते हैं कि राम मंदिर बेकार है, यह राम भक्तों पर गोलियां चलाते थे। इनके समय में जन्मभूमि पर आतंकी हमला होता था और आतंकियों पर दायर मुकदमे वापस लिए जाते थे।

सीएम ने कहा कि रामलला के विराजमान होने में अयोध्या के

आमजन का बड़ा योगदान है, क्योंकि आपके वोट के बल पर मोदी जी को ताकत मिलती है। विदेशी आक्रांताओं ने हमारी आस्था से खिलवाड़ कर अयोध्या में रामलला के मंदिर को क्षतिग्रस्त कर गुलामी के ढांचे को स्थापित किया था, लेकिन आपके वोट की बदौलत इसे हटाने और मंदिर बनाने की ताकत मिली। 22 जनवरी को जब 500 वर्ष का इंतजार समाप्त हुआ और प्रभु रामलला अपने दिव्य-भव्य मंदिर में विराजमान हुए। आपके दर्शन करने से प्रभु श्रीराम के आशीर्वाद का सर्वाधिक सौभाग्य मुझे और मोदी जी को प्राप्त होता है, क्योंकि आप की दुआ हमें लगती है। अब अयोध्या में लाखों का जनसैलाब दर्शन करने उमड़ रहा है।

सीएम ने कहा कि भारत में शासन की सबसे अच्छी व्यवस्था रामराज्य मानी गई। फिर भी ऐसे कौन लोग थे, जिनकी वजह से रामलला को उनकी जमीन से वंचित किया गया। विडंबना है कि स्वतंत्र भारत में 70 वर्षों तक कहना पड़ा कि अयोध्या धाम राम की जन्मभूमि है। यहां मंदिर बनना चाहिए। हमें प्रमाण और श्रीराम को खुद साक्ष्य जुटाना पड़ा। यह परिस्थिति उन लोगों ने पैदा की, जो राम मंदिर बनने से प्रसन्न नहीं हैं। आपने लल्लू सिंह को वोट दिया तो मोदी जी प्रधानमंत्री बने और सतीश शर्मा को वोट दिया तो मैं मुख्यमंत्री बना। आपकी वजह से रामभक्त सत्ता में आए तो रामलला विराजमान हुए।

सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या का अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट त्रिकालदर्शी महर्षि वाल्मीकि के नाम पर बना। गरीबों के लिए बने भोजनालय माता शबरी के नाम पर हैं। आश्रय स्थल निषादराज के नाम पर हैं। विकास के अनेक कार्य हुए। यहां एयरपोर्ट, भव्य रेलवे स्टेशन व फोरलेन-सिक्सलेन सड़के हैं। पहले माफिया हावी होते थे। अब उनका राम नाम सत्य हो रहा है। हमें रामराज्य की परिकल्पना को साकार करना है तो इसके लिए भारत को आत्मनिर्भर व विकसित बनाना है।सीएम ने अपील की कि जो राम को लाए हैं, कमल पर बटन दबाकर आप उनको लाएंगे। सीएम ने 20 मई को अधिक से अधिक मतदान कर लल्लू सिंह को कमल के फूल पर बटन दबाकर पिछली बार से दोगुने वोट से जिताने का संकल्प दिलाया। बोले तब मेहनत सार्थक होनी चाहिए अन्यथा कांग्रेस व सपा के लोग पहले से ही हमें कठघरे में खड़ा करते हैं। मोदी जी ने बिना चेहरा देखे सबका विकास किया है। अयोध्या में महाराजा राजर्षि दशरथ के नाम पर मेडिकल कॉलेज भी बन गया। जो कभी नहीं हुआ, वह मोदीराज में हुआ है। दोनों लड़के (राहुल-अखिलेश) झूठ बोलकर गुमराह कर रहे हैं। यह जीते तो मिलकर लूटेंगे और हारेंगे तो टूटेंगे।

सीएम ने कहा कि महाराज दिलीप ने गोमाता को बचाने के लिए शेर के सामने अपना शरीर प्रस्तुत कर दिया था।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 15 मई, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

घर में सो रहे पांच महीने के शिशु को आवारा कुत्ते ने नोंच-नोंचकर मार डाला

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एक दिल दहला देने वाली घटना में मंगलवार को विकाराबाद जिले के तंदूर शहर में एक पांच महीने के बच्चे को कुत्ते ने नोंच-नोंचकर मार डाला। बच्चे का नाम बाबूसाई बताया जा रहा है। घटना उस समय हुई, जब वह अपने घर में ही सो रहा था और उसके माता-पिता किसी काम से बाहर गए हुए थे। तभी एक कुत्ता घर के अंदर घुस आया और उस पर हमला कर दिया। पुलिस ने कहा कि शिशु को कुत्ते ने पूरे शरीर पर काट लिया था और गंभीर रक्तस्राव के कारण उसकी मौत हो गई। घटना से गुस्साए स्थानीय लोगों ने कुत्ते को मार डाला। मृत बच्चे के पिता नीलम दत्तू ने आरोप लगाया कि यह पत्थर इकाई के मालिक का पालतू कुत्ता था। हालांकि, मालिक ने इससे इनकार किया और दावा किया कि यह एक आवारा कुत्ता था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पिछले साल से तेलंगाना में दिल दहला देने वाली घटनाओं की श्रृंखला में यह नवीनतम घटना है। दिसंबर 2023 में, एक पांच महीने के शिशु पर आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया था जब वह झोपड़ी

में लावारिस सो रहा था। यह घटना हैदराबाद के शैकपेट इलाके में घटी। फरवरी में, हैदराबाद में आवारा कुत्तों के एक झुंड ने एक चार वर्षीय लड़के को मार डाला। इस घटना के बाद, नगरपालिका अधिकारियों ने आवारा कुत्तों के खतरे को रोकने के लिए नए उपायों की घोषणा की थी, लेकिन नागरिकों का कहना है कि इन उपायों से जमीनी स्तर पर कोई बदलाव नहीं हुआ है।

मार्च में खम्मम जिले में एक पांच वर्षीय लड़के की रेबीज से मौत हो गई, जिसमें आवारा कुत्तों के काटने के बाद लक्षण विकसित हुए। 19 मई को, हनमकोंडा में काजीपेट रेलवे स्टेशन के पास आवारा कुत्तों के एक झुंड ने एक आठ वर्षीय लड़के को मार डाला। अप्रैल 2022 में, हैदराबाद के गोलकोंडा के बड़ा बाज़ार इलाके में आवारा कुत्तों ने दो साल के एक लड़के कोडाला था। 14 अप्रैल को हैदराबाद में एक निर्माणाधीन अपार्टमेंट इमारत के पास खेल रही ढाई साल की बच्ची को आवारा कुत्तों ने नोच-नोच कर मार डाला था।

इस दिल दहलाने वाली घटना ने देश में कुत्तों के हमलों की घटनाओं में वृद्धि को सुर्खियों में ला दिया है। इससे पहले स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने पिछले दिसंबर में बताया था कि 2022 से 2023 तक कुत्ते के काटने की घटनाओं में साल-दर-साल 26.5 फीसदी की वृद्धि देखी गई है। इससे पहले मार्च में केंद्र ने राज्यों से पिटबुल टेरियर, अमेरिकन बुलडॉग, रॉटवीलर और मास्टिफ्स सहित कुत्तों की 23 नस्लों की बिक्री और प्रजनन पर प्रतिबंध लगाने को कहा था। निर्देश में कहा गया है कि जिनके पास पहले से ही पालतू जानवर के रूप में ये नस्लें हैं, उन्हें तुरंत इन्हें स्टरलाइज करना होगा।

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने झारखंड एवं तेलंगाना के राज्यपाल व पुडुचेरी के उपराज्यपाल सी.पी.राधाकृष्णन से राजभवन हैदराबाद में शिष्टाचार मुलाकात करते हुए। इस दौरान उनके परिवार के सदस्य भी मौजूद रहे।

श्याम बाबा के वार्षिकोत्सव के संदर्भ में गौ सेवा मित्र मंडल की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गौ सेवा मित्र मंडल रिकाब गंज भाग्यनगर द्वारा श्री समर्थ कामधेनु गौशाला, जियागुड़ा में श्री श्याम बाबा के वार्षिक उत्सव जो 26 मई को आयोजित किया जाएगा।

इस संदर्भ में में एक बैठक का आयोजन क्वालिटी इन रेजीडेंसी नामपल्ली में किया गया। बैठक में मंडल के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल एवं सदस्यों के बीच चर्चा हुई। जिसमे मनोज अग्रवाल ने बताया की हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी विशेष आकर्षण श्याम दरबार की सजावट अनोखे तरीके से किया जाएगा और गायक मनीष शर्मा कोलकाता से, संजय दाहिमा भाग्यनगर से, सुनील शर्मा भाग्यनगर से उपस्थित रहेंगे। प्रोग्राम शाम 6:01 बजे से शुरू होकर प्रभु इच्छा तक चलेगा। इसमे प्रभुदथ महराज, रामचरण महरा, टाइगर राजा सिंह, माधवी लता एवं अन्य अमंत्रित अतिथि गण उपस्थित रहेंगे। बैठक में मंडल के सदस्य मनोज अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, प्रदीप मोर, विजय अग्रवाल, शेष गोयल, रविंदर अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, सचिन कनोडिया, संजय अग्रवाल, अनिल विजयवर्गी, यश अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, अजय गुप्ता, विनोद राठी, कुणाल आदि मौजूद रहे।

सिकंदराबाद लोकसभा क्षेत्र में 92 वर्षीय रामवल्लभ फोफलिया, अपने पुत्र रमेश फोफलिया, पौत्र राहुल फोफलिया, रोहित फोफलिया एवं परपौत्र वेद फोफलिया के साथ अपने बूथ के पहले वोटर बने। सपरिवार मतदान करके लोकतंत्र का सम्मान किया।

तेलंगाना विहिप ने हिंदुओं पर हमले को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को लिखा पत्र

मतदान के दिन हुई हिंसक घटना की व्यापक जांच करने का किया आग्रह

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने मुस्लिम समुदाय के सदस्यों द्वारा कथित तौर पर हिंदुओं पर किए गए हमले के संबंध में नई दिल्ली में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) में शिकायत दर्ज कराई है।

शिकायत की एक प्रति मंगलवार को यहां मीडिया को जारी की गयी। तेलंगाना विहिप के संयुक्त सचिव डॉ. रविनुथला शशिधर ने राज्य के आसिफाबाद जिले में जैनूर मंडल के वड्डेरा बस्ती में गत 13 मई हुई हिंसक घटना पर गंभीर चिंता व्यक्त की। यह हमला कथित तौर पर चुनाव के दिन मुस्लिम समुदाय के व्यक्तियों की भीड़ द्वारा किया गया था, जिसके कारण महिलाओं और बच्चों सहित निर्दोष नागरिकों के खिलाफ क्रूरता का निंदनीय प्रदर्शन हुआ।रिपोर्टों के अनुसार, हमलावरों ने चाकू, कुल्हाड़ी, लाठियां और लोहे की छड़ें जैसे हथियारों से हमला किया, जिससे लोग गंभीर रूप से घायल हुए और पीड़ितों में दहशत फैल गई।

डॉ. शशिधर ने एनएचआरसी से तत्काल हस्तक्षेप करने और मामले की व्यापक जांच शुरू करने का आग्रह किया। उन्होंने आयोग से हमले की साजिश रचने और उसे अंजाम देने के लिए जिम्मेदार लोगों के लिए कानून के मुताबिक त्वरित न्याय सुनिश्चित करने का आग्रह किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने आयोग से प्रभावित व्यक्तियों और उनके परिवारों को चिकित्सा देखभाल, पुनर्वास और कानूनी सहायता सहित आवश्यक सहायता प्रदान करने का आह्वान किया।डॉ. शशिधर ने देश के सभी नागरिकों के लिए मानवाधिकार, न्याय और समानता के सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए आयोग की अटूट प्रतिबद्धता पर भरोसा जताया। उन्होंने कानून के शासन में विश्वास बहाल करने और लोकतांत्रिक लोकाचार की पवित्रता को बनाए रखने के लिए त्वरित और निर्णायक कार्रवाई के महत्व पर जोर दिया।

राहुल फोफलिया एवं स्वाति फोफलिया ने सिकंदराबाद में मत्तदान किया।

डॉक्टरों ने अधेड़ के मुंह में फंसी मटन की हड्डी को सफलतापूर्वक निकाला

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। एलबी नगर स्थित कामिनेनी अस्पताल के डॉक्टरों ने एक अधेड़ व्यक्ति की आहारनली में फंसी मटन की हड्डी को निकालने में सफलता हासिल की। अस्पताल के सूत्रों द्वारा मंगलवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, एक विचित्र घटना में, यदाद्री भुवनगिरी जिले के कक्किरेन गांव के निवासी श्रीरामुलु (66) ने करीब एक महीने पहले शादी में मटन खाते समय 3.5 सेंटीमीटर की हड्डी निगल ली। हड्डी निगलने का प्रमुख कारण उनके दांत नहीं होना था। समय बीतने के साथ-साथ उनको सीने में दर्द के साथ-साथ खाना खाने में दिक्कत होने लगी। उन्होंने नार्केटपल्ली के कामिनेनी अस्पताल के डॉक्टरों से परामर्श लिया, जहां उनका एंडोस्कोपी किया गया, जिसमें पता चला कि हड्डी उनकी आहार नली में फंसी हुई है।अस्पताल सूत्रों के मुताबिक, उन्हें एलबी नगर कामिनेनी अस्पताल में स्थानांतरित किया गया, जहां सलाहकार मेडिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. राधिका निट्टाला और उनकी टीम ने एंडोस्कोपिक के माध्यम से आहारनली में फंसी हड्डी को दो भागों में विभाजित करके सफलतापूर्वक बाहर निकाला।डॉ. राधिका निट्टाला ने मामले की जटिलताओं के बारे में विस्तार से बताया, लंबे समय तक आहारनली में हड्डी फंसे होने के कारण श्रीरामुलु की हालत गंभीर थी। हड्डी के कारण उनकी आहारनली की दीवार में छेद हो गया था, जिससे उन्हें अल्सर हो गया। समय रहते, एंडोस्कोपिक के माध्यम से हड्डी को दो भागों में काटकर निकाला गया।उन्होंने कहा, अगर हड्डी को समय पर नहीं हटाया गया होता, तो अल्सर के कारण आहारनली में और बड़ा छेद हो जाता, जिससे बड़ी सर्जरी की आवश्यकता होती। हम इसे हटाने के दौरान सावधानीपूर्वक एंडोस्कोपिक के माध्यम से इस समस्या को टालने में कामयाब रहे।

अग्रवाल समाज श्याम मन्दिर शाखा की वार्षिक साधारण सभा आयोजित

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज श्याम मन्दिर शाखा की वार्षिक साधारण सभा बीते रविवार को श्री नगर कॉलोनी स्थित होटल विन फ्लोरा रेजीडेंसी मे मनाई गई। सभा में शाखा के करीब 130 सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन कोमल अग्रवाल ने किया। मातृ दिवस के उपलक्ष्य में उपस्थित सभी मातृ शक्ति का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत महाराज श्री अग्रसेन जी की पूजा अर्चना के बाद पांच पदाधिकारियों और केंद्रीय समिति से पधारे अध्यक्ष मनीष अग्रवाल एवं पुरषोत्तम अग्रवाल का स्वागत पुष्प गुच्छ द्वारा किया गया।

अध्यक्ष सीमा मोदी ने अपने संबोधन में सभी शाखा सदस्यों का शाखा द्वारा की जाने वाली गति विधियों में बढ़चढ़ कर भाग लेने और हर प्रोग्राम में उत्साह के साथ आयोजकों का हौसला बढ़ाने पर आभार प्रकट किया। मानद मंत्री पीयूष अग्रवाल ने शाखा के वर्ष 2023-2024 की गतिविधियों का विस्तार से विवरण प्रस्तुत किया। अगस्त 2023 मे तीन दिन का कर्नाटक स्थित ऐतिहासिक शहर हम्पी का दौरा किया गया।

दिसंबर 2023 मे मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया जिसका करीब 200 लोगों ने लाभ उठाया। जनवरी 2024 में शाखा के रजत जयंती वर्ष केसीआर रिसोर्ट में पतंग उत्सव के साथ बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। सुरेशजी अग्रवाल ने वित्तीय वर्ष 2023-2024 के आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया जिसे सभी सदसयो ने सहमति से पास किया। धन्यवाद ज्ञापन संयुक्त मंत्री सिध्दर्थ गोयल ने दिया। कार्यक्रम के अंतर्गत मैजिक शो का भी आयोजन किया गया।

सभी बच्चो ने इसका बहुत ही आनंद लिया। सभी आयु वर्ग के लिए विभिन्न प्रकार के गेम्स और तम्बोला का भी आयोजन किया गया और विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। होटल विन फ्लोरा के स्वादिष्ट भोजन एवं बेहतरीन सर्विस ने सभी का मन जीत लिया।

कार्यक्रम मे नवीन अग्रवाल, भगवती प्रसाद अग्रवाल, रमेशजी अग्रवाल, सुनील मोदी, कविता गोयल, सुरेश सिंघल तथा अन्य सभी कार्यकारणी सदस्य उपस्थित रहे।

तेलंगाना चुनाव में बीआरएस करेगी कांग्रेस, भाजपा दोनों से अच्छा प्रदर्शन : केटीआर

सिरिसिला, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने भरोसा जताया कि सोमवार को हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कड़े प्रयासों के बावजूद उनकी पार्टी दोनों पार्टियों की तुलना में ज्यादा सीटें प्राप्त करेगी।

सिरिसिला में मंगलवार को मीडिया को संबोधित करते हुए केटीआर ने कहा, कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा और कांग्रेस के साथ हमारी प्रतिस्पर्धा हुई। किसी भी सीट को जीतने के शुरुआती संदेह होने के बावजूद, हमारी गुलाबी ब्रिगेड ने कांग्रेस और भाजपा दोनों को कड़ी टक्कर दी है।केटीआर ने क्षेत्रीय दलों के बढ़ते प्रभाव पर बल दिया, उन्हें राष्ट्रीय राजनीति में निर्णायक शक्ति के रूप में देखा, जबकि कांग्रेस और भाजपा की बहुमत प्राप्त करने की क्षमता पर सवाल उठाया। उन्होंने कई क्षेत्रों में डमी उम्मीदवारों को मैदान में उतरने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने कांग्रेस पर बीआरएस को

कमजोर करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने ग्रामीण समुदायों से बीआरएस को प्राप्त समर्थन पर भी प्रकाश डाला, जिसमें उन्होंने रायतू भरोसा को मंजूरी नहीं देने पर किसानों में व्याप्त असंतोष और 2,500 रुपए का वितरण नहीं करने सहित अधूरे वादों पर महिलाओं के गुस्से का हवाला दिया।

पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर के प्रयासों को स्वीकार करते हुए, केटीआर ने पार्टी की सफलता का श्रेय केसीआर की व्यापक बस यात्रा को दिया, जो पूरे राज्य के मतदाताओं द्वारा पसंद किया गया। पार्टी कार्यकर्ताओं, समर्थकों और सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए केटीआर ने पार्टी की जीत सुनिश्चित करने में उनके अथक प्रयासों को स्वीकार किया।

केटीआर ने आशा व्यक्त किया कि लोकसभा चुनावों में प्राप्त सफलता भविष्य के स्थानीय निकाय और नगरपालिका चुनावों में सफलता के रूप में दिखेगी, जो पार्टी के निरंतर विकास और प्रभाव में एक मजबूत नींव तैयार करेगी। केटीआर ने उन सभी लोगों को धन्यवाद दिया जिन्होंने पार्टी की सफलता में योगदान दिया और तेलंगाना के हितों के लिए पार्टी की प्रतिबद्धता को दोहराया।

भारतीय जनता पार्टी के तेलंगाना प्रभारी (संगठन) चंद्रशेखर एवं आनंद शर्मा (बसईवालले) मंगलवार को विकाराबाद स्थित पद्मास्वामी के दर्शन-वंदन कर राष्ट्र की उन्नति की प्रार्थना की।

लव फॉर काऊ फाउंडेशन के मोमेंटो द्वारा डॉ.जसवंत पटेल एमडी सर्जन कैलिफोर्निया दिनेश देसाई न्यूयॉर्क का स्वागत करते हुए उमिया परिवार के जयंतीलाल पटेल, लोकेश पटेल, यश पटेल आदि।

तेलंगाना की 17 लोकसभा सीटों पर 64.93 प्रतिशत मतदान

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में 64.93 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जहां सभी 17 लोकसभा सीटों के लिए 13 मई को मतदान हुआ था। आधी रात को चुनाव आयोग ने अनुमानित मतदान 64.93 प्रतिशत बताया। अंतिम आंकड़ा अभी घोषित होना बाकी है। शाम पांच बजे तक 61.16 प्रतिशत मतदान हुआ। हालांकि मतदान शाम 6 बजे समाप्त हो गया, कतारों में खड़े लोगों को वोट डालने की अनुमति दी गई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) विकास राज के मुताबिक, मतदान प्रक्रिया शाम छह बजे के बाद भी जारी रही।

नवंबर 2023 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान

तेलंगाना में 71.34 प्रतिशत मतदान हुआ था। 2019 के लोकसभा चुनाव में मतदान 62.11 प्रतिशत था। सोमवार को राज्य भर में 3.17 करोड़ से कुछ अधिक मतदाता, जिनमें आधी महिलाएं थीं, वोट डालने के पात्र थे। भोंगिर लोकसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 76.47 प्रतिशत मतदान हुआ। हैदराबाद में सबसे कम 46.08 प्रतिशत मतदान हुआ।शहरी निर्वाचन क्षेत्रों में ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कम मतदान हुआ। सिकंदराबाद में 48.11 फीसदी मतदान हुआ. मल्काजगिरि और चेवेल्ला में क्रमश: 50.12 प्रतिशत और 55.45 प्रतिशत मतदान हुआ। सीईओ ने कहा कि कानून-व्यवस्था को लेकर भी कोई समस्या नहीं है। उन्होंने कहा कि

शहरी निर्वाचन क्षेत्रों में ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कम हुआ मतदान
भोंगिर में सर्वाधिक 76.47% और हैदराबाद में सबसे कम 46.08% वोटिंग

सोमवार को विभिन्न कारणों से और विभिन्न राजनीतिक दलों के खिलाफ 38 प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की गईं। पांच लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के तहत 13 वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) प्रभावित क्षेत्रों में मतदान शाम 4 बजे समाप्त हो गया। शेष 106 खंडों में यह शाम 6 बजे तक जारी रहा। 17 लोकसभा क्षेत्रों में 525 उम्मीदवारों का राजनीतिक भविष्य इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) में कैद हो गया है। नतीजे जानने के लिए उन्हें 4 जून तक इंतजार करना होगा।

मल्काजगिरी लोकसभा क्षेत्र का एक हिस्सा, सिकंदराबाद छावनी विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए भी वोट डाले गए। विधानसभा चुनाव में चुने जाने के ठीक तीन महीने बाद फरवरी 2024 में बीआरएस की मौजूदा विधायक लस्या नंदिता की सड़क दुर्घटना में मृत्यु के बाद यह रिक्ति पैदा हुई। विधानसभा उपचुनाव के लिए पंद्रह उम्मीदवार मैदान में थे। इस सीट पर 50.34 प्रतिशत मतदान हुआ।

छिटपुट घटनाओं को छोड़कर पूरे राज्य में मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। भाजपा की हैदराबाद उम्मीदवार के. माधवी लता के खिलाफ पुलिस ने तब मामला दर्ज किया था, जब उन्होंने मलकपेट में एक मतदान केंद्र पर बुर्का पहने कुछ मुस्लिम महिला मतदाताओं की पहचान की जांच की और उन्हें बुर्का उतारने के लिए कहा।मतदान के लिए सभी 17 लोकसभा क्षेत्रों में कुल 35,809 मतदान केंद्र बनाए गए थे। सिकंदराबाद निर्वाचन क्षेत्र में उम्मीदवारों की अधिकतम संख्या 45 है। मेडक में कुल 44 उम्मीदवार मैदान में हैं, इसके बाद चेवेल्ला में 43 और पेद्दापल्ले (एससी) और वारंगल (एससी) निर्वाचन क्षेत्रों में 42-42 उम्मीदवार हैं। आदिलाबाद (एसटी) निर्वाचन क्षेत्र में केवल 12 उम्मीदवार हैं। केंद्रीय मंत्री और राज्य भाजपा अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी सिकंदराबाद से फिर से चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और करीमनगर से मौजूदा सांसद बंदी संजय कुमार फिर से उसी सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डी.के. अरुणा महबूबनगर से चुनाव लड़ रहे हैं। एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन औवेसी हैदराबाद से लगातार पांचवीं बार चुनाव लड़ रहे हैं। 2019 के चुनाव में बीआरएस ने नौ सीटें जीती थीं जबकि बीजेपी को चार सीटें मिली थीं। कांग्रेस तीन सीटें जीत सकी जबकि एआईएमआईएम ने एकमात्र सीट बरकरार रखी।

बीआरएस का जल्द ही कांग्रेस में में हो सकता है विलय : लक्ष्मण

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य डॉ. लक्ष्मण ने मंगलवार को कहा कि तेलंगाना में विपक्षी दल भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) का जल्द ही कांग्रेस पार्टी में मिल सकती है। उन्होंने यहां राज्य पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में संवाददाताओं के समक्ष बीआरएस की वर्तमान स्थिति की तुलना आउट-ऑफ-कमीशन कार (बीआरएस चुनाव चिह्न) से की। डॉ. लक्ष्मण ने कहा कि भाजपा तेलंगाना में बहुमत से सीटें

हासिल करेगी।

डॉ. लक्ष्मण ने चुनाव के पहले चार चरणों में भाजपा की सफलता की ओर इशारा करते हुए विपक्षी कांग्रेस पार्टी की संभावनाओं पर संदेह व्यक्त किया। भाजपा नेता ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की आलोचना की और उन पर अपनी वोट-बैंक नीतियों और झूठे वादों के साथ राज्य को कर्ज में डुबाने का आरोप लगाया।उन्होंने किसानों के लिये दो लाख रुपये तक की फसल ऋण माफी के कार्यान्वयन तक राज्य सरकार से लड़ने की भाजपा की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

तेलंगाना में बिजली कड़कने, धूलभरी आंधी और गरज के साथ बौछार पड़ने के आसार

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में अगले पांच दिनों के दौरान विभिन्न हिस्सों में बिजली कड़कने और धूलभरी आंधी चलने तथा गरज के साथ छींटें पड़ने का अनुमान जताया गया है। मौसम विभाग ने मंगलवार को बताया कि राज्य में कुछ जगहों पर अगले सात दिनों के दौरान हल्की बारिश और 30-40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार के साथ धूल भरी

आंधी तथा कुछ स्थानों पर गरज के साथ बौछार पड़ सकती हैं।

विभाग ने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के एक या दो स्थान पर बारिश हुई। खम्मम और निजामाबाद में सोमवार को उच्चतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

शिक्षकों पर लाठीचार्ज करने वाले नारायणखेड आरडीओ पर कार्रवाई की मांग

काग़ज़नगर 14 मई (शुभ लाभ ब्युरो)।

तेलंगाना राज्य यूनाइटेड टीचर्स फेडरेशन (टीएसयूटीएफ़) ने चुनाव कर्तव्यों में शामिल कर्मचारियों को नियमों के अनुसार पारिश्रमिक देने के लिए कहने वाले शिक्षकों पर पुलिस लाठीचार्ज की कड़ी निंदा की। जिसकी टीएस यूटीएफ ने आरडीओ और पुलिस के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

टीएस यूटीएफ कोमाराम भीम के जिला अध्यक्ष और महासचिव वैद्य शांति कुमारी सोयाम इंदु राव ने पुलिस लाठीचार्ज की कड़ी निंदा की।

राज्य भर के सभी निर्वाचन क्षेत्रों में एक समान पारिश्रमिक देने के लिए, पीओ, एपीओ के लिए प्रति दिन 600 रुपये और ओपीओ के लिए प्रति दिन 400 रुपये, राज्य सरकार जीओ नं. 61 इसी महीने की 11 तारीख को रिलीज हुई थी।

उस आदेश के अनुसार, मेदक निर्वाचन क्षेत्र के तहत मेदक, नरसापुर, सिद्दिपेट और गजवेल निर्वाचन क्षेत्रों में पीओ और एपीओ को 3,150 रुपये का भुगतान किया गया, जबकि नारायणखेड में केवल 2400 रुपये दिए गए।

टीएस यूटीएफ के राज्य कोषाध्यक्ष टी. लक्ष्मारेड्डी और अन्य शिक्षक उसी संसदीय क्षेत्र में पारिश्रमिक भुगतान में अंतर का कारण पूछने पर आरडीओ के आदेश पर पुलिस द्वारा अंधाधुंध लाठीचार्ज से कई शिक्षक घायल हो गए। टीएस यूटीएफ के अध्यक्ष और महासचिव वैद्य शांताकुमारी और सोयम इंदु राव ने नियमों का उल्लंघन करने और पूछताछ करने वाले शिक्षकों के साथ दुर्व्यवहार करने वाले आरडीओ और पुलिस के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

कोत्तापल्ली श्रीनिवास ने सभी लोगों को धन्यवाद दिया

काग़ज़नगर 14 मई (शुभ लाभ ब्युरो) ।

कोमुरमभीम जिला भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष डॉ. कोत्तापल्ली श्रीनिवास कोमुरम भीम जिले के कागजनगर कस्बे में सिरपुर टी निर्वाचन क्षेत्र के विधायक डॉ. पलवई हरीश बाबू के आवास पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया।

तत्पश्चात जिला अध्यक्षों ने बात की और आदिलाबाद संसदीय क्षेत्र के लिए भाजपा उम्मीदवार गोडोम नागेश को वोट दिया, जो चाहते थे कि नरेंद्र मोदी फिर से प्रधानमंत्री बनें। उन्होंने नेताओं, कार्यकर्ताओं, प्रशंसकों, लोगों और उन सभी को धन्यवाद दिया जिन्होंने अपने अधिकार का प्रयोग किया।उक्त कार्यक्रम में राज्य कार्यकारी समिति के सदस्य कोंगा सत्यनारायण, जिला उपाध्यक्ष एर्ला विश्वेश्वर राव, तालुका संयोजक वीरभद्रचारी, ओबीसी मोर्चा राज्य कार्यकारी समिति के सदस्य गोलम वेंकटेश, टाउन अध्यक्ष सिंदम श्रीनिवास, दहेगम मंडल अध्यक्ष रपर्थी धनुंजय, वरिष्ठ नेताओं और अन्य लोगों ने भाग लिया।

चना खरीदी केंद्र पर किसानों का हंगामा

सिरपुर काग़ज़नगर 14 मई (शुभ लाभ ब्युरो)।

कोमुराम भीम आसिफाबाद जिला दहेगाम मंडल ओड्डुगुडा गांव के किसानों ने चना व अनाज खरीद केंद्र पर विरोध प्रदर्शन किया। किसानों ने कहा कि धान खरीद के वजन में फर्जीवाड़ा पकड़ा गया है। प्रति बोरी दो से तीन किलो वजन में घपला हो रहा हैं। उन्होंने फर्जीवाड़ा रोकने की मांग को लेकर धरना दिया और तुरंत इसे रोकने की मांग की।

चेरियाल में वोट डालने के बाद 75 वर्षीय महिला की मौत

सिद्दीपेट 14 मई (शुभ लाभ ब्युरो) । वोट देने वाली एक बुजुर्ग महिला आई सरोजना (75) की सोमवार को चेरियाल शहर के बॉयज़ हाई स्कूल में मतदान केंद्र से बाहर आते समय दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। वह पेद्दाम्मा गड्डा इलाके की रहने वाली थी और अपने परिवार के सदस्यों की मदद से चलकर मतदान केंद्र तक पहुंची थी।

वोट डालने के बाद उन्होंने सीने में दर्द की शिकायत की और गिर गईं, जिससे मतदान केंद्र पर मौजूद सभी लोग सदमे में आ गए। उनके परिवार के सदस्यों ने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद उन्होंने वोट डालने पर जोर दिया. चेरियाल शहर जनगांव विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जो भुवनागिरी लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है।

छत्रपति संभाजी महाराज की 367वीं जयंती मनाई गई

किनवट, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

छत्रपति संभाजी महाराज युवाओं के लिए प्रेरणादायक है, उनकी देशभक्ति एवं स्वाभिमानी वृत्ति को आज के युवा आत्मसात करें। उक्त उद्गार कृउबा पूर्व सभापति तथा संचालक अनिल पाटील ने मंगलवार को एसवीएम कौलोनी में आयोजित छत्रपति संभाजी महाराज की 367वीं जयंती समारोह मे बोल रहे थे। कार्यक्रम का आरंभ छत्रपति संभाजी महाराज की प्रतिमा पर अनिल पाटील, मप परिषद जिला उपाध्यक्ष फुलाजी गरड, परिषद के कोर कमेटी सल्लागार किशन भोयर, मराठा सेवा संघ अध्यक्ष प्रा दगडू भरकड ने माल्यार्पण कर उनका अभिवादन किया गया। इस अवसर पर मराठा सेवा संघ के प्रा. शिवदास बोकडे, शामराव फालके,सुशील कदम, कृउबा संचालक बालाजी बामणे, मराठी पत्रकार परिषद अध्यक्ष प्रमोद पोहरकर ,किरण ठाकरे, माधव सुर्यवंशी, बबन वानखेडे, संजय पवार, अजय कदम, राजू सातुरवार, सचिन कद, शुभम हसबे, सुमित माने, साई पालकवाड व अन्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचलन प्रा. दगडू भरकड ने और आभार संभाजी ब्रिगेड जिला प्रसिद्ध प्रमुख बालाजी सिरसाट ने माना। छत्रपति संभाजी महाराज जयंती कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मराठा सेवा संघ, संभाजी ब्रिगेड,सकल मराठा समाज और मराठी पत्रकार परिषद के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने परिश्रम किया।

आईएमए अध्यक्ष को बिना शर्त माफी से सुप्रीम इनकार, कहा–

आप अदालत की खिल्ली नहीं उड़ा सकते : सर्वोच्च न्यायालय

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष की बिना शर्त माफी को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। साथ ही उनसे कई कड़े सवाल भी पूछे। दरअसल, हाल ही में आईएमए अध्यक्ष आर वी अशोकन ने पंतजलि आयुर्वेद वाले मामले में एक साक्षात्कार के दौरान सर्वोच्च अदालत को लेकर गंभीर टिप्पणी की थी।

न्यायमूर्मित हिमा कोहली और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने अशोकन से कहा कि आप सोफे पर बैठकर प्रेस को साक्षात्कार देते हुए अदालत की खिल्ली नहीं उड़ा सकते। अदालत ने साफ किया कि वे उनके बिना शर्त माफी वाले हलफनामे को स्वीकार नहीं करेगी। अदालत ने कहा कि हम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और अधिकारों का समर्थन करते हैं। लेकिन कई बार आत्म संयम बरतने की आवश्यकता होती है, जो हमें आपके साक्षात्कार में नहीं

दिखी। दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि आपका आचरण ऐसा नहीं है कि हम इतनी आसानी से माफ कर सकें। उन्होंने पूछा कि आपने एक लंबित मामले में बयान क्यों दिया, जिसमें आईएमए याचिकाकर्ता है। आपके पास लंबा अनुभव है। आप आईएमए अध्यक्ष हैं। ऐसे में आपसे उम्मीद की जाती है कि आप जिम्मेदारी से बात करेंगे। आप आपनी आंतरिक भावनाओं को इस तरह प्रेस में व्यक्त नहीं कर सकते। वह भी अदालत के आदेश के खिलाफ। आपके बयान दुर्भाग्यपूर्ण हैं।

अदालत ने कहा कि आईएमए ने ही पतंजलि आयुर्वेद को कोर्ट में घसीटा था। आईएमए ने ही दावा किया था कि वे पूरी दुनिया को धोखा दे रहे हैं। एलोपैथी को गलत तरीके से पेश कर रहे हैं। एलोपैथी को बदनाम किया जा रहा है। कोर्ट ने कहा कि आप जानते हैं कि आपने जो भी यहां दलील दी हमने उसे गंभीरता से लिया। दूसरे पक्ष को अदालत में बुलाया। उनकी माफी को भी हमने कई बार अस्वीकार किया है। अशोकन के हलफनामे से अदालत खुश नहीं है। सिर्फ हम कृपालु हैं, इसका मतलब यह नहीं कि कोई कुछ भी कहकर बच सकता है।

अदालत ने कहा कि आप किस तरह का उदाहरण स्थापित कर रहे हैं। आपने सार्वजनिक माफी क्यों नहीं मांगी। आपने यहां आने का इतंजार क्यों किया। आप न्यायाधीशों की आलोचना कर सकते हैं। न्यायाधीश व्यक्तिगत आलोचना पर प्रतिक्रिया नहीं देते क्यों कि उनमें अहंकार नहीं है।

हम व्यक्तिगत रूप से उदार हैं। हम इसे अन्यथा नहीं लेते। हमारे पास अधिकार हैं फिर भी हम शांत रहते हैं। लेकिन आपने संस्था पर हमला किया है।

बता दें कि शीर्ष अदालत 2022 में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसमें कोविड टीकाकरण और आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के खिलाफ एक दुष्प्रचार अभियान चलाने का आरोप लगाया गया है।

रामदेव और बालकृष्ण की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने पीठ से कहा कि वे अपनी गलतियों के लिए बिना शर्त माफी मांगते हुए अतिरिक्त विज्ञापन भी जारी करेंगे। उन्होंने देश भर के 67 समाचार पत्रों में अब तक माफीनामा प्रकाशित कराया है।

सुशील मोदी पंचतत्व में हुए विलीन नम आंखों से दी गई विदाई

पटना, 14 मई (एजेंसियां)।

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य रहे सुशील कुमार मोदी का पार्थिव शरीर आज पंचतत्व में विलीन हो गया।

श्री मोदी का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ मंगलवार को देर शाम पटना में गंगा नदी के किनारे दीघा घाट पर किया गया। 'जब तक सूरज चांद रहेगा सुशील मोदी तेरा नाम रहेगा' और 'सुशील मोदी अमर रहे' के नारों के बीच उनके बड़े बेटे उत्कर्ष ने उन्हें मुखाग्नि दी ।

इस मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा के अलावा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के कई वरिष्ठ नेता, मंत्री तथा विधायक मौजूद थे ।

इससे पहले श्री सुशील मोदी के पार्थिव शरीर को मंगलवार करीब 2:20 बजे दिल्ली से पटना हवाईअड्डा लाया गया। हवाईअड्डा पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। उनका पार्थिव शरीर हवाईअड्डा से सीधे राजेंद्र नगर स्थित उनके आवास पर ले जाया गया, जहां उनके परिवार के लोगों और प्रशंसकों ने श्रद्धांजलि दी । इसके बाद श्री मोदी का पार्थिव शरीर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यालय ले जाया गया। वहां से बिहार विधानमंडल परिसर और फिर पार्टी के प्रदेश कार्यालय ले जाया गया, जहां उन्हें श्रद्धांजलि दी गई ।गौरतलब है कि श्री मोदी का सोमवार को नई दिल्ली के एम्स में निधन हो गया था । वह कैंसर से पीड़ित थे।

भीमा कोरेगांव हिंसा: सुप्रीम कोर्ट ने गौतम नवलखा को दी नियमित जमानत

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने 72 साल से अधिक उम्र के मानवाधिकार कार्यकर्ता गौतम नवलखा को 2018 भीमा कोरेगांव हिंसा से कथित तौर पर माओवादियों से संबंध होने के आरोप के एक मामले में मंगलवार को नियमित जमानत दे दी।

न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एस वी एन भट्टी की पीठ ने आरोपी नवलखा की उनके घर में नजरबंदी के अपने पिछले आदेश में संशोधन किया और इसमें हुए खर्च के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी को 20 लाख रुपये के भुगतान की शर्त पर जमानत देने की उन्हें अनुमति दी। इससे पहले शीर्ष अदालत ने नवलखा से कहा था कि वह अपनी नजरबंदी के दौरान उन्हें दी गई सुरक्षा के लिए एनआईए को 1.64 करोड़ रुपये का भुगतान करें।

पीठ ने अपने आदेश में कहा कि नवलखा चार साल से जेल में बंद है। उनकी उम्र 72 साल से अधिक है। फिलहाल उनके खिलाफ आरोप तय नहीं हुए हैं। मुकदमे में कोई फैसला आने में कई साल लगेंगे, क्योंकि 370 से अधिक गवाहों से पूछताछ की जानी है। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने नवलखा की रिहाई का विरोध करते हुए आरोप लगाया, वह (नवलखा) राष्ट्रविरोधी है। वह कश्मीर को भारत से अलग करने की मांग कर रहे थे। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह बॉम्बे उच्च न्यायालय द्वारा उन्हें दी गई जमानत पर रोक को आगे नहीं बढ़ाएगी। न्यायमूर्ति के एम जोसेफ (अब सेवानिवृत्त) की अगुवाई वाली शीर्ष अदालत की पीठ ने 10 नवंबर 2022 को बुजुर्ग नवलखा के बिगड़ते स्वास्थ्य का संज्ञान लेते हुए उन्हें अपने घर में नजरबंद करने की अनुमति दी थी। बॉम्बे उच्च न्यायालय ने दिसंबर 2023 में उन्हें जमानत दी थी, लेकिन शीर्ष अदालत के समक्ष अपील दायर करने के एनआईए के अनुरोध पर उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी गई थी।

प्रवर्तन एजेन्सियों के नाम पर साइबर अपराध करने वालों की तुरंत शिकायत करें लोग : गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)।

केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने प्रवर्तन एजेन्सियों के नाम पर लोगों को धमकी, ब्लैकमेल, जबरन वसूली और डिजिटल अरेस्ट जैसी वारदातों को अंजाम देने वाले साइबर अपराधियों की जालसाजी से सावधान रहने और इनके बारे में जागरूकता फैलाने तथा इसकी शिकायत तत्काल साइबर अपराधी हेल्पलान पर करने की सलाह दी है।

मंत्रालय ने कहा है कि राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर साइबर अपराधियों द्वारा पुलिस अधिकारियों, केंद्रीय जांच ब्यूरो , नारकोटिक्स विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक, प्रवर्तन निदेशालय और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अधिकारियों के नाम पर धमकी, ब्लैकमेल, जबरन वसूली और 'डिजिटल अरेस्ट' जैसी वारदातों को अंजाम देने के संबंध में बड़ी संख्या में शिकायतें

दर्ज की जा रही हैं।

सरकार की ओर से नागरिकों को इस प्रकार की जालसाज़ी से सावधान रहने और इनके बारे में जागरुकता फैलाने की सलाह दी जाती है। ऐसी कॉल आने पर नागरिकों को तत्काल साइबरक्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 या साइबरक्राइमडॉटगोवडॉडइन पर सहायता के लिए इसे रिपोर्ट करना चाहिए। ये धोखेबाज आमतौर पर संभावित पीड़ित को कॉल करते हैं और कहते हैं कि पीड़ित ने कोई पार्सल भेजा है या प्राप्त किया है जिसमें अवैध सामान, ड्रग्स, नकली पासपोर्ट या कोई अन्य प्रतिबंधित वस्तु है। कभी-कभी, वे यह भी सूचित करते हैं कि पीड़ित का कोई करीबी या प्रिय व्यक्ति किसी अपराध या दुर्घटना में शामिल पाया गया है और उनकी हिरासत में है। ऐसे कथित केस में समझौता करने के लिए पैसे की मांग की जाती है। कुछ मामलों में, पीड़ितों को डिजिटल अरेस्ट का सामना करना पड़ता है और उनकी मांग पूरी न होने तक पीड़ित को स्काइप या अन्य वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्लेटफॉर्म पर धोखेबाजों के लिए उपलब्ध रहने पर मजबूर किया जाता है। ये जालसाज़ पुलिस स्टेशनों और सरकारी कार्यालयों की तर्ज पर बनाए गए स्टूडियो का उपयोग करने में माहिर होते हैं और असली दिखने के लिए वर्दी पहनते हैं।

मंत्रालय का कहना है कि देशभर में कई पीड़ितों ने ऐसे अपराधियों के जाल में फंस कर बड़ी मात्रा में धन गंवाया है। यह एक संगठित ऑनलाइन आर्थिक अपराध है और ऐसा माना जाता है कि इसे सीमापार आपराधिक सिंडिकेट द्वारा संचालित किया जाता है। गृह मंत्रालय के तहत भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी), देश में साइबर अपराध से निपटने से संबंधित गतिविधियों का समन्वय करता है। गृह मंत्रालय इन साइबर अपराधों से निपटने के लिए अन्य मंत्रालयों और उनकी एजेंसियों, भारतीय रिजर्व बैंक तथा अन्य संगठनों के साथ मिलकर काम कर रहा है। आई4सी ऐसे मामलों की पहचान और जांच के लिए राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों के पुलिस अधिकारियों को इनपुट और तकनीकी सहायता भी प्रदान कर रहा है।आई4सी ने माइक्रोसॉफ्ट के सहयोग से ऐसी गतिविधियों में शामिल एक हजार से अधिक स्काइप आईडी को भी ब्लॉक कर दिया है। यह धोखेबाजों द्वारा उपयोग किए जाने वाले सिम कार्ड, मोबाइल उपकरणों और म्यूल खातों को ब्लॉक करने में भी मदद कर रहा है। आई4सी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म साइबरदोस्त पर इन्फोग्राफिक्स और वीडियो के माध्यम से एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से विभिन्न अलर्ट भी जारी किए हैं।

कार्टून कॉर्नर

शेयर मार्केट

बीएसई : 73,104.61
+328.48 +0.45% ↑
एनएसई :22,217.85
113.80 (0.51%) ↑

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 74,460/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 86,330/-
(प्रति किलोग्राम)

एमडीएल के स्थापना दिवस पर अरमाने ने छोटी पनडुब्बी के प्रोटोटाइप का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)।

रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) के 250वें स्थापना दिवस के मौके पर मंगलवार को मुंबई में एक छोटी पनडुब्बी के प्रोटोटाइप, सौर इलेक्ट्रिक हाइब्रिड नौका और ईंधन-सेल इलेक्ट्रिक फेरी (नौका) का उद्घाटन किया।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार एमडीएल के स्थापना दिवस को यादगार बनाने के लिए श्री अरमाने की अध्यक्षता में मुंबई में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में मुंबई पोर्ट अथॉरिटी से अधिग्रहित भूमि का उद्घाटन, स्वदेशी छोटी पनडुब्बी के एक प्रोटोटाइप का जलावतरण, सौर इलेक्ट्रिक हाइब्रिड नौका और ईंधन सेल इलेक्ट्रिक फेरी की कमीशनिंग, एमडीएल का स्मारक सिक्का जारी करना और तकनीकी सेमीनार का आयोजन आदि शामिल है।

रक्षा सचिव ने एमडीएल को देश का एक अनमोल रत्न करार करार देते हुए कहा कि इसने नौसेना के साथ-साथ वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए क्षमताओं का निर्माण करके देश की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा में बहुत योगदान दिया है। उन्होंने एमडीएल की सराहना करते हुए कहा कि यह देश का सबसे बड़ा शिपयार्ड है, जो भारतीय नौसेना की अधिकांश परिसंपत्तियों के निर्माण मे योगदान देता है, जिसका एक बड़ा निर्यात बाजार है और विदेशी कंपनियों के साथ सहयोग है।

श्री अरमाने ने कहा कि भारत हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और निजी क्षेत्र को देश की विकास गाथा का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित करके देश की समुद्री जहाज निर्माण क्षमताओं को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने रक्षा क्षेत्र आत्मनिर्भरता हासिल करने के महत्व का उल्लेख करते हुए एमडीएल को युद्धपोत निर्माण प्रौद्योगिकी में अपनी वास्तविक क्षमता से आगे बढने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने शिपयार्ड से निजी क्षेत्र के साथ काम करने और घरेलू जरूरतों के साथ-साथ मित्र राष्ट्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समुद्री जहाज निर्माताओं का एक संघ बनाने का आग्रह किया।रक्षा सचिव ने अरब सागर में अपने अभियानों को पूरा करने के साथ साथ अपने क्षेत्र और उसके आस पास सुरक्षा प्रदान करने में भारतीय नौसेना द्वारा निभाई जा रही प्रमुख भूमिका पर प्रकाश डाला।

केन्द्रीय राजस्व भवन में आग से एक कर्मचारी की मौत

नयी दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)।

राजधानी दिल्ली स्थित केंद्रीय राजस्व भवन में आज आग लग गयी जिसमें एक कर्मचारी की मौत हो गयी जबकि कोई भौतिक रिकॉर्ड क्षतिग्रस्त नहीं हुआ है।

वित्त मंत्रालय ने एक्स पर इस घटना की जानकारी देते हुये कहा कि आग कमरा नंबर 325 और निकटवर्ती कमरा में लगी जिसका मुख्य रूप से प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जाता है। घटना की जानकारी होते ही तुरंत निकासी की गई और अग्निशमन दल को तुरंत बुलाया गया।उसने कहा कि करदाताओं से संबंधित कोई डेटा क्षतिग्रस्त नहीं हुई क्योंकि सभी आयकर रिटर्न ऑनलाइन दाखिल किए जा रहे हैं और सभी संबंधित कार्यवाही भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से की जा रही हैं।

हालांकि आग पर अब काबू पा लिया गया है, लेकिन कारण का पता लगाया जा रहा है।

नर्मदा नदी में डूबे आठ पर्यटक, एक को बचाया गया

नर्मदा, 14 मई (एजेंसियां)।

गुजरात में नर्मदा जिले के राजपीपणा के पोइचा गांव के निकट मंगलवार को नर्मदा नदी में आठ पर्यटक नहाते हुए डूब गए। उनमें से एक व्यक्ति को बचा लिया गया।मामलतदार डिजास्टर ने बताया कि आज अपराह्न पोइचा गांव नीलकंठ महादेव मंदिर के निकट नर्मदा नदी के किनारे सूरत से पिकनिक मनाने आए छह बालकों सहित आठ लोग नदी में नहाते हुए गहरे पानी में डूब गए। दमकल विभाग को सूचना मिलते ही राजपीपणा की एक, वडोदरा की दो, भरूच की एक और एनडीआरएफ की एक टीम मौके पर पहुंच गयी।

उठावना

श्री प्रेम कुमार केड़िया
(सुपुत्र : स्व.श्री वासुदेव जी केड़िया)
स्वर्गवास : रविवार, 12 मई 2024
उठावना आज बुधवार, 15-5-2024 को दोपहर 12 से 1 बजे तक
जैन भवन, रामकोट, हैदराबाद पर होगा। (महिलाओं एवं पुरुषों के लिए)
शोकाकुल : गंगादत्त, चन्द्रप्रकाश, मोहनलाल, सोहनलाल, संजयकुमार, नरेशकुमार (भाई), आकाश (पुत्र), सुनील, नरेन, आशीष, अमित, निखिल, राहुल, कार्तिक, आदित्य, देवेश, वरुण (भतीजे), ध्रुव (पौत्र) एवं समस्त केड़िया परिवार
फर्म : वासुदेव नन्दलाल केड़िया (मंचरियाल वाले)
फ्लैट नं 202, श्री वरशिनी कैस्टल, सनराइज वैली के पास, पिल्लर नं. 179, उप्पर पल्ली, अत्तापुर, हैदराबाद. फोन : 9848026100, 9849710903
बैठक : रविवार, 19 मई 2024 को अपराह्न 3 से 5 बजे तक निवास स्थान पर।
KEDIA CLOTH STORES Mancherial
DHANLAKSHMI SILVER PALACE Mancherial
SIDDHI GOLD & SILVER Hyderabad
KEDIA PHARMA Hyderabad

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, Service No JC-724744N, Rank SUB/CLK SD, Name. BACHCHA DWIWEDI,S/o. S N DWIWEDI, Unit. 15 Corps Zonal WkSp C/o 56 APO, residing at Vill: JHANDA CHHPRA PO: KASHILA, Dist SIWAN, State BIHAR, Pin: 841287, changed my Daughter's Name from PALWI KUMARI to PALLAVI KUMARI, Affidavit Signed By advocate and Notary G Samuel Bsc LLB

CHANGE OF NAME
I. KAMLESH SINGH is legally Wedded Wife of Service No. 14641432X, Rank: HAV/DVR MT, Name: CHANDRA SHEKHAR SINGH, Unit: 232 Fd WKSP COY, 606 EME BN C/O. 56 APO, residing at Vill: BASANWAR, PO: ASANWAR, Teh: RASSA, Dist: BALLIA, State: Uttar Pradesh, Pin:221701,I have changed my name from KAMLESH SINGH to KAMLESH DEVI, Affidavit Signed By advocate and Notary G Samuel Bsc LLB

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No JC 390527M Sub Suresh Kumar Choudhary of 54 INF DIV SIGNALS REGT (AREN) C/o. 56 APO hereby declare that my son name and DOB is to be changed from ONKAR CHOUDHARY, DOB:03-03-2004 to OMKAR CHOUDHARY, DOB:17-2-2007 vide affidavit dt:14-5-2024 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

PUSHPA RESIDENCY-1

Quality Living Starts Here

Ready to occupy @ Thumkunta <<SHAMIRPET

TYPICAL FLOOR PLAN

- 2 Bhk
- Parking 2 wheeler & 4 Wheeler
- 100% Vaastu

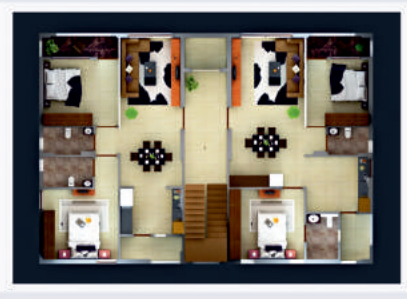

SCAN FOR SITE LOCATION

Everyone love to live in a beautiful & luxurious home where elders are happy & children grow up in a healthy environment. To experience the comfort of a spacious flat in a good neighbourhood, where fresh air & abundant water & the blissful silence of environment invites your family to live in comfort. Pushpa Residency is a prestigious project by Basai Group who have executed several successful projects. Their strength in the construction field can be gauged by the quality and dedication they bring to every project. we work hard to ensure customer satisfaction ... So why to wait now we provide you the luxurious flat in Thumkunta, Shamirpet .

FOR DETAILS

+91 77991 23471
94901 18708

Email : pushparesidency1@gmail.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.